रविवार

02 जून 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

गमछे के फेर में फंस गए लालू, भाजपा ने मतदान के दिन प्रचार का लगाया आरोप

2

लोकसभा चुनाव: एग्जिट पोल के अनुसार देश में फिर बन रही एनडीए सरकार, मिल रहा स्पष्ट बहुमत

एजेंसी/नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के सातों फेज की वोटिंग खत्म हो गई है। अब 4 जून को नतीजे आएंगे, लेकिन उससे पहले तमाम न्यूज चैनलों और एजेंसियों के एग्जिट पोल सामने हैं। ज्यादातर एग्जिट पोल में तीसरी बार मोदी सरकार के आने का अनुमान है, लेकिन किसी भी एग्जिट पोल में बीजेपी की अगुवाई वाले एनडीए के 400 पार नहीं होते दिख रहे हैं। ज्यादातर एग्जिट पोल में एनडीए को 370 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन को 125 से 150 सीटें मिल सकती हैं। इसके साथ ही एनडीए को बिहार में झटका लग सकता है। यहां उसकी 10 सीटें घट सकती हैं। जबकि इंडिया गठबंधन को 42% सीटें मिलती दिख रही हैं। दूसरी ओर, दक्षिण भारत में बीजेपी की एंट्री होती दिख रही है। यहां 3 एग्जिट पोल में बीजेपी को तमिलनाडु में 2-3 सीटें मिलने का अनुमान दिखाया गया है। केरल में भी बीजेपी का खाता खुलने जा रहा है। यहां भी एनडीए को 2-3 सीटें मिलती दिख रही हैं। कर्नाटक में बीजेपी को फायदा मिलेगा। यूपी की बात करें, तो यहां बीजेपी की कुछ सीटें घट सकती हैं।

एग्जिट पोल में इंडिया गठबंधन को 125-150 सीटें

ज्यादातर का अनुमान एनडीए को 350 से अधिक सीटें

रिपब्लिक-पीएमएआरक्यू के एग्जिट पोल में एनडीए को 359 सीटें मिलती दिखाई गई हैं, जबकि इंडिया गठबंधन के लिए 150 सीटों का अनुमान जताया गया है।

इंडिया न्यूज-डी डायनामिक्स के एग्जिट पोल में एनडीए को 371 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। इंडिया गठबंधन को 125 सीटें मिलने का अनुमान है।

इंडिया न्यूज-पोलस्ट्रैट के एग्जिट पोल में एनडीए के लिए 371 सीटों का अनुमान है, जबकि इंडिया गठबंधन को 125 सीटें मिलती दिख रही हैं। अन्य को 47 सीटें मिल सकती हैं।

एसएएम-जन की बात के एग्जिट पोल में एनडीए को 377 सीटें पर जीत का अनुमान है। इंडिया गठबंधन को 151 सीटें मिलती दिख रही हैं।

रिपब्लिक भारत मैट्रिज के एग्जिट पोल में एनडीए को 368 सीटें मिलने का अनुमान है। जबकि इंडिया गठबंधन 125 सीटें जीत सकती है।

न्यूज नेशन के एग्जिट पोल में एनडीए को 342 से 338 सीटें मिलती दिख रही हैं। जबकि इंडिया गठबंधन को 153-169 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है।

एनडीटीवी के एग्जिट पोल में एनडीए को 358 सीटें मिलने का अनुमान है। जबकि इंडिया गठबंधन 148 सीटें जीत सकती है।

दैनिक भास्कर के एग्जिट पोल के अनुसार एनडीए को 281-350 सीटें मिलने का अनुमान है। जबकि इंडिया गठबंधन को 145-201 सीटें मिल सकती हैं।

बिहार में एनडीए को 27 से 32 सीटें मिलने का दावा

आजतक-एक्सिस माई इंडिया के एग्जिट पोल के अनुसार, बिहार में 48 प्रतिशत वोट एनडीए के खाते में जा रहे हैं। पिछली बार 56 प्रतिशत वोट प्रतिशत आया था। महागठबंधन को इस बार बिहार में 42 प्रतिशत वोट प्रतिशत मिलने का अनुमान है। बिहार में एनडीए को 27 से 32 सीटें मिलने का दावा किया गया है। भाजपा को 17 की जगह 13 से 15 सीटें मिलेंगी। जदयू को 16 की जगह नौ से 11 सीटों पर जदयू की जीत संभावित। लोजपा-रा को चार सीटें मिलने की उम्मीद है। महागठबंधन को 7 से 10 सीटें मिलने का दावा किया जा रहा। इसमें से अकेले राजद 6-7, कांग्रेस 1-2 सीटें मिलने का दावा किया जा रहा। वहीं पाटलिपुत्र सीट पर मीसा भारती रामकृपाल यादव पर भारी दिख रही हैं।

अमेठी से हार रही हैं स्मृति, रायबरेली से जीत रहे राहुल

यूपी एग्जिट पोल के अनुसार एनडीए को 62 और सपा-कांग्रेस गठबंधन को 18 सीटें मिलती दिख रही हैं। इस सर्वे में हर सीट पर जीत हार बताई गई है। स्मृति ईरानी अमेठी से हार रही हैं। जबकि राहुल गांधी रायबरेली से जीत रहे हैं। घोसी से ओपी राजभर के बेटे अरविंद राजभर भी हार रहे हैं। पिछली बार यूपी के एग्जिट पोल में ज्यादातर अनुमान सही नहीं निकले थे। केवल आजतक-एक्सिस एग्जिट पोल ने भाजपा को 62-68, कांग्रेस को एक से दो और सपा-बसपा गठबंधन को 10-16 सीटें मिलने का अनुमान जताया था। जो सही निकला।

सातवें व अंतिम चरण के मतदान के साथ ही लोकसभा चुनाव संपन्न

आठ राज्यों की 57 सीटों के लिए शाम पांच बजे तक 59.66 प्रतिशत मतदान

- सबसे ज्यादा मतदान झारखंड में 69.96 प्रतिशत, जबकि सबसे कम बिहार में 51.33 प्रतिशत मतदान हुआ
- चार जून को घोषित होंगे नतीजे

एजेंसी/नई दिल्ली

सातवें व अंतिम चरण के मतदान के साथ ही लोकसभा चुनाव संपन्न हो गया। इस दौरान शनिवार को 8 राज्यों की 57 सीटों के लिए वोट डाले गए। इसमें बिहार, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में मतदान कराया गया। टर्न आउट एप के अनुसार, शाम 5 बजे तक इन 57 सीटों पर 59.66 प्रतिशत मतदान हुआ। सबसे ज्यादा मतदान झारखंड में 69.96 प्रतिशत इसके बाद पश्चिम बंगाल में 69.89 प्रतिशत हुआ है। वहीं सबसे कम मतदान बिहार में 51.33 प्रतिशत हुआ।

इस दौरान पश्चिम बंगाल के कई हिस्सों से हिंसा की खबरें भी सामने आईं। राज्य के दक्षिण 24 परगना इलाके ईवीएम को तालाब में फेंके जाने और जादवपुर में देसी बम मारे जाने के मामले सामने आए हैं। टर्न आउट ऐप के अनुसार शाम 5 बजे तक बिहार में 51.33%, चंडीगढ़ में 62.80%, हिमाचल प्रदेश में 68.09%, झारखंड में 69.96%, उड़ीसा में 64.69%, पंजाब में 55.86% और उत्तर प्रदेश में 55.60% वोटिंग हुई। सातवें और अंतिम चरण के मतदान के तहत पंजाब की 13, उत्तर प्रदेश की 13, पश्चिम बंगाल की 9, बिहार की 8, ओडिशा की 6, हिमाचल प्रदेश की 4, झारखंड की 3 और चंडीगढ़ की एक लोकसभा सीट सहित 8 राज्यों एवं संघ शासित प्रदेशों की 57 लोकसभा सीटों पर मतदान संपन्न हुआ। इस चरण के मतदान के साथ ही 19 अप्रैल से शुरू हुए चुनाव के सभी चरणों का मतदान संपन्न हो गया और अब नतीजे चार जून को घोषित किये जाएंगे।

सुबह 7 से शाम 5 बजे तक ऐसे बढ़ता गया मतदान प्रतिशत

राज्य	9 बजे तक	11 बजे तक	1 बजे तक	3 बजे तक	5 बजे तक
बिहार	10.58	24.25	35.65	42.95	48.86
चडीगढ़	11.64	25.03	40.14	52.61	62.80
हिमाचल	14.38	31.92	48.63	58.41	66.56
झारखंड	12.15	29.55	46.80	60.14	67.95
ओडिशा	7.69	22.46	37.64	49.77	62.46
पंजाब	9.64	23.91	37.80	46.38	55.20
उत्तर प्रदेश	12.94	28.02	39.31	46.83	54.00
प. बंगाल	12.63	28.10	45.07	58.46	69.89

बिहार के आठ लोकसभा सीटों पर हुई वोटिंग

बिहार के आठ लोकसभा सीटों पर सातवें व अंतिम चरण में वोट डाले गए। सबसे अधिक मतदान पाटलिपुत्र लोकसभा सीट पर 58.08 प्रतिशत, सबसे कम पटना साहिब पर 45.03 प्रतिशत मतदान हुआ। वहीं काराकाट में 54.31 प्रतिशत, आरा में 49.46 प्रतिशत, नालंदा में 45.19 प्रतिशत, सासाराम में 54.06 प्रतिशत, बक्सर में 54.57 प्रतिशत, जहानाबाद में 50.23 प्रतिशत मतदान हुआ। कुल 51.33 प्रतिशत मतदान हुआ। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बख्तियारपुर पहुंचकर आम लोगों की तरह पंक्ति में खड़े होकर मतदान किया। वहीं पटना के वेटनरी कॉलेज में बने बूथ पर लालू यादव के साथ पत्नी राबड़ी देवी और बेटी रोहिणी आचार्य ने भी मतदान किया।

उत्तर प्रदेश की 13 लोकसभा सीटों पर कुल 55.55 प्रतिशत मतदान: उत्तर प्रदेश की 13 लोकसभा सीटों पर कुल 55.55 प्रतिशत मतदान हुआ। जबकि पिछले लोकसभा चुनाव 2019 में इस अंतिम चरण में 58.37 प्रतिशत मतदान हुआ था। इस बार सबसे ज्यादा 60.34 प्रतिशत वोट चंदौली सीट पर पड़े और सबसे कम 51.25 प्रतिशत मतदान सलेमपुर सीट पर हुआ। वाराणसी लोकसभा सीट पर 56.35 प्रतिशत वोट पड़े।

कांग्रेस अध्यक्ष का दावा... लोकसभा चुनाव में 295 सीट से ज्यादा जीतेगा इंडिया गठबंधन

एजेंसी/नई दिल्ली

सातवें और आखिरी चरण की वोटिंग के बीच इंडिया ब्लॉक की बड़ी बैठक दिल्ली में हुई। इसके बाद गठबंधन के नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की। इसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दावा किया कि इंडिया गठबंधन लोकसभा चुनाव 2024 में 295 सीट से ज्यादा जीतेगा। ये बैठक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर पर हुई थी। इसमें लोकसभा चुनाव की समीक्षा हुई। खड़गे ने बताया कि करीब ढाई घंटे ये मीटिंग चली थी जिसमें कई मुद्दों पर बात हुई। सूत्रों के मुताबिक, मीटिंग में दावा हुआ है कि इंडिया ब्लॉक यूपी में 40, महाराष्ट्र में 24 सीट जीत सकता है। बैठक के दौरान विपक्षी नेताओं ने चुनाव नतीजों से पहले अपनी रणनीति पर चर्चा की। विपक्षी गठबंधन दावा कर रहा है कि वह भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को केंद्र में सत्ता में लौटने से रोकने और अपनी खुद की सरकार बनाने में सफल रहेगा।

बैठक में इंडिया ब्लॉक के कई नेता मौजूद थे। इसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, के.सी. वेणुगोपाल, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, एनसीपी नेता शरद पवार, जीतेन्द्र अव्हाड, आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल, पंजाब के सीएम भगवंत मान, संजय सिंह, राघव चड्ढा, डीएमके से टी. आर. बालू, आरजेडी से तेजस्वी यादव और संजय यादव, जेएमएम से चंपई सोरेन और कल्पना सोरेन, नेशनल कॉन्फ्रेंस से फारूक अब्दुल्ला, सीपीआई से डी. राजा, सीपीआई(एम) से सीताराम येचुरी, शिवसेना (उद्धव गुट) से अनिल देसाई, सीपीआई (एमएल) से दीपांकर भट्टाचार्य, सीपीआई (एमएल) और बिहार की वीआईपी पार्टी से मुकेश सहनी शामिल थे।

तेजस्वी बोले... इंडिया गठबंधन कम से कम 295+ सीटें जीतेगी

तेजस्वी यादव ने कहा कि इंडिया गठबंधन कम से कम 295+ सीट जीतेगी। गठबंधन जीत रहा, देश की जनता जीत रही है। पीएम का चेहरा कौन रहेगा, ये बाद में हम लोग तय करेंगे, लेकिन जनता का सर्वे महागठबंधन, इंडिया गठबंधन के साथ है। बीजेपी का जो 400 पार का नारा है उनकी फिल्म फर्स्ट फेज में ही फ्लॉप हो गई। वहीं अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सीटें पलट जाएंगी और इंडिया गठबंधन सबसे ज्यादा सीटें जीतेगी। अखिलेश ने गठबंधन के पीएम के चेहरे पर भूचाल आने के बीजेपी के दावे पर कहा कि भूचाल नहीं आएगा। पहले से महंगाई का भूचाल था, जीएसटी की मार का भूचाल था, सीबीआई का भूचाल था, ईडी का भूचाल था। अब ये सब भूचाल खत्म हो जाएंगे। दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा, ' इंडिया गठबंधन को 295+ सीट मिल रही हैं। बीजेपी 220 सीटों पर सिमट जाएगी। एनडीए गठबंधन को 235 के करीब सीट मिल रही हैं। इंडिया गठबंधन सरकार बनाएगी।

अभिनेता सलमान पर फिर हमला करने की रची जा रही थी साजिश

एजेंसी/मुंबई

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान पर एक बार फिर से हमला करने की साजिश रची जा रही थी। हालांकि, मुंबई पुलिस ने इस कोशिश को नाकाम कर दिया। नवी मुंबई पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। ये चारों लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के सदस्य हैं। नवी मुंबई पुलिस ने बताया कि आरोपी पनवेल में सलमान खान की कार पर हमला करने की साजिश रच रहे थे। कार को छलनी करने के लिए पाकिस्तान से सप्लायर के जरिए हथियार मंगवाने की भी साजिश रची जा रही थी। मामले में पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई, अनमोल बिश्नोई समेत 17 के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान धनंजय उर्फ अजय कश्यप, गौरव भाटिया उर्फ नाहवी, वासपी खान उर्फ वसीम चिकना, रिजवान खान उर्फ जावेद खान के रूप में हुई है।

बीजेपी नेता व पाटलिपुत्र लोकसभा सीट से उम्मीदवार रामकृपाल यादव पर चली गोली, बाल-बाल बची जान

केटी न्यूज/पटना

बीजेपी नेता और पाटलिपुत्र लोकसभा सीट से उम्मीदवार रामकृपाल यादव पर फायरिंग हुई है। बताया जा रहा है कि पाटलिपुत्र लोकसभा क्षेत्र में उन पर फायरिंग हुई है। फायरिंग किसने किया, क्यों किया, इस बात की जानकारी नहीं मिल पाई। खबरों की माने तो फायरिंग के दौरान रामकृपाल यादव के एक समर्थक को गोली लगी है।

फिलहाल उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं फायरिंग की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई हैं और मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार रामकृपाल यादव अपने संसदीय क्षेत्र के मसौढ़ी इलाके में गए थे। उनके साथ समर्थक थे। बताया जा रहा है कि इसी दौरान रामकृपाल यादव के ऊपर फायरिंग की गई। घटना देर शाम 7:30 बजे की है। बताया जा रहा है कि रामकृपाल यादव की गाड़ी पर अज्ञात लोगों ने गोली चलाई। इस घटना में वे बाल-बाल बच गए। आशंका जताई जा रही है कि चुनावी रंजिश को लेकर वारदात को अंजाम दिया गया है।

सातवें चरण के चुनाव में वोट डालने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया दावा

एक बार फिर प्रचंड बहुमत वाली मोदी सरकार बननी तय

केटी न्यूज/गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि देश की जनता जनार्दन के प्रबल समर्थन और आशीर्वाद से 4 जून को जब लोकसभा चुनाव के अलग अलग चरणों मे हुए मतदान का फैसला आएगा तो एक बार फिर प्रचंड बहुमत से मोदी सरकार बननी तय है। जनता ने विकसित और आत्मनिर्भर भारत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए भारतीय जनता पार्टी को भरपूर आशीर्वाद दिया है।

लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण में शनिवार सुबह मतदान करने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले ढाई महीने से अधिक समय से जो देश के अंदर आमजन की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए विभिन्न राजनीतिक दलों ने जनता जनार्दन के सामने अपने-अपने मुद्दे रखे। अपनी सरकारों के समय के कार्य और कारनामों को रखा। देश के अंदर नई सरकार का गठन करने के लिए मतदाताओं ने सभी राजनीतिक दलों के शासनकाल और कुछ दलों की पूर्व सरकारों के कारनामों का अवलोकन करते हुए उनका मूल्यांकन किया है। देश के अंदर जो समर्थन मिला है उसको ध्यान में रखते हुए कहा जा सकता है कि 4 जून को जब जनता जनार्दन का फैसला आएगा तो देश के अंदर आत्मनिर्भर भारत, विकसित भारत, विरासत भी-विकास भी, गरीबों के प्रति संवेदना भी और युवा पीढ़ी के उज्जवल भविष्य के लिए जिन लोगों ने, जिन पार्टियों ने, जिन सरकारों ने काम किया है, उनको जनता का पूरा आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है। जनता को यह सुखद अनुभूति होगी देश में मोदी जी एक बार फिर से प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाएंगे और उत्तर प्रदेश इसमें अपनी भूमिका का पूरी मजबूती से निर्वहन करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी लोगों ने 10 वर्षों में बदलते हुए भारत को तथा पिछले 7 वर्षों में डबल इंजन की सरकार में नए उत्तर प्रदेश का दर्शन किया है। यहां युवाओं के लिए, किसानों के लिए, व्यापारियों के लिए, महिलाओं के लिए और समाज के हर तबके के लिए सुरक्षा, सम्मान और विकास की भावना से जो कार्य मोदी जी के नेतृत्व में हुआ है, उससे जनता का आशीर्वाद मोदी जी को भारतीय जनता पार्टी को पूरे प्रदेश के अंदर देश के अंदर प्राप्त हुआ है और हो रहा है।

मुजफ्फरपुर में आधी रात इंजीनियर से लूटपाट, विरोध करने पर चाकू से गोंदकर हत्या

- चक्कर मैदान रोड में रबर कंपनी के इंजीनियर की चाकू घोंपकर हत्या

केटी न्यूज/मुजफ्फरपुर

गोबरसही से पावर हाउस चौक जाने वाले रास्ते में सेना के कैंटीन के समीप अपराधियों ने चाकू मारकर इंडिगो रबर कंपनी के जूनियर इंजीनियर मो. हारीश (35) की हत्या कर दी। वह सकरा थाना क्षेत्र के फरीदपुर गांव के रहनेवाले थे। घटना शनिवार रात दो से तीन बजे के करीब हुई। मृतक के सीने में बायीं तरफ दो चाकू से वार किये गये थे। उनका शव सड़क किनारे पड़ा था. राहगीरों ने सुबह करीब पांच बजे घटना की सूचना डायल 112 की टीम को दी। इसके बाद काजीमोहम्मदपुर थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. मृतक फॉर्मल शर्ट व पैंट पहने हुए था। जूता व पीठ में बैठ टांगा हुआ था। पुलिस ने घटनास्थल को चारों तरफ पट्टी से घेर दिया। सिटी एसपी अवधेश सरोज दीक्षित व एएसपी टाउन भानु प्रताप सिंह, काजीमोहम्मदपुर थानेदार मनोज कुमार साह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। गोबरसही चौक से लेकर पावर हाउस चौक तक के

सीसीटीवी फुटेज को देखा। छानबीन में पता चला है कि रात्रि करीब 3:58 बजे एक स्कूटी पर सवार युवक पावर हाउस चौक के समीप होटल के बाहर तैनात गार्ड को सड़क के किनारे एक व्यक्ति के जख्मी हालत में गिरे होने की जानकारी दी थी. मृतक के पॉकेट से मोबाइल व पर्स गायब है। पुलिस अपराधियों का सुराग लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी हुई थी। मृतक मो. हारीश के ससुर अब्दुल हइव चंदवारा हजरत अली एकेडमी के प्रिंसिपल है। उन्होंने बताया कि बेटी तूबा अम्बरीन की शादी पांच साल पहले सकरा के फरीदपुर निवासी मो. हारिश से की थी. उसका पूरा परिवार दिल्ली में रहता है. दामाद दिल्ली में इंडिगो रबर एजेंसी में जूनियर इंजीनियर के पद पर था। प्रत्येक महीने 10 से 25 तारीख तक वह क्वालिटी चेक के लिए हमेशा टूर पर रहते थे. पुलिस को मृतक के पैकेट से आइकार्ड मिला जिससे उसकी पहचान की गयी। फिर, सकरा स्थित उसके पैतृक गांव में खबर दी। जहां से चंदवारा स्थित उसके ससुराल में इसकी जानकारी हुई. फिर, मृतक के गांव व ससुराल से लोग काजीमोहम्मदपुर थाने पहुंचे। एएसपी टाउन ने थाने पर मृतक के परिजनों से पूछताछ की है। बेटे के जन्म होने की खुशी मनाने पर हजारीबाग से आए थे मुजफ्फरपुर मो. हारीश की पत्नी तूबा ने 30 मई की देर रात इमलीचट्टी स्थित निजी क्लिनिक में बेटे को जन्म दी थी. इसकी जानकारी जब मो. हारीश को मिली तो वह कंपनी के काम से झारखंड के हजारीबाग में थे। वहां से उनको चतरा जाना था. लेकिन, बेटे की खुशी में वह छुट्टी लेकर मुजफ्फरपुर के लिए चल दिये। एफएसएल ने जुटाए साक्ष्य, रात्रि में व्हाट्सएप था थे। घटनास्थल पर पहुंच कर टावर डंप कर अपराधियों का सुराग लगा रही है। वहीं, जूनियर इंजीनियर की हत्या के बाद लूटे गए मोबाइल का सुराग लगा रही है। वहीं इस संबंध में सिटी एसपी अवधेश दीक्षित ने बताया कि एक जगह मृतक सीसीटीवी में पैदल जाता हुआ दिखा है. जल्द ही मामले का खुलासा कर लिया जाएगा।

हेलिकॉप्टर बुक करने के नाम पर शख्स हुआ साइबर ठगी का शिकार

केटी न्यूज/मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर में साइबर फ्रॉड ने एक श्रद्धालु को हेलिकॉप्टर से दर्शन करवाने के नाम पर ठग लिया। बताया जा रहा है कि साइबर अपराधी ने एक श्रद्धालु को उत्तराखंड में बाबा केदारनाथ मंदिर के दर्शन करवाने के नाम पर डेढ़ लाख रुपये ठग लिए।जानकारी के मुताबिक, केदारनाथ जाने के लिए हेलिकॉप्टर बुक करने के नाम पर साइबर शातिरों ने शहर के नगर थाना क्षेत्र इलाके के दीवान रोड निवासी आनंद कुमार से कुल 1.46 लाख रुपये की ठगी कर ली। इसे लेकर पीड़ित आनंद ने साइबर थाना मुजफ्फरपुर में एफआईआर दर्ज कराई है। इस पूरे मामले में पुलिस जांच कर रही है। पीड़ित आनंद ने पुलिस को बताया कि एक सोशल मीडिया पर हेलिकॉप्टर सेवा देने वाली कंपनी का एड देखा था। उस पर क्लिक करते ही सीधे वाट्सएप सेक्शन में कॉल चला गया और जिस पर पंकज कुमार नामक एक व्यक्ति से बात हुई। उसने खुद को एक कंपनी का अधिकारी बताया था।

लालू प्रसाद अपनी बेटियों को छोड़ किसी प्रत्याशी के प्रचार में सक्रिय नहीं दिखे

बिहार में इंडी लड़ा ही नहीं, एग्जिट पोल बता रहा तेजस्वी यादव का स्ट्राइक रेट

- दो एग्जिट पोल अन्य (निर्दलीय) के खाते में एक सीट दे रहे हैं
- राजग को न्यूनतम 27 और अधिकतम 36 सीटें दी जा रही है

केटी न्यूज/पटना

लोकसभा चुनाव 2024 के एग्जिट पोल ने एक बार फिर 2019 के ऐसे सर्वे के आंकड़ों को लगभग दोहरा दिया है। पिछली बार सिर्फ एक एग्जिट पोल ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को 38 से 40 सीटें दी थीं। बाकी ने राजग को 30 से 34 सीटों के आसपास रखा था। इस बार पिछली बार के मुकाबले राजग की स्थिति एग्जिट पोल में खराब दिख रही है। राजग को न्यूनतम 27 और अधिकतम 36 सीटें दी जा रही हैं। दो एग्जिट पोल अन्य (निर्दलीय) के खाते में एक सीट दे रहे हैं। लेकिन, सबसे बड़ी बात यह कि महागठबंधन को बिहार में दो से लेकर 10 सीटें दी जा रही हैं। मतलब, यह परिणाम में बदला तो महागठबंधन के खाते में उपलब्धि तो आएगी ही। और यह उपलब्धि राष्ट्रीय स्तर पर बने इंडी एलायंस की नहीं, बल्कि बिहार में पहले से चल रहे महागठबंधन की होगी। उससे भी ज्यादा इकलौते विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव की।

सीट बांटे बगैर प्रत्याशी उतारने के साथ दिखा दी ताकत

एग्जिट पोल को तेजस्वी यादव फिलहाल गलत मान रहे हैं। उनका कहना है कि परिणाम वही होगा, जो इंडी एलायंस की दिल्ली में हुई बैठक के बाद बताया गया। उस हिसाब से बिहार की 40 सीटों पर भी उन्हें करिश्मे का इंतजार है। वैसे, राज्य विधानसभा की सबसे बड़ी पार्टी लालू प्रसाद यादव की राष्ट्रीय जनता दल के पास अभी एक भी लोकसभा सांसद नहीं हैं। तो, अगर एग्जिट पोल के हिसाब से भी अगर न्यूनतम दो और अधिकतम सात-आठ सीटें भी महागठबंधन के खाते में आती हैं तो बिहार में राजद का दबदबा बढ़ेगा ही। 2019 में महागठबंधन के खाते से सिर्फ एक कांग्रेसी सांसद चुने गए थे। इस बार का एग्जिट पोल राजद को जिस तरह से दिखा रहा है, उससे पांच-सात सीटें अकेले लालू की पार्टी भी ला सकती है। अगर ऐसा हुआ तो यह राजद के पुराने फैसलों को भी सही बता देगा। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने सामने आकर भले नहीं किया हो, लेकिन चुना प्रचार की जिस तरह से कमान संभाली थी- उससे साफ लगता है कि सीट बंटवारा किए बगैर प्रत्याशियों को सिम्बल देने में लालू सिर्फ दिखावे के लिए ही थे। लालू प्रसाद अपनी बेटियों को छोड़ किसी प्रत्याशी के प्रचार में सक्रिय नहीं दिखे, जबकि राजद में भी कमान अकेले तेजस्वी ने संभाल रखी थी। राहुल गांधी कांग्रेसी सीट तक सिमटे, वामपंथी भी कम दिखे

बिहार का एग्जिट पोल दिखाते समय एजेंसियों ने कहीं इंडी एलायंस तो कहीं कांग्रेस+ लिखा, जबकि हकीकत यह है कि यहां राजद+ या महागठबंधन ही चुनाव में उतरा था। इंडी एलायंस के किसी नए दल को बिहार में मौका नहीं मिला।

हाजीपुर में एक ही परिवार के चार बच्चे हुए गायब

हाजीपुर। हाजीपुर इलाके में एक परिवार के चार बच्चे एक साथ घर से गायब हो गए है। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। परिजन काफी परेशान हैं। सभी जगहों पर खोजबीन करवाई जा रही है। इस मामले को लेकर पीड़ित दीपक साह ने थाने में लिखित आवेदन दिया है। यह घटना हाजीपुर के सदर थाना क्षेत्र के बलवा कुवांरी की है।जानकारी के मुताबिक, दीपक साह देवराजपथ पर चाय का दुकान चलाते हैं। उसी से पूरे परिवार का जीवन यापन होता है। शुक्रवार के दिन दीपक साह ने अपने बच्चों को पढ़ाई को लेकर डांट फटकार लगाई थी। उसके बाद अंजलि अपने भाई कृष, ओम कुमार और शिवम के साथ घर से निकल गई। उसके बाद इस मामले की जानकारी परिजनों को लगी। खोजबीन शुरू कर दी गई। फिलहाल बच्चों का कहीं से कोई सुराग नहीं मिला है। सभी बच्चे नाबालिग हैं। बच्चों के गायब होने के बाद से मुजफ्फरपुर जैसी घटना को लेकर अनहोनी की आशंका जताई जा रही है।वहीं, सदर थाना पुलिस ने आवेदन मिलने के बाद एफआईआर दर्ज कर ली है।

गमछे के फेर में फंस गए लालू, भाजपा ने मतदान के दिन प्रचार का लगाया आरोप

- गमछा लेकर लालू प्रसाद यादव अपने परिवार के साथ गये थे अपना मतदान करने के लिए

केटी न्यूज/पटना

बिहार की राजधानी पटना में भाजपा ने मतदान के दिन राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत दी है। भाजपा का आरोप है कि लालू यादव अपनी पार्टी का चुनाव चिन्ह हरे रंग के पट्टे में लालटेन छाप बना हुआ गमछा गले में लपेटकर अपने चुनाव चिन्ह को प्रदर्शित करते हुए मतदान केंद्र में गए और मतदान कर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया। भाजपा ने निर्वाचन अधिकारी को लिखे पत्र में कहा कि सातवें और अंतिम चरण के चुनाव के दिन आज शनिवार एक जून को राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव अपनी पार्टी का चुनाव चिन्ह लालटेन वाला पट्टा/गमछा गले में लपेटकर अपनी पार्टी का चुनाव चिन्ह लालटेन दिखाते हुए मतदान केंद्र में मतदान करने गए। पार्टी ने आरोप लगाया कि इससे ऐसा लगता है कि वे मतदाताओं को मतदान केंद्र पर राजद के पक्ष में मतदान करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे थे। इसके वजह से मतदान प्रभावित हो रहा है।भाजपा ने कहा कि यह लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 130 के प्रावधानों से प्रतिबंधित है और दंडनीय अपराध है, जिसकी सजा भी इस धारा के अंतर्गत निहित है। साथ ही साथ यह चुनाव आदर्श आचार संहिता के निर्देश सं० 135 की कंडिका 8 का खुल्लम-खुल्ला उल्लंघन है। यह भारतीय दंड विधान की धारा 171 के अंतर्गत भी दंडनीय अपराध है। इसलिए निर्वाचन अधिकारी से निवेदन है कि राजद के लालू प्रसाद यादव के खिलाफ सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया जाए। साथ ही उचित कानूनी कार्रवाई करने की कृपा की जाए।

लोकसभा सीटों पर लू का अलर्ट जारी, 10 जिलों में बारिश के आसार

केटी न्यूज/पटना

बिहार की आठ लोकसभा सीटों- पटना साहिब, पाटलिपुत्र, नालंदा, आरा, बक्सर, काराकाट, सासाराम और जहानाबाद पर संपन्न हुआ। मौसम विभाग ने बक्सर, आरा, सासाराम और काराकाट सीटों पर भीषण उष्ण लहर (लू) का अलर्ट जारी कर दिया गया था। इन जिलों में अधिकतम तापमान 42 से 44 डिग्री के बीच रहने की संभावना व्यक्त की गई है। पूरे दिन लगभग मौसम उसी के अनुरूप रहा था। इन लोकसभा सीटों की अपेक्षा में पटना में थोड़ी कम गर्मी पड़ी। रात से चल रही ठंडी हवाओं ने पटना वासियों राहत दी है। जिला प्रशासन की ओर से सभी बूथों पर गर्मी से बचाव के उपाय किए गए हैं। मतदाताओं को धूप में खड़ा न होना पड़े, इसके लिए शेड के इंतजाम किए गए हैं। इन जिलों में बारिश के आसार मौसम विभाग ने शनिवार को बिहार के कई जिलों में एक या दो स्थानों पर मेघ गर्जन के साथ तेज हवा और बारिश की संभावना जताई गई है। जिन जिलों में मौसम विभाग ने बारिश की संभावना जताई है। उनमें पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज, कटिहार, पूर्णिया शामिल है। मौसम विभाग ने इन इलाकों में तेज हवा जिसकी रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की चलने की संभावना है।

बक्सर सबसे गर्म जिला

24 घंटे के दौरान राज्य के लगभग सभी भागों में मध्यम स्तर की बरसात दर्ज की गई। सबसे ज्यादा वर्षा 84.4 मिलीमीटर किशनगंज में दर्ज की गयी। 24 घंटे के दौरान कई जगहों पर भीषण उष्ण लहर और उष्ण

लहर भी दर्ज किया गया। भीषण उष्ण लहर औरंगाबाद और बक्सर में दर्ज किया गया। सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान बक्सर 47.1 डिग्री दर्ज किया गया। सबसे कम न्यूनतम तापमान मोतिहारी में 22.0 सेल्सियस दर्ज किया गया। वर्षा होने के कारण तापमान में दो से चार डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। इसके साथ ही वायुमंडल में सापेक्ष आर्द्रता की मात्रा बढ़ गई है। ऐसी स्थिति में तापमान का विस्तार 35 से 40 डिग्री तक बना रहेगा। इसके कारण मौसम उमस भरी बनी रहेगी।

कई जिलों में बारिश के आसार

मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, अगले 24 घंटे के दौरान कई जगहों पर हल्की वर्षा के आसार हैं। दो दिनों के बाद तापमान में ज्यादा परिवर्तन की संभावना नहीं है। हवा का रुख दक्षिणी पूर्वी से दक्षिणी पश्चिमी होने की संभावना है। अगले तीन से चार दिनों के अंदर बंगाल की खाड़ी की दक्षिणी भाग में मानसून दस्तक दे सकती है। एक कम दबाव का क्षेत्र उत्तर पूर्वी असम में समुद्र तल से 1.5 किलोमीटर ऊपर बनी हुई है। इसके कारण राज्य के अधिकांश इलाकों में थोड़ा-थोड़ा बादल छाया रहेगा और मौसम उष्ण और नमी युक्त वाली बनी रहेगी। बिहार के जिलों में पिछले 24 घंटे के दौरान अधिकतम तापमान इस प्रकार दर्ज किए गए पटना 40.7, गया 45.2, पूर्णिया 32.2, भागलपुर 37.3, बाल्मीकि नगर 40.2, मुजफ्फरपुर 37.8, छपरा 42.8, दरभंगा 36.2, सुपौल 34.2, फारबिसगंज 32.2, डेहरी 46.0, मधुबनी 38.1, मोतिहारी 42.5, शेखपुरा 41.6, गोपालगंज 42.2, मधेपुरा 32.7, जमुई 40.5, बक्सर 47.1, भोजपुर 44.1, वैशाली 42.6, औरंगाबाद 46 1, बेगूसराय 37.4 ,खगड़िया 37.3, बांका 37.4, कटिहार 32.4 ,नवादा 43.9, हरनौत 42.5, जीरादेई 42.0, पूसा 37.0, अरवल 44.8, किशनगंज 28.5 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज की गई।

चुनाव ड्यूटी में तैनात कर्मी की मौत

आरा। भोजपुर में चुनाव ड्यूटी पर लगे पोलिंग ऑफिसर की बूथ पर हीट वेव की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना अगिआंव विधानसभा के बगही बूथ पर की है। मृत पोलिंग ऑफिसर के शव का सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया गया और फिर परिजनों को सौंप दिया गया। घटना के संबंध में साथ में काम करने वाले कर्मियों का कहना है कि चौरी थाना क्षेत्र के डिलिया गांव के रहने वाले स्वर्गीय सुरेश राम के पुत्र सुदामा कुमार प्रसाद सहार सीएचसी में ऑफिस असिस्टेंट के पद पर कार्यरत थे। लोकसभा 2024 चुनाव के लिए उनकी ड्यूटी अगिआंव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बगही बूथ पर हुई थी। आज शाम में एकाएक उनकी तबीयत खराब हुई और जब तक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में लाया गया, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। सुदामा कुमार की ड्यूटी चुनाव में लगी थी।

मतदान से पहले मां का निधन, बेटे बोले- पहले वोट डालेंगे, फिर करेंगे दाह संस्कार

केटी न्यूज/जहानाबाद

जहानाबाद लोकसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 151 अंतर्गत देव कुली गांव में एक महिला का निधन हो गया। हालांकि परिजनों ने पहले मतदान करने का निर्णय लिया। उसके बाद दाह संस्कार करने की बात कही मृतका के बेटे मनोज यादव ने बताया कि मतदान पांच साल पर आता है। मेरे माता जो चली गईं, वे नहीं आएंगी।

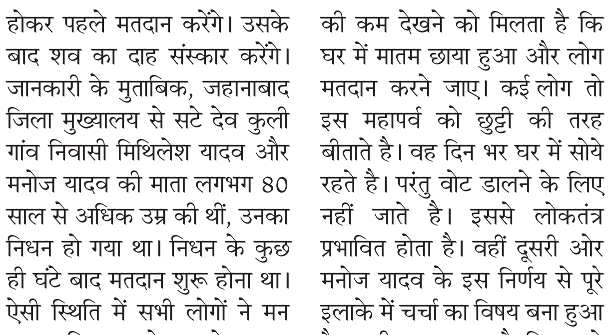

इसलिए हम लोगों ने पूरे परिवार के साथ पहले यह मन बनाया कि मतदान किया जाए। इसके बाद ही शव का दाह संस्कार किया जाए। मृतका के घर की महिला सदस्य उषा देवी ने भी कहा कि मतदान आवश्यक है, इसलिए हम लोग पहले मतदान करने जा रहे हैं। पूरे परिवार के साथ हम लोग कतारबद्ध होकर पहले मतदान करेंगे। उसके बाद शव का दाह संस्कार करेंगे। जानकारी के मुताबिक, जहानाबाद जिला मुख्यालय से सटे देव कुली गांव निवासी मिथिलेश यादव और मनोज यादव की माता लगभग 80 साल से अधिक उम्र की थीं, उनका निधन हो गया था। निधन के कुछ ही घंटे बाद मतदान शुरू होना था। ऐसी स्थिति में सभी लोगों ने मन बनाया कि हम लोग पहले मतदान करें, उसके बाद शव का दाह संस्कार करें। हालांकि यह बहुत की कम देखने को मिलता है कि घर में मातम छाया हुआ और लोग मतदान करने जाए। कई लोग तो इस महापर्व को छुट्टी की तरह बीताते है। वह दिन भर घर में सोये रहते है। परंतु वोट डालने के लिए नहीं जाते है। इससे लोकतंत्र प्रभावित होता है। वहीं दूसरी ओर मनोज यादव के इस निर्णय से पूरे इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है। सभी का कहना है कि उसने भारत के नागरिक होने का फर्ज निभाया है।

मतदान संपन्न : दिन चढ़ने के साथ बढ़ा बक्सर संसदीय क्षेत्र का मतदान प्रतिशत, युवाओं में दिखा उत्साह

टूटा पिछला रिकार्ड : 54.45 % लोगों ने किया मतदान

बक्सर लोक सभा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में समय व मतदान प्रतिशत

समय	मतदान प्रतिशत
सुबह 9:00	08.32 %
सुबह 11:00	25.89 %
दोपहर 1:00	37.79 %
दोपहर 3:00	37.79 %
संध्या 5:00	52.29 %
संध्या 7:00	54.45 %

बक्सर लोक सभा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का मतदान प्रतिशत

विधानसभा क्षेत्र	मतदान प्रतिशत
199- ब्रह्मपुर	49.05 %
200- बक्सर	55.05 %
201- डुमरांव	52.25%
202- राजपुर	53.77%
203- रामगढ़	55.68%
210- दिनारा	47.06%

एमपी हाई स्कूल में मतदाताओं को पौधे भेंट करते जिलाधिकारी।

एमपी हाई स्कूल में मेडिकल टीम के साथ तैनात एसीएमओ डॉ. शैलेंद्र।

बक्सर व्यापार मंडल स्थित बूथों पर दोपहर होते ही छाई विरानगी।

कर्मनाशा सीमा पर कड़ी चौकसी, सड़क पर पड़ा रहा सन्नाटा।

सभी बूथों सुरक्षा के कड़े इंतजाम, पूरे दिन मतदान केन्द्रों का निरीक्षण करते रहे डीएम एसपी

मौसम को देखते हुए जिले बूथों पर की गई थी पेयजल व ओराएस आदि की व्यवस्था

भीषण गर्मी को धत्ता बताते हुए महिलाएं और पुरुषों ने जमकर किया मताधिकार का प्रयोग

केटी न्यूज/बक्सर

शनिवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बक्सर संसदीय क्षेत्र का चुनाव संपन्न हो गया। भीषण गर्मी व तल्ख धूप के बीच लोगों ने जमकर मतदान किया। सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक वोटिंग हुई। निर्वाचन आयोग के अनुसार जिले के कुछ हिस्सों में छह बजे के बाद भी मतदान हुए, क्योंकि गर्मी के कारण लोग देरशाम मतदान को पहुंचे। शाम सात की जारी बुलेटिन के अनुसार जिले में 54.45 प्रतिशत मतदान हुए। बताया जाता है कि वर्ष 2019 में हुए बक्सर संसदीय क्षेत्र के छह विधानसभाओं में 53.17 प्रतिशत मतदान हुआ था। इस बार मतदाताओ ने पिछला रिकार्ड तोड़ डाला। जिले के विभिन्न बूथों पर उम्र के अंतिम पड़ाव के मतदाताओं ने मतदान कर लोगों को प्रेरित किया है।

वहीं, मतदान के दौरान प्रशासनिक व्यवस्था भी काबिले तारीफ थी। सभी बूथों पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किए गए थे। बूथों पर पुरूष के अलावे महिला जवानों की तैनाती भी की गई थी। इसके अलावे पूरे दिन जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीएम अंशुल अग्रवाल तथा एसपी मनीष कुमार के साथ ही जिले के तमाम बड़े अधिकारी विभिन्न मतदान केन्द्रों का जायजा लेते रहे। छिटपुट घटनाओं को छोड़ जिलेभर में शांतिपूर्ण मतदान होने की जानकारी मिली है। मतदान के दौरान कही से भी किसी तरह की अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। मतदान शांतिपूर्ण संपन्न होने से प्रशासन ने राहत की सांस ली है।

दियारा इलाके के बूथों का भी डीएम एसपी ने किया निरीक्षण : मतदान के दौरान डीएम एसपी ने करीब दर्जनभर बूथों का निरीक्षण किया है। इस दौरान वहां मतदाताओं से उनके मतदाता पहचान पत्र की जांच के अलावे बूथों पर मौजूद सुविधाओं की पड़ताल भी की। जानकारी के अनुसार डीएम एसपी द्वारा एमपी हाई स्कूल बक्सर, उत्क्रमित उच्च विद्यालय पुराना भोजपुर, प्लस 2 राज हाई स्कूल डुमरांव, मध्य विद्यालय चुरामनपुर, मध्य विद्यालय गंगौली के अलावे करीब दर्जनभर मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान बूथों पर पानी की व्यवस्था, टेंट, पंडाल की व्यवस्था, नींबू पानी, ओआरएस घोल की व्यवस्था का जायजा लिया। साथ ही मतदाताओं की सुरक्षा हेतु भी निरीक्षण कर उपस्थित पदाधिकारी को भारत निर्वाचन आयोग के दिए गए दिशा निर्देश के अनुसार आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उत्क्रमित उच्च विद्यालय पुराना भोजपुर मतदान केन्द्र पर निरीक्षण के दौरान डीएम एसपी ने पेयजल के लिए रखे गए मटके का निरीक्षण किया कि उसमें पानी है कि नहीं, वही वहां मौजूद कर्मियों को हर समय पानी की व्यवस्था रखने का निर्देश दिया। डीएम एसपी ने निर्भिक हो मतदान करने की अपील की।

15 बूथों पर बदलें गए ईवीएम : मॉक पोल शुरू होते ही जिले के विभिन्न 15 बूथों पर ईवीएम मशीन में तकनीकी खराबी आ गई। जिसकी जानकारी मिलते ही तत्काल उन बूथो पर दूसरा ईवीएम मशीन पहुंचाया गया। इसके बाद मॉक पोल तथा मतदान की प्रक्रिया शुरू हुई। प्रशासनिक तत्परता से बहुत कम समय पर खराब ईवीएम को रिप्लेश किए जाने से मतदान की प्रक्रिया बाधित नहीं हुई।

1941 मतदान केंद्रों में से 1008 मतदान केंद्रों पर लाइव वेबकास्टिंग : भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देश के आलोक में जिलाधकिारी व एसपी ने संयुक्त रूप से समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में प्रेस ब्रीफिंग की। जिसमें जिलाधिकारी ने बताया कि बक्सर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र अंतर्गत शांतिपूर्ण मतदान संपन्न हुआ। मतदान प्रारंभ होने से सुबह 9:00 बजे तक मतदान 8.20%, सुबह 11:00 बजे तक 26.01%, दोपहर 01:00 बजे तक 37.89%, दोपहर 03:00 बजे तक 45.99%, दोपहर 5:00 बजे तक 52.38% एवं 06:00 बजे तक अनुमानित प्रतिशत 53.7 %है।

उन्होंने बताया कि 1941 मतदान केंद्रों में से 1008 मतदान केंद्रों पर लाइव वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई थी। सामान्य मतदान केंद्रों पर 1-3 एवं संवेदनशील मतदान केंद्र पर 1-4 का पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। संवेदनशील मतदान केंद्रों/सामान्य मतदान केंद्रों पर अर्धसैनिक बलों की प्रतिनियुक्ति की गई तथा प्रत्येक मतदान केंद्रों पर गृहरक्षक की प्रतिनियुक्ति की गई।

मॉक पोल से ही शुरू हो गया था निगरानी

बक्सर संसदीय क्षेत्र में सुबह छह बजे से बूथों पर मॉक पोल शुरू होते ही जिला नियंत्रण कक्ष बक्सर से मतदान प्रक्रिया पर लगातार नजर रखी जा रही थी। अपने मातहतों के साथ बैठ जिला निर्वाचन पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने जिला नियंत्रण कक्ष में बैठ सभी मतदान केंद्रों से मॉक पोल के संबंध में जानकारी लिए। इस दौरान विभिन्न मतदान केन्द्रों को प्रोजाइडिंग तथा अन्य कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। वही, सुबह सात बजे से मतदान प्रक्रिया शुरू होने से लेकर शाम छह बजे मतदान संपन्न होने तक नियंत्रण कक्ष में बैठ जिला स्तरीय अधिकारी मतदान प्रक्रिया की मॉनिटरिंग करते रहे।

मेडिकल टीम व बीएलओ को दिया निर्देश

बूथों के निरीक्षण के दौरान डीएम ने मतदान केन्द्रों पर प्रतिनियुक्त मेडिकल टीम को तत्परता से कार्य करने का निर्देश दिया। डीएम ने कहा कि भीषण गर्मी पड़ रही है। ऐसे में मतदानकर्मियों तथा मतदाताओं के बीमार पड़ने की संभावना है। जिसे देखते हुए पूरे चुनाव के दौरान सतर्क रहना है तथा किसी भी कर्मी या मतदाता के बूथ पर बीमार होने की स्थिति में उसे ततकाल मेडिकल सुविधाएं देनी है। डीएम ने मेडिकल टीम के पास मौजूद जरूरी दवाओं, ओराएस आदि का निरीक्षण भी किया। वही, बीएलओ को भी मतदान में मतदाताओं को सहयोग करने का दिशा निर्देश दिया गया।

उत्क्रमित उच्च विद्यालय में पेयजल व्यवस्था की जांच करते जिलाधिकारी।

उत्क्रमित उच्च विद्यालय में ह्वील चेयर से मतदान करने पहुंचे बुजुर्ग मतदाता।

डुमरांव थाना के समीप ठेले से वोट देने के लिए जाती बुजुर्ग महिला मतदाताएं।

वृद्ध मतदाता का सहयोग करते युवा सामाजिक कार्यकर्ता अजय राय।

चुनाव को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिले में धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू, मतदान केंद्रों

बहिष्कार बेअसर : बनारपुर के चार बूथों पर जमकर पड़े वोट

केटी न्यूज/चौसा

♦ हक मांगने पर पुलिस ने अराजक तत्व बनाया तो नाराज हुए ग्रामीण

बक्सर थर्मल प्लांट में धरनार्थी किसानों के साथ पुलिस झड़प व पुलिस द्वारा घरों में मारपीट किये जाने के मामले में बनारपुर, मोहनपुरवा व कोचाढ़ी गांव के किसानों द्वारा प्रशासन के रवैये से खफा थे। इस दौरान पिछले दो महीने से किसानों में चचाएं होती रही कि तीनों गांवों के किसान वोट का बहिष्कार करेंगे। हा-ना के बीच चचाओं का बाजार गर्म रहा।

शनिवार को चुनाव के दिन सारी अटकलों पर विराम लग गया। मतदान के दिन तीनों गांव के बूथों का नजारा कुछ और रहा। जहा बूथों पर लम्बी कतार के साथ जो पुलिस फाइल में नामजद किसान थे। वे भी अपने मत का प्रयोग करने पहुंचे और शांतिपूर्ण मतदान कर वापस लौट गए।

इस दौरान किसान नेता अंशु चौबे, सतेंद्र नारायण सिंह, मुन्ना तिवारी आदि ने बताया कि पांच वर्षों पर मतदान आता है। शासन-प्रशासन हम बनारपुर, कोचाढ़ी व मोहनपुरवा गांव के लोगों को अराजक तत्व बनाने पर तुली हुई है। हमलोग वोट का बहिष्कार की चर्चा करते थे। जो हमारी एकजुटता का बल दिया। हालांकि, यह लोकतंत्र का पर्व है, ये एक हमारा अपना अधिकार है। जो पांच साल पर आता है। जिसमे हम उचित प्रतिनिधि चुनते है, उसे हम कैसे गवां सकते। जो सरकार किसान विरोधी नीति है, गलत नीतियों के वजह से किसान प्रताड़ित है। बहुत सारे किसान मित्र जेल में है हमलोग दहशत में है। हम आपस मे किसानों ने सहमति जताई, इसी वोट के चोट से हम करारा जवाब देंगे। इसलिए हम अपने मताधिकार का प्रयोग के साथ सभी जन से शत-प्रतिशत मतदान करने की अपील की है साथ ही घर-घर से लोगों को वोट के मतदान केंद्रों पर भेज भी रहे है।

बनारपुर के 235 बूथ संख्या पहली बार करने पहुंची युवतियां : मतदान के प्रति पहली बार वोट करने वाले युवा-युवतियों में उत्साह चरम पर था। इनमें मतदान के प्रति जो ललक थी। मतदान के बाद वह पूरी हो गई। मतदान के बाद कई बूथों पर युवाओं को देख गया कि उनका उत्साह इस कदर रहा जहा बूथ पर पहुचने व बाहर आने के बाद स्याही लगी उंगली दिखाना सेल्फी लेना, खास रहा। वह मतदान के लिए लम्बी लाइनों में खुशी से खड़े रहे। वहीं, चुनाव में मतदान को लेकर इनके उत्साह ये रहा कि शौक से युवा व युवतियां लाइन के कतार में अपनी बारी का इंतजार करते रहे।

इस दौरान, बनारपुर के बूथ संख्या 235 पर दो युवतियां सपना कुमारी व निधि कुमारी अपना मतदान कर बाहर निकलने के बाद उंगली दिखा सेल्फी ले रही थी। इनसे पूछने पर इनलोगो ने बताया कि पहली बार मतदान के प्रति उनमे, उत्सकुता थी। वह पूरी हो गई। वह पहली बार वोट कर उत्साहित थी। इन्होंने बताया कि वे ऐसे लोगों को मतदान किया जो युवा पीढ़ी के सम्बंध में सोच रहा हो।

@राजपुर : छह बजे से ही लगी कतार

राजपुर। प्रखंड के विभिन्न बूथों पर मतदान के लिए सुबह छह से ही वोटरों की कतार बन गई। मतदान करने के लिए लोगों में काफी उत्साह देखा गया। अधिक गर्मी एवं तापमान को देखते हुए लोग सुबह में ही घर से बाहर निकल गए। जिसमें महिलाओं की संख्या काफी थी। उत्क्रमित उच्च विद्यालय मंगराव के बूथ संख्या 209, 210, 211 पर सुबह 7.30 बजे तक मतदाताओं की लंबी कतार लगी रही।

भीषण गर्मी के बाद भी अपने देश के लिए चिंतित बुजुर्गों में भी उत्साह था। बूथ संख्या 201 पर पहुंचे 87 वर्षीय गिरदावल सिंह ने कहा कि देश के विकास के लिए मतदान किया है। बूथ संख्या 205 पर अपने पोते के सहारे पहुंची 85 वर्षीय वृद्ध महिला राधिका देवी में भी मतदान के लिए जज्बा दिखा।

मतदान को लेकर युवाओं में उत्साह : मतदान के लिए पहली बार मतदान करने वाले युवा मतदाताओं में उत्साह अधिक था। पहली बार मतदान करने आये राजपुर के मॉडल बुथ संख्या 201 मध्य विद्यालय राजपुर में युवा मतदाताओं में काफी उत्साह देखा गया।

पहली बार मतदान करने पहुंची युवा मतदाता अनिता कुमारी, अनु कुमारी, अनिशा कुमारी, शिखा कुमारी ने बताया कि अपने मजबूत लोकतंत्र के लिए वोट दिया है। वे अपने रोजगार एवं पढ़ाई को लेकर काफी चिंतित थे। इसलिए इनका मतदान रोजगार और पढ़ाई को लेकर हुआ। सुबह में ही कतार में लगकर मतदान किया। पहली बार मतदान करने वाले इन युवा मतदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए बीडीओ सिद्धार्थ कुमार ने कहा कि यह सभी का अधिकार है। वही, बताया गया बूथों पर हर व्यवस्था मौजूद थी। जहा वृद्ध, विकलांग के लिए व्हील चेयर व खुद जवान अस्वस्थ्य लोगों को बूथ तक ले जा रहे है।

प्रशासन की उदासीनता पर भारी पड़ा लोगों का उत्साह, 5 किमी दूर जाकर डाले वोट

केटी न्यूज/डुमरांव

लोकतंत्र के कई रंग देखने को मिलते है। यूं तो लोकतंत्र का महापर्व पांच वर्षों बाद देखने को मिलता है, लेकिन हर दिन ग्रामीण चौपालों तथा नुक्कड़ो पर राजनीति की बिसात में प्रत्याशियों को तौला जाता है। इसी चौपाल में मतदाताओं के अंदर अपने पसंदीदा प्रत्याशी या दल को मतदान करने का हौंसला भी विकसित होता है। जिससे उत्साहित मतदान कई सितम सहते हुए भी मतदान के दिन मतदान करने से नहीं चुकते है। इस बार के लोकसभा चुनाव में भी इसके कई रंग देखने को मिले है।

इसी कड़ी में मठिला पंचायत के सनेही टोला का नाम भी शामिल है। बता दें कि सनेही टोला के मतदाताओं

सनेही टोला के मतदाताओं में नाराजगी, कहा- वोट जरूर देंगे

का मतदान केन्द्र मध्य विद्यालय मठिला में बनाया गया है, जो उनके गांव से पांच किलोमीटर दूर है। इस भीषण गर्मी में भी यहां के मतदाता इस दूरी को तय कर मतदान करने पहुंचे थे। बूथ पर मौजूद मतदान कर्मियों द्वारा भी उनके हौंसले की तारीफ की जा रही थी। वही मनपा पंचायत के भादी गांव के लोग तीन किलोमीटर दूर मनपा में बने मतदान केन्द्र पर मतदान करने गए थे।

वहीं, कोरानसराय से सटे गड़ही टोला के मतदाताओं का भी है। इस गांव के मतदाताओं के लिए नवाडीह गांव के विद्यालय में बूथ बनाया गया है। ग्रामीण पगडंडी के सहारे करीब दो किमी की दूरी तय कर मतदान करने गए। इस भीषण गर्मी व हिट वेव के बीच ग्रामीणों का यह उत्साह लोकतंत्र की जड़ें को जहां मजबूत कर रही थी, वही व्यवस्था पर सवाल भी खड़ी कर रही थी। बता दें कि मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए प्रशासन मतदाताओं को बूथों पर कई सुविधाएं दे रहा है। लेकिन, उनके बूथ को भी नजदीक बनाया जा रहा है, ताकी मतदाता आसानी से जाकर मतदान कर सकें। लेकिन सनेटी टोला, भादी और गड़ही टोला के मतदाताओं को प्रशासन द्वारा उनके गांव में बूथ की सुविधा नहीं दी गई है। जबकि इन गांवों में मतदाताओं की संख्या सैकड़ो में है।

कई बूथों पर नहीं था पीने का पानी

डुमरांव। हर बूथों पर मतदान शांतिपूर्ण रहा, लेकिन कुछ बूथों पर व्यवस्था में कमी पायी गई। मध्य विद्यालय पुराना भोजपुर में पानी की व्यवस्था सही नहीं थी। पीने के पानी के लिए चार घड़े रखे गए थे, लेकिन उसमें पानी नहीं भरा हुआ था। निरीक्षण के दौरान डीएम अंशुल अग्रवाल ने भी वहां पर रखे गए घड़े में पानी नहीं रहने पर तैनात मजिस्ट्रेट की जमकर क्लास लगायी।

फिर महरौरा के प्राथमिक विद्यालय में मतदान केन्द्र बना हुआ है, जो गांव से आधा किलोमीटर की दूरी पर था। मतदाता जब पैदल चलकर जाते थे तो उन्हें प्यास लग

जाती थी, लेकिन पानी की व्यवस्था नहीं रहने के कारण बेचारे प्यासे लाइन में खड़े हो मतदान कर वापस लौट रहे थे। बता दें कि पानी की व्यवस्था हर बूथों पर नप को मिली हुई थी, लेकिन इसमें त्रुटी पायी गई।

माननीयों के साथ साथ अधिकारियों ने भी डाले वोट

वोट देकर निकलते सदर विधायक

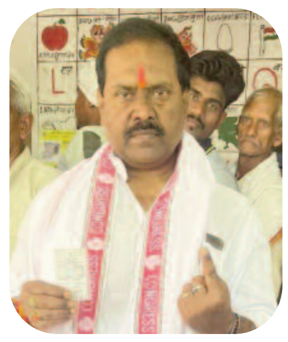

वोट देने के बाद राजपुर विधायक

वोट देने के बाद प्रत्याशी आनंद मिश्रा

वोट देने के बाद प्रत्याशी सुधाकर सिंह

वोट देने के बाद प्रत्याशी ददन पहलवान

वोट देने के बाद प्रत्याशी अनील कुमार

वोट देने के बाद परिजनों के साथ बक्सर एसडीएम धीरेंद्र मिश्रा

चौगाईं पहुंच आरा विधायक अमरेंद्र प्रताप सिंह ने किया मतदान।

केसठ में वोट देने के बाद राजद नेता पप्पू यादव और मुखिया अरविंद कुमार यादव।

मतदान करने के बाद स्याही दिखाते पूर्व वार्ड पार्षद सोनू राय व अन्य।

मतदान की झलकियां...

अनुमंडल कार्यालय समीप बूथ पर कतार में खड़ी महिला मतदाताएं।

पहली बार वोट देने के बाद शिवानी।

वोट देने के बाद भाजपा नेत्री वंदना।

नया भोजपुर ऊर्दू मध्य विद्यालय पर बूथ संख्या की जानकारी देते जवान।

केसठः वोट देने पहुंचे 95 वर्षीय मुतुर्जा खां।

डुमरांवः ई- साइकिल से पहुंचा दिव्यांग वोटर

डुमरांव : वोट देने के बाद स्याही दिखती पर्दानशी महिला मतदाताएं।

ईवीएम में कैद हुआ 14 उम्मीदवारों का राजनीतिक भविष्य

अनुमंडल में शांतिपूर्ण संपन्न हुआ लोकसभा का महापर्व

केटी न्यूज/डुमरांव

बक्सर लोकसभा सीट के लिए हुआ मतदान शांतिपूर्ण रहा। किसी-किसी बूथ पर ईवीएम मशीन में खराब होने की सूचना मिली थी, जिसे समय रहते ठीक कर लिया गया। सुबह 7 बजे लगभग सभी मतदान केन्द्रों पर वोटिंग शुरू हो गई थी। नगर के सभी 69 मतदान केन्द्रों पर सुबह सात बजे से मतदता कतारबद्ध होने लगे थे। दिन के 11 बजे तक बूथों पर मतदताओं की लंबी कतार लगी रही। मतदान केन्द्र संख्या 85, 86, 90 व 91 पर दोपहर बारह बजे पोलिंग एजेंट गर्मी से परेशान होकर बूथों से निकल गए थेए बूथ पर विरानी छायी रही। फिर उसके बाद तीन घंटे तक इक्का-दुक्का मतदाता बूथ पर आते रहे। संध्या तीन बजे से मतदान करने की रफ्तार एकबार फिर जोर पकड़ी जो संध्या 5 बजे तक जारी रही।

मध्य विद्यालय महावीर चबूतरा और राज हाईस्कूल के एक-एक बूथ पर ईवीएम मशीन में गड़बड़ी आ गई थी। इन दोनों बूथों पर कुछ समय के लिए मतदान रूका रहा। नप ईओ अनिरूद्ध प्रसाद ने बूथों पर मैकेनिक के साथ पहुंच उसे समय रहते ठीक करा दिया। जिस युवा मतदाताओं का

नाम पहलीबार मतदाता सूची में शामिल किया गया थाए उनमें काफी उत्साह था। युवतियां अपने परिवार के साथ बूथ पर पहुंची हुई थी। वहीं नौजवान मतदाता दोस्तों के साथ वोट देने के लिए कताबद्ध हो गए थे। सभी मतदान करके निकलने के बाद स्याही लगे हाथ की सेल्फी लेने में व्यस्त दिखे।

नगर के सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान रहे बंद, पसरा रहा सन्नाटा : लोकसभा चुनाव के दिन नगर में सुबह से ही विरानी छायी रही। सारे व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। केवल पुलिस के जवान, चुनाव कर्मी और मतदाता ही दिखाई पड़ रहे थे। नगर के मुख्य बाजार राजगोला, गोला रोड, सफाखाना रोड, स्टेशन रोड, चौक रोड, जंगल बाजार रोड, राजगढ़ चौक रोड में चाय-पान की दुकान भी बंद थे। जिससे पूरे दिन सन्नाटा पसरा रहा। वहीं सब्जी मार्केट मे भी पूरी तरह से विरानी छायी रही।

अनुमंडलीय अस्पताल में पसरा रहा सन्नाटा : चुनाव को लेकर अनुमंडलीय अस्पताल के रजिस्ट्रेशन काउंटर पर विरानी छायी रही। दिन के बारह बजे तक मात्र 10 से 15 मरीज ही इलाज के लिए पहुंचे हुए थे। जबकि शनिवार को डॉ. बीरेन्द्र राम की ओपीडी में ड्यूटी रहती है तो ढाई से तीन सौ मरीजों का रजिस्ट्रेशन होता है। लिहाजा उनसे दिखाने के लिए सुबह से ही रजिस्ट्रेशन काउंटर पर मरीजों की भीड़ उमड़ी रहती है। रिक्शा और टेम्पों वालों को भी उस दिन का इंतजार रहता है कि शनिवार को वीरेन्द्र राम की ड्यूटी है। मरीजों को अस्पताल पहुंचाने का भाड़ा मिलेगा, लेकिन मतदान के कारण उन्हें भी निराश होना पड़ा। वहीं डॉक्टर अपने चेम्बर में बैठ मरीजों का इंतजार करते रहे।

चार जून को प्रत्याशियों के भाग्य का होगा फैसला

बक्सर लोकसभा सीट से चुनाव लड़कर देश की सबसे बड़ी पंचायत में पहुंचने का ख्वाब संजोने वाले प्रत्याशियों का भाग्य शनिवार को ईवीएम में कैद हो गया। लोकसभा क्षेत्र के वोटरों ने प्रत्याशियों के संबंध में अपनी राय को ईवीएम में कैद कर दिया है। चुनाव मैदान में मौजूद 14 प्रत्याशियों में कौन बना मुकद्दर का सिकंदर इसका फैसला चार जून को हो जाएगा। बक्सर लोकसभा सीट से भाजपा, महागठबंधन के राजद, बसपा के साथ कुल 14 प्रत्याशी चुनाव मैदान में है। जिन्होंने अपनी जीत पक्की करने के लिए प्रत्येक वोट को सहेजने में अंतिम समय तक जद्दोजहद करते रहे। अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए प्रत्याशियों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। विभिन्न माध्यमों से प्रचार के साथ ही वोटरों तक अपनी पहुंच बनाकर उन्हें अपने पक्ष में मतदान करने को प्रेरित करने के लिए पूरी शिद्दत से जुटे रहे। प्रत्याशियों के साथ उनके समर्थक भी इस कार्य में लगे रहे। यहां तक कि वोटरों को अपने पक्ष में करने के लिए पार्टी के कई दिग्गज नेताओं के जनसभाओं व अन्य कार्यक्रमों का भी सहारा लिया।

लोकतंत्र के महापर्व में दिखा भागीदारी का जज्बा

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड में लोकसभा चुनाव शनिवार को कड़ी सुरक्षा और शांति पूर्ण रूप से संपन्न हो गया।इसको लेकर सभी 26 मतदान केंद्रों पर पुख्ते इतेजाम किए गए थे।मतदाता सुबह 7 बजे से पहले ही अपने अपने मतदान केंद्रों पर पहुंच कतार बद्ध हो गए थे।जैसे ही सुबह के 7 बजे मतदान शुरू हो गया था।सुबह 7 बजे से दोपहर के 11 बजे तक मतदान केंद्रों पर वोटरो की लंबी कतार दिखी रही थी।शांति पूर्ण और उत्सुकता पूर्वक लोगो ने अपने मत का प्रयोग कर मनपसंद उम्मीदवार को वोट डाला।

विधि व्यवस्था थी चुस्त दुरुस्त : सभी 26 मतदान केंद्रों पर पर प्रशासनिक विधि व्यवस्था चुस्त दुरुस्त दिखी।बूथों पर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती ठीक।वही बीडीओ सह निवार्ची पदाधिकारी मिथिलेश बिहारी वर्मा ,नावानगर थानाध्यक्ष डॉ नंदू कुमार अपने दलबल के साथ मतदान केंद्रों का भ्रमण करते दिखे। वहीं, 26 बूथों पर नियुक्त चार सेक्टर मजिस्ट्रेट मुकेश कुमार, नशरूदीन अंसारी, मुनीम कुमार और संतोष कुमार अपने अपने केंद्रों पर भ्रमण करते दिखे।

पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष ने सपरिवार डाला वोट : पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष डॉ विद्या भारती अपने परिवार के साथ बूथ संख्या 180 पर मतदान किया।वही पंचायत मुखिया अरविंद कुमार यादव उर्फ गामा पहलवान और राजद नेता सुनिल कुमार यादव उर्फ पप्पू यादव ने मतदाताओं से शांति पूर्ण तरीके से मतदान करने को ले अपील किए ।

स्वास्थ्य विभाग की टीम रही मौजूद : पीएचसी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ विनय के नेतृत्व में सभी 26 मतदान केंद्रों पर आशा कार्यकताओं को नियुक्त किया गया था। आशा अपने अपने मतदान केंद्रों पर आवश्यक दवाइयां जैसे ओआरएस, दर्द की गोलियां, बुखार की गोलियां आदि ले कर साथ में थी। जरूरत पड़ने पर मतदाता ओआरएस की घोल पी रहे थे। प्रखंड के सभी मतदान केंद्रों पर गर्मी को देखते हुए पानी की पर्याप्त व्यवस्था की गई थी।

स्व. कमल सिंह के छोटे पुत्र मानविजय सपरिवार किया मतदान

राजपरिवार ने लोकतंत्र में दिखाई आस्था

केटी न्यूज/बक्सर

शनिवार को बक्सर संसदीय क्षेत्र के हो रहे चुनाव में कई खास चीजें देखने को मिली है। इसी में एक डुमरांव के राजपरिवार को लोकतंत्र के प्रति आस्था भी रहा। राजपरिवार ने लोकतंत्र में आस्था दिखाते हुए पूरे परिवार के साथ मतदान कर लोगों को अधिक से अधिक मतदान के लिए प्रेरित किया है। मिली जानकारी के महाराजा बहादूर व पहली लोकसभा के सांसद चुने गए स्व. कमल सिंह के छोटे पुत्र मानविजय सिंह, रानी अरूणिमा सिंह, राजकुमारी रोहिणी कुमारी तथा

पत्नी और बेटियों के साथ मतदान करने के बाद मानविजय सिंह।

राजकुमारी आकृति कुमारी ने एक साथ जाकर नया भोजपुर उर्दू मध्य विद्यालय के अपने बूथ 30 पर मतदान किया।

मतदान के बाद मान विजय सिंह ने कहा कि मताधिकार संविधान प्रदत अधिकार है, मजबूत राष्ट्र बनाने के लिए सभी को अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मतदान के प्रति शुरू से ही राज परिवार की आस्था रही है। उन्होंने कहा कि उन्हें मताधिकार के प्रयोग की प्रेरणा अपने पिता स्व. महाराजा बाहदूर कमल सिंह से मिली है। उन्होंने कहा कि जबतक वे जिंदा थे सभी चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग किए है।

उन्होंने बताया कि वे 1952 में हु प्रथम लोकसभा चुनाव में उनके पिता जी बक्सर से सांसद चुने गए थे। पूरे राज परिवार में मतदान के प्रति आकर्षण रहता है तथा राजपरिवार पूरे उत्साह के साथ मतदान करने जाता है। उन्होंने कहा कि एक अच्छी सरकार तभी बनेगी जब अधिक से अधिक लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करें।

पहली बार वोट देने वाले प्रखंड के युवाओं में दिखा खासा उत्साह

मनीषा व अनामिका ने पहली बार किया मतदान

केटी न्यूज/केसठ

लोक सभा चुनाव के सातवे चरण में पहली बार मतदान करने वाले युवा वर्ग में काफी उत्साह देखा गया। बूथ संख्या 180 पैक्स गोदाम नया बाजार केसठ के बूथ में जैसे ही कोई युवती पहली बार मत देकर आते खुशी से बस यही कहती बहुत उत्साहित हूं। बूथ संख्या 180 पैक्स गोदाम पर दो बहने मनीषा कुमारी और अनामिक कुमारी पहली बार मतदान कर उत्सुक दिखी।

बातचीत के क्रम में दोनों ने बताया कि लोकतंत्र के महापर्व लोकसभा चुनाव में पहली बार

केसठ बूथ संख्या 180 पर पहली बार अपना वोट दे कर लौटती दोनों बहनें

मतदान कर बहुत खुशी महशूस हो रही है। उधर प्रखंड प्रखंड क्षेत्र के 26 मतदान केंद्रों में सुबह सात बजे से ही मतदाता बूथ पर वोट डालने के लिए पहुंच गए। सात बजे से ही मतदान केंद्रों पर मतदाता लाइन में खड़े थे। मतदाता अपनी पसंद के उम्मीदवार चुनने के लिए उत्सुक नजर आए। खास युवाओं और युवतियों में मतदान के प्रति काफी जोश देखा गया, वे सुबह सवेरे ही मतदान करने आ गए थे। मतदान केंद्रों पर मतदाताओं का आना जारी रहा। मतदाताओं में महिलाओं व युवाओं की भी काफी संख्या देखी जा रही थी। महिलाएं और पुरुष कड़कती धूप में अपनी बारी का इंतजार करते देखे गए।

वृद्धों में भी दिखा उत्साह : लोकसभा चुनाव में भागीदार में वृद्ध भी कहा पीछे हटने वाले थे।बूथ संख्या 176 पर 95 वर्षीय बास रूपन दुबे अपने पोते के साथ मतदान करने बूथ पर पहुंचे। वही 184 पर मुतुर्जा खां 85 वर्षीय वृद्ध व्हील चेयर पर मतदान करने पहुंचे थे। मतदान कर्मियों के साथ ही वहां मौजूद लोगों उनके जजबे को सराहा।

आरा में मतदाताओं को बूथ तक ले जाने में प्रशासन विफल, प्रत्याशी भी नाकाम, काराकाट में पचास फीसदी पार

भोजपुर में 49. 28 व काराकाट में 54.31 फीसदी हुआ मतदान

भोजपुर जिला में चुनाव आयोग और प्रशासन के प्रयास के बाद भी पचास का आंकड़ा नहीं हो सका पार नहीं हो सका। महज 49.28 प्रतिशत ही मतदान भोजपुर लोकसभा क्षेत्र में हो पाया। वहीं काराकाट में मतदाताओं ने भीषण गर्मी की परवाह नहीं करते हुए 54.31 मतदान हुआ। भोजपुर लोकसभा क्षेत्र में एनडीए गठबंधन के राजकुमार सिंह व इंडी गठबंधन के सुदामा प्रसाद के बीच सीधी टक्कर है। वहीं काराकाट में त्रिकोणिय मुकाबला है। यहां एनडीए गठबंधन से उपेंद्र कुशवाहा, भोजपुर स्टार पवन सिंह व इंडी गठबंधन के प्रत्याशी के बीच माना जा रहा है। दोनों लोकसभा के प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में बंद हो चुका है। वहीं चार जून को सभी के भाग्य का फैसला होगा। काराकाट में किसी अप्रिय घटना की सूचना प्राप्त नहीं हुई। वहीं भोजपुर लोकसभा में एनडीए गठबंधन के प्रत्याशी के प्रतिनिधि की पिटाई का मामला सामने आया है। इस विवाद में गोली भी चली है। जिसमें तीन लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गये है।

भोजपुर में कहीं गर्मी की मार, तो कहीं वोटरों में रही उदासीनता

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर में कड़ी सुरक्षा और भीषण गर्मी के बीच करीब 49.28 फीसदी वोट पड़े। वहीं अगिआंव (सुरक्षित) विधानसभा के उप चुनाव में करीब 46 फीसदी वोट पड़े। उस दौरान एक-दो जगहों पर वोट का बहिष्कार भी किया गया। जानकारी के अनुसार बिहिया के एक बूथ पर बहिष्कार के बीच एक वोट पड़ा। बताया जा रहा है कि सुबह सात बजे वोटिंग शुरू होने के बाद लोगों में उत्साह देखा गया। लेकिन गर्मी और धुप बढ़ने के साथ वोटिंग कम होती गयी। दोपहर में काफी बूथों पर सन्नाटा पसरा रहा। इधर, शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव को लेकर डीएम महेंद्र यादव और एसपी नीरज कुमार सिंह सहित तमाम अधिकारी जिले में लगातार भ्रमण करते रहे। हालांकि जिला प्रशासन मतदाताओं को इस बार भी बूथ तक ले जाने में विफल रहा। प्रत्याशी भी पूरी तरह नाकाम रहे। गर्मी की मार अलग। नतीजा इस बार भी मतदान का आंकड़ा पचास फीसदी फीसदी का आंकड़ा पार नहीं कर सका। चुनाव आयोग और प्रशासन के ताबड़तोड़ बैटिंग के बावजूद इस बार भी भोजपुर वोटिंग के स्कोर को अर्धशतक से आगे नहीं ले जा सका। या यूं कहें कि भोजपुर को इस बार भी फर्स्ट डिवीजन अंक नहीं मिल सका। शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में वोटिंग का प्रतिशत लगभग एक जैसा ही रहा है। भोजपुर जिला प्रशासन की ओर से जारी शुरूआती आंकड़ों के मुताबिक लोक सभा चुनाव में 49.28 फीसदी वोटिंग हुई है। बताते चलें कि मतदान के लिए आम लोगों को जागरूक करने के लिए जिला प्रशासन की ओर से इस बार खास इंतजाम किए गए थे। वरीय अफसरों द्वारा घर-घर जाकर लोगों को प्रेरित किया गया। चित्रांकन व रंगोली सहित अन्य तरह की रोचक कार्यक्रम आयोजित किए गए। उसके बावजूद वोटिंग का आंकड़ा साठ फीसदी तक नहीं पहुंच सका। हालांकि उस मामले में भीषण गर्मी काफी हद तक कारक माना जा रहा है। लेकिन कुछ लोगों की मानें तो दूसरा बड़ा कारण प्रत्याशियों के प्रति वोटरों की उदासीनता भी रही है। लोगों की मानें तो प्रत्याशी घरों तक पहुंच वोट मांगने के बदले रोड शो और बड़े नेताओं की चुनावी सभा तक में ही उलझे रहे। आम वोटरों तक प्रत्याशी पहुंचने में काफी हद तक विफल रहे। उसका नतीजा हुआ कि वोटर भी इस भीषण गर्मी में घरों से निकल बूथ तक जाने में काफी उदासीन बने रहे। जिला प्रशासन की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार पांच बजे तक संदेश विधान सभा में 48.50, बड़हरा में 50.89, आरा में 47.30, अगिआंव में 44.40, तरारी में 48.60, जगदीशपुर 47.35 और शाहपुर में 38. 30 फीसदी वोट पड़े हैं। वहीं अगिआंव विधानसभा के उप चुनाव के लिए 44.40 फीसदी वोट पड़े हैं।

काराकाट में मतदान केंद्रों पर सुबह में दिखी लंबी कतारें

केटी न्यूज/काराकाट

कड़ाके की धूप भीषण गर्मी के बावजूद लोकतंत्र के महापर्व में लोगों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। मतदान को लेकर युवा मतदाताओं में काफी उत्साह दिखा। चुनाव आयोग के निर्देश पर प्रत्येक मतदान केंद्रों पर पहली बार मतदान करने आए युवा मतदाताओं को पीठासीन पदाधिकारी ने प्रशस्ति पत्र दिया। कई जगह प्रशस्ति पत्र कम पड़ गए तो युवाओं को मायूसी भी हाथ लगी। पूर्व विधायक राजेश्वर राज ने मतदान केन्द्र संख्या 58 पर अपने पूरे परिवार के साथ मतदान किया। इसी मतदान केंद्र पर पूर्व विधायक संजय यादव ने भी मतदान किया। मतदान केंद्र संख्या 54 पर एसडीएम अनिल बसाक ने मतदान किया। शनिवार को सुबह 7 मतदान शुरू होते ही मतदान केंद्रों पर लंबी लंबी कतारें दिखने लगी। 11 बजे के बाद कुछ कम और 12 बजे के बाद लगभग सभी मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की भीड़ सिमटने लगी। कई मतदान केंद्रों पर इक्का दुक्का लोग ही दिख रहे थे। काराकाट लोकसभा के काराकाट विधानसभा में कुल 54 प्रतिशत हुआ। सुबह से ही मतदान की प्रक्रिया तेजी थी।

बाजितपुर में मतदाता ने किया वोट का बहिष्कार

संझौली (रोहतास)। काराकाट लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत संझौली प्रखंड के बाजितपुर गांव स्थित काव नदी में सम्पर्क पथ के लिए शनिवार को मतदान केंद्र पर एक भी पुरुष व महिला मतदाता मतदान करने के लिए नहीं पहुंचे। जिसके चलते उत्क्रमित मध्य विद्यालय बाजितपुर बूथ संख्या 172 पर सन्नाटा छाई रही । इस मतदान केंद्र पर महिला मतदाता की संख्या 415 व 438 पुरुष टोटल 853 मतदाता है । जहां ड्यूटी पर तैनात प्रोजाइडिंग ऑफिसर समेत अन्य कर्मी मतदाता का इंतजार करते रहे । लेकिन एक भी मतदाता उस बूथ पर मतदान नही किया । करीब 9 बजे जब बाजीतपुर गांव में मतदाताओं से बात किया गया तो वें केवल एक ही रट लगा रहे थे कि संपर्क पथ नहीं तो वोट नहीं । सूचना पर पहुंचे संझौली बीडीओ मोहम्मद सयैद सरफराजुद्दीन अहमद व आरओ शिबू द्वारा मतदाताओं से बातचीत किए । उन्हें समझाने बुझाने का प्रयास भी किया गया। लेकिन वे बहिष्कार की बातें करते रहे। कुछ देर बाद बिक्रमगंज एसडीएम अनिल बसाक उक्त गांव में पहुंचकर ग्रामीण से मिलकर उन्हें मतदान करने के लिए अपील की । लेकिन वे तैयार नहीं हुए।

भोजपुर में मतदान बूथ पर वोट देने जा रहे लोगों पर फायरिंग, किशोरी समेत तीन गोली लगने से घायल

- बड़हरा थाने के पैगा गांव में चली गोली भाजपा समर्थकों पर लगाया जा रहा आरोप वोट
- भाजपा का आरोप: मतदान का समय समाप्त होने के बाद जबरन वोट पहुंचे लोगों का विरोध करने पर हुआ विवाद

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर में गोलीबारी और छोटी-मोटी हिंसक झड़प के बीच चुनाव संपन्न हो गया। बड़हरा इलाके में फायरिंग व मारपीट की घटना हुई है। गोलीबारी में किशोर समेत गांव के तीन लोग जख्मी हो गए। घटना शनिवार की शाम थाना क्षेत्र के पैगा गांव में हुई। भाजपा समर्थकों पर फायरिंग करने का आरोप लगाया गया है। उसी थाना क्षेत्र के सेमरा गांव स्थित बूथ पर पोलिंग एजेंट को हटाने का विरोध करने पर भाजपा प्रत्याशी सह केंद्रीय मंत्री आरके सिंह के प्रतिनिधि धीरेंद्र सिंह पिटाई कर दी गई। उससे पहले शुक्रवार की रात आरा के नवादा थाना क्षेत्र के केजी रोड में भाकपा-माले माले नेता दिलराज प्रीतम पर हमला कर दिया गया। पिस्टल के बट से उनका सर फोड़ दिया है। वहीं चांदी थाना क्षेत्र के नरवीरपुर गांव में युवक की चुनाव संबंधी विवाद में पिटाई कर दी गई। गोलीबारी में घायलों में पैगा गांव निवासी किशुन दयाल राम और अमरजीत राम के पुत्र राहुल कुमार शामिल हैं। राहुल कुमार को दाहिने साइड सीने जबकि किशुन दयाल राम को बाएं साइड कंधे पर गोली लगी है। दोनों घायलों का इलाज आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। वहीं किशोरी का इलाज स्थानीय पीएचसी में कराया गया। हालांकि भाजपा समर्थकों का कहना है कि मतदान समाप्त होने के बाद कुछ लोग जबरन वोट देने का प्रयास कर रहे थे। उसी को लेकर विवाद हुआ था। इधर, फायरिंग और तीन लोगों को गोली लगने के बाद अफरातफरी मच गयी। सूचना मिलने पर एसपी नीरज कुमार सिंह, सदर एसडीपीओ टू रंजीत कुमार सिंह और थानाध्यक्ष संजय कुमार सहित अन्य पदाधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। उसके बाद स्थिति सामान्य हुई। पुलिस घटना में शामिल लोगों की धरपकड़ में जुटी है। इधर, घटना की सूचना मिलने पर नगर थानाध्यक्ष देवराज राय पुलिस बल के साथ सदर अस्पताल पहुंचे और घायलों के परिजनों से मिल कर घटना की

बूथ पर जा रहे लोगों को रास्ते में रोक पहले की गयी गाली-गलौज, फिर मारी गयी गोली

आरा। बड़हरा थाना क्षेत्र के पैगा गांव में वोट देने जा रहे लोगों पर फायरिंग कर दी गयी। उसमें किशोरी सहित तीन लोग गोली लगने से जख्मी हो गए हैं। पैगा गांव निवासी जख्मी किशुन दयाल राम ने बताया कि गांव स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय में उन लोगों का मतदान केंद्र है। शनिवार की शाम वह अपने रिश्ते को भाई राहुल के साथ वोट देने के लिए बूथ पर जा रहे थे। तभी कुर्सी- टेबल लगा कर बैठे बीजेपी समर्थक दबंगों द्वारा उन्हें जाति सूचक शब्द का इस्तेमाल करते हुए रोक दिया गया। कहा जाने लगा कि कहां जा रहे हो, तब उन्होंने कहा कि वोट देने जा रहा हूं। उसके बाद भाजपा समर्थकों द्वारा कहा गया कि किस वोट दोगे। तब उन्होंने कहा कि तुम्हें क्या मतलब? उसी बात पर उन लोगों द्वारा ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी गई। उसमें तीन लोगों को गोली लग गई। उसके बाद परिजन और स्थानीय लोगों के सहयोग से उन्हें व राहुल को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। किशुन दयाल राम की ओर से गांव के ही बीजेपी समर्थक लालू सिंह और उनके साथ रहे अन्य लोगों पर गोली मारने का आरोप लगाया है।

नहीं दिखा दस में दम मतदान केंद्रों पर नही मिल रही थी सुविधाएं

- जिंदा को मृत्य बताकर के वोट देने से रोका गया
- दूसरे के नाम पर दूसरा वोट भी देने का मामला आया

केटी न्यूज/नोखा

मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर के जिला पदाधिकारी के नेतृत्व में कई योजनाएं चलाई गई। लेकिन मतदान केंद्रों पर जितनी सुविधा देने के लिए कही गई थी वह कई मतदान केंद्र पर नही दिखी। जिलाधिकारी नवीन कुमार द्वारा सभी प्रखंड में और पंचायत में जाकर के 10 में दम है को लेकर के बहुत प्रसारित किया गया। मतदान केंद्रों पर आशा, आंगनबाड़ी सेविका उपस्थित रही लेकिन मतदान केंद्रों पर 10 में दम है के तहत मतदान केंद्रों पर बुजुर्गों, दिव्यांग, गर्भवती महिलाओं और अन्य लोगों को बैठने के लिए व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया था । पहली बार मतदान करने आये मतदातायो को प्रमाण पत्र देने की बात कही गई थी । लेकिन कई मतदान केंद्रों पर देखा गया कि सिर्फ कोरम पूरा किया गया। और गर्मी में मतदाता परेशान दिखे। मतदान केंद्रों पर जो पॉलीग एजेंट बनाए गए थे वह गर्मी में परेशान दिखे। कई मतदान केंद्र पर मतदातायो के बदले पुलिस का कब्जा कुर्सी पर रहा। नव मतदाताओं को प्रशस्ति पत्र देने के लिए कहा गया था। लेकिन बहुत सारे मतदाताओं को प्रशस्ति पत्र नहीं मिली। जिसके कारण हुए लोग नाराज दिखे। प्रशस्ति पत्र बहुत से लोगों को युवाओं को दिया गया। जो मतदाताओं में उत्साह को देखते हुए बनता था। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर गर्मी के मौसम में लू से बचाव को लेकर के मेडिकल विभाग द्वारा ओआरएस दी गई। लेकिन पानी पीने के लिए घड़ा में पानी डालकर छोड़ दी गई। जबकि पीने के जो रखा गया था वह पानी समाप्त हो गए कई। जिंदा को मृत घोषित किया गया। कई मतदाताओं को मृत घोषित करने से मतदान से वंचित किया गया। मतदान केंद्र सर्वोदय स्कूल में सोनू कुमार ,तराढ़ गांव में डेहरी से मत देने के लिए पहुंचे मनोज कुमार सिंह को मतदाता सूची में मृत बताया गया। यह कई मतदान केदो पर दिखा। मतदान केंद्रों पर वोग्स वोटिंग रोकने को लेकर के सरकार द्वारा कड़ाई से पेश आ रही है। जिसमें मुख्य रूप से पहचान पत्र, आधार कार्ड कोई भी आई कार्ड लेकर के जांच करने के बाद ही मतदान केंद्र के अंदर जाने के लिए आदेश निर्गत है। लेकिन पीठासीन पदाधिकारी की उदासीनता के कारण बुधन चौधरी स्मारक उच्च विद्यालय के प्रांगण में मतदान केंद्र संख्या 30 पर पूजा कुमारी, मतदान केंद्र पहुंची तो वहां कहा गया आप मतदान दे चुकी हैं। आपकी उंगली पर स्याही हम लोग नहीं लगाया। उन्हें मतदान देने से वंचित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि मैं अभी लुधियाना से पहुंची हूं और सीधे मतदान केंद्र पहुंची हूं। उमेश भरी गर्मी में मतदाता, राजनीतिक पार्टी के एजेंट परेशान

युवा वोटरों में रहा भारी उत्साह

केटी न्यूज/ संझौली

काराकाट लोकसभा क्षेत्र अंर्तगत चुनाव के अंतिम चरण में मतदाताओं भारी उत्साह दिखी। तपती गर्मी और चिलचिलाती धूप के बजाय मतदाताओं की लंबी लंबी कतारे मतदान स्थल पर देखे गए। प्राप्त जानकारी के मुताबिक अंतिम चरण में युवा मतदाओं मे मतदान को लेकर काफी उत्साह दिखी। वह सुबह से ही वोटिंग को लेकर सचेत थे। वही बुजुर्ग भी घर से निकलकर अपना मताधिकार का प्रयोग किया। काराकाट संसदीय क्षेत्र में 5 बजे तक करीब 50 प्रतिशत मतदान हुआ था। प्राथमिक मध्य विद्यालय राजाडीह ,बूथ संख्या 134 पर निधि कुमारी ने पहली बार मतदान कर लोकतंत्र में अपने अधिकार का सदुपयोग कर मजबूत बनाने का

जहानाबाद लोक सभा में 1793 बूथ पर मतदान शांतिपूर्ण तरीके से हुआ संपन्न

राजद के सुरेंद्र, जेडीयू के चंदेश्वर समेत 15 उम्मीदवारों के भाग्य का हो रहा है फैसला

- 90 वर्षीय महिला वोटर को डीएम ने सहारा देकर मतदान केंद्र पर पहुंचाया

केटी न्यूज/जहानाबाद

जहानाबाद में लोकतंत्र के खूबसूरती का एक अद्भुत नजारा देखने को मिला जहां जिले के डीएम अलंकर्ता पांडे ने एक वृद्ध 90 वर्ष की महिला को सहारा देकर सहारा देकर वोट देने के लिए प्रेरित किया ।डीएम ने बताया कि हमारे लोकतंत्र की खूबसूरती है कि इतनी वृद्ध महिला भी वोट देने के लिए घर से निकले हैं उन्होंने लोगों से घर से निकलकर अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने की अपील की। दरअसल में जहानाबाद डीएम की अलंकृता पांडे सुबह सुबह मतदान केंद्रों का निरीक्षण करने निकली थी उसी क्रम जहानाबाद के बूथ संख्या 216 उत्क्रमित उर्दू कन्या मध्य विद्यालन पर उनकी नजर 90 वर्षीय वोटर रजिया खातून पर पड़ गई डीएम ने उन्हें सहारा देकर मतदान केंद्र पहुंचाया। डीएम अलंकृता पांडे ने कहा कि इस तरह के वोटरों के बाहर आने से लोगों को मोटिवेशन मिलती है। जिला प्रशासन ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने को काफी मेहनत की है। जिले में पूरी प्रशासनिक बंदोबस्त की गई है एक स्वच्छ और निष्पक्ष चुनाव कराया जा सके। कुछ मतदान केंद्र पर ईवीएम खराब होने और मतदान केंद्र पर रौशनी नही होने की शिकायत पपर उन्होंने बताया कि प्रशासन जैसे जैसे शिकायत मिल रही है उसकी त्वरित कार्रवाई की जा रही है। यहां बताते चले कि जहानाबाद लोक सभा में 1793 बूथ पर मतदान हो रहा है जिसमे 16700327 वोटर अपने मत का उपयोग कर सकेंगे। जहानाबाद में राजद के सुरेंद्र यादव, जेडीयू के

जगदीशपुर के ग्रामीणों ने किया वोट का बहिष्कार

जहानाबाद। जर्जर सड़क गांव से 5 किलोमीटर की दूरी पर मतदान केंद्र होने से नाराज ग्रामीणों ने वोट बहिष्कार का लिया निर्णय। गांव से एक भी वोटर वोट डालने के लिए नहीं गए मतदान केंद्र पर। मामला जहानाबाद जिले के हुलासगंज प्रखंड के जगदीशपुर का है। दरअसल एसएच मात्र 2 किलोमीटर दूरी होने के बावजूद पिछले 20 वर्षों से ना तो सड़क का निर्माण हो पाया है और ना ही चार सौ से ज्यादा वोट होने के बावजूद अभी तक गांव में मतदान केंद्र भी नही बनाया गया है। बहिष्कार को लेकर जमकर नारेबाजी की।

लोकसभा चुनावः अंतिम चरण के चुनाव में भाजपा, सपा, बसपा व अन्य प्रत्याशियों का भाग्य का फैसला मतदान पेटी में बंद

सलेमपुर में 51, बलिया में 51.84 एवं घोसी में 55.06 फीसदी मतदान

- ईवीएम मशीन खराब होने के कारण कुछ स्थानों पर देर शाम तक चलता रहा मतदान

केटी न्यूज/बलिया

लोकसभा चुनाव के मतदान का महापर्व शनिवार को फोर्स की कड़ी सुरक्षा के बीच शांतिढंग से संपन्न हो गया। सातवें व अंतिम चरण के लिए 57 सीटों पर शनिवार को मतदान हुआ। इससे पहले लोकसभा की 486 सीटों के लिए छह चरणों में मतदान सम्पन्न हो चुका है। अब लोकसभा की सभी 543 सीटों पर वोटिंग सम्पन्न हो चुकी है। मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब चार जून को वोटों की गिनती की जाएगी। इसी क्रम में बलिया जिले में लोकसभा 71 सलेमपुर में शाम छह बजे तक 51 फीसदी तथा लोकसभा 72 बलिया में शाम छह बजे तक 51.84 फीसदी मतदान पड़े। जबकि कुछ स्थान पर ईवीएम मशीन खराब होने के कारण समाचार लिखे जाने तक मतदान चल रहा था। आपको बता दें कि बलिया लोकसभा 72 से भाजपा प्रत्याशी नीरज शेखर, इंडिया गठबंधन से सनातन पांडेय, बहुजन समाज पार्टी से ललन सिंह यादव, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी से रामनिवास गोंड, एसपीएसपी से रविकांत सिंह, बीएमपी से अवधेश वर्मा, आजाद समाज पार्टी से सूर्यबली तथा निर्दल के रूप में अशोक कुमार गुप्ता, प्रकाश कुमार, सुमेश्वर, रंजना, मणिद्र, शेषनाथ राम है। जबकि लोकसभा 72 सलेमपुर से भाजपा से रविंद्र कुशवाहा, इंडिया गठबंधन रमाशंकर राजभर, बसपा से भीम राजभर, जेकेपी राष्ट्रवादी से जय बहादुर, बीएमपी से श्री कृष्ण, बीएमपी से श्री नारायण मिश्र, एसपीएसपी से सूर्य प्रकाश गौतम तथा निर्दलीय से अमरेश ठाकुर व सद्दाम है।

भाजपा के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने किया वोट।

भाजपा बलिया लोकसभा प्रत्याशी नीरज शेखर ने किया मतदान।

सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त ने किया मतदान।

घंटे दर घंटे का वोट प्रतिशत एक नजर में...

लोकसभा 72 बलिया

समय	वोट प्रतिशत
10 बजे तक	13.14 प्रतिशत
11:30 बजे तक	27.80 प्रतिशत
2 बजे तक	37.09 प्रतिशत
4 बजे तक	46.54 प्रतिशत
5:30 बजे तक	50.56 प्रतिशत
6 बजे तक	51.84 प्रतिशत

लोकसभा 71 सलेमपुर

समय	वोट प्रतिशत
10 बजे तक	14 प्रतिशत
11:30 बजे तक	27.94 प्रतिशत
1:30 बजे	37.05 प्रतिशत
3 बजे तक	46.48 प्रतिशत
5:30 बजे तक	50.21 प्रतिशत
6 बजे तक	51 प्रतिशत

अपनी बारी का इंतजार करते मतदाता।

पूर्व मंत्री सपा अंबिका चौधरी ने किया मतदान।

एमएलसी रविशंकर सिंह पप्पू ने दिया अपना मत।

घोसीः भीषण गर्मी के कारण धीमा पड़ता गया मतदान प्रतिशत

केटी न्यूज/ मऊ

जनपद की 70घोसी लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में भारी प्रशासनिक सुरक्षा के बीच सुबह समय से मतदान कार्य आरंभ हो गया और मतदान केंद्रों पर सुबह में ही सभी मतदान केंद्रों मऊ ,मधुबन,घोसी, मोहम्मदाबाद गोहाना, कोपागंज, रतनपुरा सहित अन्य मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लाइन गई । शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों मतदान शुरू हो गया। 9बजे तक मात्र 13.46 प्रतिशत मतदान हुआ। 11बजे तक मतदान प्रतिशत 27.64 हो गया लेकिन भीषण गर्मी और लू के चलते मतदान केंद्रों पर भीड़ कम हो गई और 1 बजे तक मतदान प्रतिशत 38.21 हो गया। पार्टी कार्यकताओं के भारी प्रयास के बाद भी मतदान प्रतिशत में कोई विशेष वृद्धि नहीं हुई और 3बजे तक मतदान प्रतिशत 44.75 पहुंच गया। 5बजे यह मतदान प्रतिशत मात्र 53.21 हो सका। जबकी अंतिम समय तक 55.06 प्रतिशत मतदान हुआ।

शांतिपूर्ण ढंग से सकुशल संपन्न

लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के दृष्टिगत सातवें एवं अंतिम चरण में निर्वाचन क्षेत्र 70 घोसी में आज मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गई। इस दौरान पूरे मतदान अवधि तक जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक लगातार समस्त विधानसभा क्षेत्र के बूथो का निरीक्षण करते रहे।साथ ही प्राप्त शिकायतो का तत्काल निस्तारण भी मौके पर करते रहे। पूरी मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। कुछ बूथों पर पर्याप्त छाया एवं शुद्ध पेयजल के अनुपलब्धता को देखते हुए जिला अधिकारी ने तत्काल संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए इसकी उपलब्धता सुनिश्चित कराई। इसके अलावा उन्होंने मतदान कार्य में लगे कार्मिकों को पूरी मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष ढंग से संपन्न करने के निर्देश भी दिए। कुछ बूथों पर धीमी मतदान की शिकायत की दृष्टिगत जिलाधिकारी ने तत्काल अतिरिक्त कर्मचारियों की ड्यूटी लगाते हुए मतदान प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। इस दौरान मतदान प्रक्रिया को सुचारू एवं निष्पक्ष ढंग से पूर्ण करने हेतु तैनात सुरक्षा कर्मियों को पुलिस अधीक्षक इलमारन ने भी आवश्यक निर्देश दिए। जिलाधिकारी में भी सुरक्षा कर्मियों सहित मतदान कार्मिकों को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुरूप निष्पक्ष ढंग से मतदान प्रक्रिया संपन्न करने के निर्देश दिए। इसके पूर्व जिलाधिकारी ने भुजौटी स्थित कंपोजिट विद्यालय पर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उसके उपरांत कोपागंज,घोसी एवं मझवारा मोड तक स्थित अधिकांश बूथों का निरीक्षण जिलाधिकारी द्वारा किया गया। इसके उपरांत शहर क्षेत्र स्थित कंपोजिट विद्यालय ख्वाजा जहांपुर,मुस्लिम इंटर कालेज डीएवी इंटर कॉलेज,आर्य समाज मऊ स्थित बूथो सहित कई अन्य बूथो का भी निरीक्षण जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने किया। इसके अलावा चिरैयाकोट बाजार स्थित राष्ट्रीय इंटर कॉलेज सहित कई अन्य बूथो तथा मोहम्मदाबाद गोहना स्थित टाउन इंटर कॉलेज के अलावा कई अन्य बूथो का निरीक्षण जिलाधिकारी द्वारा किया गया।

जांच करते जिला निर्वाचन पदाधिकारी।

पिपरीडीह रेलवे अंडर पास को लेकर वोट का बहिष्कार, 3 बजे तक पड़े थे मात्र 1-1 वोट

केटी न्यूज / मऊ

पिपरीडीह रेलवे अंडरपास की मांग को लेकर ग्रामीणों ने दो बूथो पर वोट बहिष्कार कर दिया। परदहा ब्लाक के पिपरीडीह हासपुर मड़ईयां, नईबस्ती, फुलवरिया आदि गांवो के लोगों ने रेलवे अंडरपास की मांग को लेकर वोट का बहिष्कार कर दिया है। ग्रामीणो ने बताया कि वाराणसी भटनी रेलखंड पर स्थित पिपरीडीह गांव के सामने रेलवे फाटक था। जो विगत लगभग दो वर्ष पुर्व रेलवे द्वारा रेलवेक्रासिंग फाटक को ग्रामीणों के विरोध के बावजूद बंद कर दिया गया था।इसको लेकर ग्रामीणों द्वारा रेलवे अंडरपास की मांग को लेकर वोट का बहिष्कार कर दिया गया। बुथ संख्या 33 पर 556 वोट है। जिसमे महिला वोटर 262 तथा पुरुष वोटर की संख्या 294 है। वही बूथ संख्या 34 पर 1181 वोट है । जिसमे महिला वोटर की संख्या 445 है। वही पुरुष वोटरो की संख्या 635 है। सुबह 10 बजे तक दोनो बुथो पर ग्रामीणों ने एक भी वोट नही डाला था। एसडीएम सदर,एलआईयू, एसओ सरायलखंसी प्रविण सिंह, डीपीआरओ, एडीपीआरओ, सहित अन्य अधिकारी ग्रामीणों से वार्ता कर वोट देने की अपील की परंतु ग्रामीण नही माने। समाचार लिखे जाने तक बूथ संख्या 34 पर तीन बजे तक एक वोट तथा बूथ 33 पर एक वोट पोल हुआ।

गांव की उपेक्षा से नाराज बैरिया के ग्राम मठ धज्जू गिरि के लोगों ने किया वोट का बहिष्कार

- प्रशासन व इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी की ग्रामीणों ने नहीं सुनी बात
- समाचार लिखे जाने ग्रामीणों द्वारा जारी था बहिष्कार
- सड़क, बिजली, पानी, ट्रांसफार्मर ग्रामीणों की है समस्या
- आबादी 1400 तथा मतदाता 997

केटी न्यूज / बलिया

लोकसभा 72 बलिया अन्तर्गत विधान सभा बैरिया के ग्राम मठ धज्जू गिरि के ग्रामीणों ने शनिवार को प्राईमरी पाठशाला मठ धज्जू गिरि के बूथ संख्या 157 पर स्थानीय मुद्दों को लेकर मतदान का सुबह से ही बहिष्कार कर दिया। ग्रामीणों को मनाने के प्रशासन व इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी सनातन पांडेय भी पहुँचे। लेकिन समाचार लिखे जाने तक कार्य बहिष्कार जारी था। बता दे कि बैरिया विधान सभा के ग्राम मठ धज्जू गिरि के ग्रामीणों ने सड़क, बिजली, पानी, ट्रान्सफार्मर आदि जनप्रतिनिधियों को गांव में न आने व गांव की उपेक्षा किये जाने का आरोप लगाते हुये सुबह से ही मतदान का बहिष्कार जारी रखा। जिला प्रशासन द्वारा ग्रामीणों को समझाया-बुझाया जा रहा है किन्तु वह नहीं मान रहें है। समस्याओं यथा सड़क, बिजली, पानी, ट्रान्सफार्मर इत्यादि सहित जनप्रतिनिधियों को गांव में न आने व गांव की उपेक्षा किये जाने का आरोप लगाते हुए सुबह से ही कार्य बहिष्कार जारी रखे है। आपको बता दे कि गांव में कुल 997 मतदाता है तथा गांव की कुल आबादी 1400 है।

बहेरी में 17 सी फार्म देने से इंकार करने पर सपा कार्यकर्ताओं ने किया हंगामा

केटी न्यूज/ बलिया।

अधिकारी द्वारा 17 सी का फार्म नहीं दिए जाने पर बहेरी स्थित बूथ के बाहर सपा कार्यकताओं ने शनिवार की शाम जमकर हंगामा किया। समर्थकों का आरोप है कि जब सुप्रीम कोर्ट का सख्त आदेश है कि मतदान के उपरांत 17 सी का फार्म देना है तो फिर सक्षम अधिकारी इसे दे क्यों नहीं रहे है। हालांकि हो हंगामे के बाद अधिकारी बैकफुट पर आ गए और 17 सी का फार्म संबंधित एजेंट को दे दिया।

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि 17सी फार्म महत्वपूर्ण है। इसमें प्रत्येक उम्मीदवार के लिए वोटों का रिकार्ड होता है। इसे मतगणना के दिन दर्ज किया जाता है। इसमें उम्मीदवार का नाम और प्राप्त वोट की जानकारी होती है। इससे पता चलता है कि उस बूथ से गिने गए कुल वोट डाले गए कुल वोटों के समान हैं या नहीं। यह व्यवस्था किसी भी पार्टी द्वारा वोटों में हेरफेर से बचने के लिए हैं। यह डाटा मतगणना केंद्र के पर्यवेक्षक द्वारा दर्ज किया जाता है। प्रत्येक उम्मीदवार (या उनके प्रतिनिधि) को फॉर्म पर हस्ताक्षर करना होता है, जिसे रिटर्निंग अधिकारी द्वारा जांचा जाता है।

मतदान केंद्र पर मतदान देने गए गए वृद्ध की मौत

बलिया। पकड़ी थाना क्षेत्र के चकबहाउद्दीन गाँव के प्राथमिक विद्यालय के बूथ संख्या 257 पर मतदान करने गए एक वृद्ध की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार चकबहाउद्दीन गाँव निवासी रामबचन चौहान 65 वर्ष मतदान करने के लिए मतदान केंद्र पर गए हुए थे। लाइन में खड़े होने के बाद ही उन्हें चक्कर आया और वही गिर पड़े। जब तक लोग उन्हें अस्पताल ले जाते तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। उनकी मौत से परिजनों में कोहराम मच गया।

रेलवे फाटक की मांग की अनदेखी से नाराज होकर ग्रामीणों ने उठाया कदम

रसूलपुर गांव के ग्रामीणों ने मतदान का किया बहिष्कार

केटी न्यूज/रसड़ा

कंपोजिट विद्यालय गांव के समीप रेलवे फाटक की मांग को लेकर रसूलपुर गांव के लोगों ने मतदान का बहिष्कार किया। मौके पर पहुंचकर ग्रामवासी मानमनौव्वल में जुट गए। लेकिन ग्रामवासियों ने किसी की एक न सुनी। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में मार्केट है, छोटे-छोटे बच्चे स्कूल जाते हैं। रोड के बीच में रेलवे ट्रैक होने से हमेशा खतरा बना रहता है। आज दस वर्षों से मांग करते आ रहा हूं। लेकिन हमारी मांगों पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। ऐसे में इस बार हम लोग मन बना लिए हैं वोट किसी भी हाल में नहीं देंगे।

मतदान बहिष्कार ! रोड नहीं, तो वोट नहीं

उप जिलाधिकारी के समझाने- बुझाने पर मतदाताओं ने डाले वोट

बलिया। जनपद के प्राथमिक विद्यालय धुस्का बूथ पर रोड नहीं तो वोट नहीं की मांग को लेकर ग्रामीण मतदान का बहिष्कार कर रहे थे। शनिवार को डेढ़ घंटे तक मतदान प्रक्रिया बाधित रही। इसकी सूचना प्रशासनिक अधिकारियों को होते ही मौके पर उप जिलाधिकारी सहित अन्य अधिकारी पहुंच गए। काफी समझाने- बुझाने के बाद ग्रामीण उप जिलाधिकारी के आश्वासन पर मतदान करने के लिए राजी हुए। सुबह साढ़े आठ बजे किसी तरह वोटिंग शुरू हुई। इस प्रकार पहले चक्र में साढ़े नौ बजे तक महज 41 वोट ही पड़े। इसके बाद मतदाता अपने घरों से निकलने शुरू हुए। धीरे-धीरे करते हुए इस मतदान केंद्र पर कुल 1744 मत डाले गए। बूथ संख्या 148 पर कुल 900 वोट पड़े। जबकि बूथ संख्या 149 पर 844 मत डाले गए।

ओम प्रकाश राजभर ने वोट देने के बाद सपा पर बोला हमला

केटी न्यूज / मऊ

घोसी लोकसभा चुनाव में सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने आज अपने परिवार सहित अपने बूथ रसड़ा विधानसभा के मीरनपुर प्राथमिक विद्यालय पर वोट डाला इस अवसर पर उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के वोटर भी कट रहे हैं और मोदी जी के साथ जुड़ रहे हैं 4 जून 4:00 बजे 400 पार का उन्होंने संकल्प दोहराया उन्होंने कहा कि हमसे किसी की लड़ाई नहीं है पूर्वांचल की सारी सीटे और उत्तर प्रदेश की सारी सीटे भारतीय जनता पार्टी और उसके सहयोगियों के खाते में जा रही है उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव का कोई वजूद नही है।

"सबका साथ सबका विकास" ने जीता भरोसा, वाराणसी में धुआंधार वोटिंग...

वाराणसी। पूर्वांचल की हॉट सीट वाराणसी में लोकसभा चुनाव के दौरान सभी प्रमुख बूथों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। इस दौरान सुरक्षा कर्मियों के लिए नाश्ता और भोजन के विशेष प्रबंध किए गए हैं। मतदाताओं में इस बार वोटिंग का काफी क्रेज दिख रहा है। कई पोलिंग सेंटरों पर लंबी लाइन में युवा अपनी बारी का इंतजार करते दिख रहे तो वहीं कुछ लोग अपने छोटे बच्चों को लेकर भी मतदान केंद्र पर पहुंचे। बढ़ते तापमान के बीच मतदाताओं के चेहरे पर शिकन भी नहीं आई। युवा दिल्ली, मुंबई सहित विभिन्न शहरों में रहकर नौकरी या पढ़ाई कर रहे हैं। काशी की गर्मी भी मतदाताओं के उत्साह को रोक नहीं सकी। तेज धूप और गर्मी में भी लोगों में वोट डालने का खूब उत्साह दिखा। इस बीच मतदाताओं ने खुशी- खुशी लोकलंत्र के पर्व में हिस्सेदारी की। लोकतंत्र के पर्व में आधी आबादी मतदान करने में अपनी सशक्त भागीदारी निभा रही है।

गाजीपुर में 55.22 प्रतिशत तो चंदौली में 60.38 फीसदी मतदान

केटी न्यूज/गाजीपुर

लोकसभा चुनाव- 2024 के अंतिम चरण का मतदान सुबह से काफी धीमा रहा। कुछ मतदान केंद्रों को छोड़ दें तो सभी बूथों पर शाम तक वोट डालने का क्रम धीमा रहा। इसकी मुख्य वजह चिलचिलाती धूप एवं गर्म हवाओं का चलना बताया जाता है। शाम पांच बजे तक 55.22 प्रतिशत तक हुआ मतदान।

प्रथम चक्र : सुबह सात बजे अंतिम चरण का मतदान आरंभ हुआ। प्रथम चक्र की बात करें तो नौ बजे तक 13.8% मतदान लोगों ने किया। इस दौरान गाजीपुर सदर में 13.25 %, सैदपुर में 13% जंगीपुर में 13.7%, जमानिया में 13.47% और जखनियां विधानसभा में 12.93% मतदान हुआ। कुल मिलाकर प्रथम चक्र में वोट पड़ने की गति काफी धीमी रही।

दूसरा चक्र : इसी क्रम में 75- गाजीपुर लोकसभा सीट के लिए पूर्वाह्न 11:00 तक दूसरे चक्र में कुल 27.49% मतदान हुआ। जिसमें जखनियां में 27. 97 %, सैदपुर में 27.92%, गाजीपुर में 27.34%, जंगीपुर में 27.72% और जमानिया में 26.51% प्रतिशत वोट पड़े।

तीसरा चक्र : तीसरे चक्र में भी मत प्रतिशत का हाल काफी कमजोर रहा। दोपहर बाद 1:00 बजे तक कुल 38.87 प्रतिशत मत डाले गए। जिसमें जखनियां में 39.65%, सैदपुर में 39.31%, गाजीपुर में 39. 46%, जंगीपुर में 39.67% तथा जमानिया में 36.43% मतदान हुआ।

चौथा चक्र : अगर चौथे चक्र की बात करें तो प्रचंड धूप के बीच मतदान प्रतिशत में घटोतरी हुई। अपराह्न तीन बजे तक कुल 46.5 प्रतिशत ही मतदान हो पाया। जिसमें जखनियां विधानसभा में 46.38%, सैदपुर में 47.4%, गाजीपुर सदर में 47.5%, जंगीपुर में 46.46% तथा जमानिया विधानसभा में 43.08% मतदान हुआ।

पांचवां चक्र : लोकसभा चुनाव में मतदान के समाप्ति तक कुल 55.22 प्रतिशत मतदान हुआ। जखनियां में 56.5%, सैदपुर में 55.34%, गाजीपुर में 57.66%, जंगीपुर में 57.25, जमानियां में 49.97% मतदान हुआ। सबसे ज्यादा मतदान गाजीपुर सदर विधानसभा में 57.66 प्रतिशत और सबसे कम मतदान जमानियां विधानसभा में 49.97 प्रतिशत

गाजीपुर सदर विधानसभा के भाग संख्या -134, प्राथमिक पाठशाला सकरताली बूथ पर तीन पीढियां एक साथ मतदान करते।

भीषण गर्मी के बावजूद चंदौली के चंदौसी बूथ पर मतदाताओं की लगी लंबी लाइन।

यूपी में 13 सीटों पर 54 प्रतिशत वोट पड़े

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के 13 लोकसभा सीटों पर हो रहे मतदान में शाम पांच बजे तक 54 प्रतिशत मतदान हुआ है। इसमें चंदौली लोकसभा में 58.19 प्रतिशत, रार्बट्सगंज में 54.25 प्रतिशत, गाजीपुर में 53.53 प्रतिशत, बलिया में 50.56 प्रतिशत, मिजार्पुर में 50.83 प्रतिशत, बांसगांव में 50.06 प्रतिशत, महाराजगंज में 58.66 प्रतिशत, गोरखपुर में 52.53 प्रतिशत, सलेमपुर में 50.21 प्रतिशत, देवरिया में 54.53 प्रतिशत, वाराणसी में 54.58 प्रतिशत तथा कुशीनगर में 56.04 प्रतिशत मतदान हुआ।

पहली बार मतदान करने पर युवाओं के चेहरे खिले

चंदौली। मुख्यालय स्थित जूनियर हाई स्कूल में शनिवार को सातवें चरण के मतदान के दौरान चंदौली संसदीय क्षेत्र के लिए पहली बार मतदान देने वाले मतदाता काफी खुश नजर आए। मतदाताओं ने कहा कि विकास और देश की तरक्की के लिए हमने मतदान अपना किया है। जहां पर पहली बार प्रियांशु ने मतदान करने के बाद कहा कि हमारा वोट विकास और देश की तरक्की के लिए किया। वहीं शालिनी सिंह ने कहा कि लोकतंत्र में सभी को मतदान देने का अधिकार है मैं भी अपना मतदान करके लोकतंत्र के भागीदार बनी हूं। छोटा लखनदर ने कहा कि मतदान के लिए मैं पहले से ही उत्साहित था लेकिन मतदान देने के बाद मेरे अंदर और उत्साह बढ़ा है।मैं विकास के नाम पर वोट किया है। शिखा गुप्ता ने कहा कि लोकतंत्र का महापर्व पांच वर्ष में एक बार आता है 18 वर्ष इंतजार करने के बाद पहली बार मतदान करने का मौका मिला है। मैंने मतदान कर लोकतंत्र की रक्षा के लिए आगे आने का काम किया हूं।

शांतिपूर्ण ढ़ंग से संपन्न हुआ चुनाव

चंदौली। जिले में लोकतंत्र का महापर्व शांतिपूर्वक गुजरा। लोकसभा क्षेत्र चंदौली में कुल 60.38 प्रतिशत मतदान हुआ।मतदान के समापन के बाद सभी पोलिंग पार्टियां ईवीएम लेकर नवीन मंडी में पहुंची। यहां विधानसभावार लगे टेबुल पर जाकर उपस्थिति दर्ज कराते हुए ईवीएम को स्ट्रांग रूम में जमा कराया गया। मतदान कार्मिकों के आने का सिलसिला देर रात तक चलता रहा। इसके बाद विभिन्न दलों के जनप्रतिनिधियों के सामने स्ट्रांग रूम को सील कर सुरक्षा का कड़ा बंदोंबस्त किया गया। स्ट्रांग रूम की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे व अन्य इंतजाम किया गया। साथ ही स्ट्रांग रूम के बाहर अत्याधुनिक असलहों से लैस केंद्रीय रिजर्व फोर्स व पीएसी के जवानों को तैनात कर दिया गया। लोकसभा के अंतिम चरण का चुनाव शनिवार को सकुशल व शांतिपूर्ण ढ़ंग से हुआ। जिले में मतदान कराने के लिए नवीन मण्डी परिसर से कुल 1541 बूथों के लिए पोलिंग पार्टियों को रवाना किया गया था। सभी पोलिंग पार्टियां निर्धारित समय सुबह सात बजे शाम छह बजे तक बूथों पर शांतिपूर्ण पूर्ण मतदान कराया। निर्धारित समय के बाद पोलिंग पार्टियां नवीन मंडी स्थित रवानगी स्थल पर पहुंची। इसके बाद विधानसभा वार लगाए गए टेबुल पर पहुंचकर उपस्थिति दर्ज कराई। साथ ही प्रपत्रों आदि का मिलान कराते हुए स्ट्रांग रूम में ईवीएम व वीवीपैट मशीन जमा कराया। यह क्रम देर रात तक चलता रहा। इस दौरान मतदान कार्मिकों को ईवीएम जमा कराने में काफी जदोज हद करनी पड़ी। कुछ नजदीक के बूथों की पोलिंग पार्टियां समय से पहुंचकर ईवी एम जमा कराते हुए राहत की सांस लिया। वहीं दूर बूथों की कुछ पोलिंग देर रात तक जूझती रही। इसके बाद प्रेक्षकों और जिला निर्वाचन अधिकारी की मौजूदगी में विभिन्न दलों के जनप्रतिनिधियों के सामने स्ट्रांग रूम को सील किया गया। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था के कड़े बन्दों बस्त किए गए। स्ट्रांग रूम के बाहर सुरक्षा के दृष्टिगत केंद्रीय रिजर्व फोर्स, पीएसी के जवानों का पहरा लगा दिया गया।

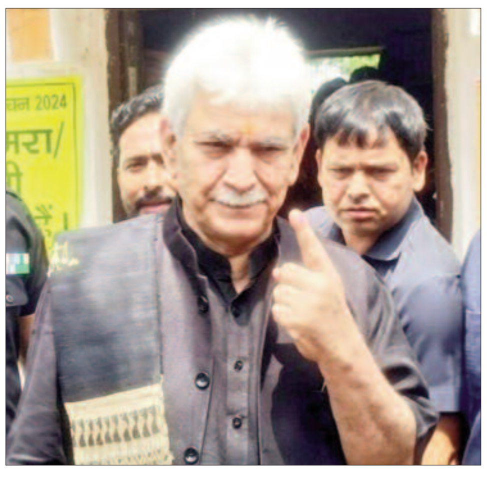

जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने अपने पैतृक गांव मोहनपुरा में मतदान किया।

सपा उम्मीदवार अफजाल अंसारी ने किया मतदान।

भाजपा की राज्यसभा सांसद साधना सिंह ने डाला वोट।

पूर्व विधायिका सुनीता सिंह ने किया मतदान।

मंत्री अनिल राजभर ने अपने परिवार संग किया मतदान।

भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी पारसनाथ राय ने अपने पैतृक ग्राम सिखड़ी बूथ पर किया मतदान।

ग्रामीणों के बहिष्कार से पांच घंटे तक रुका रहा मतदान

चंदौली। चकिया विधानसभा क्षेत्र के बाजितपुर गांव में सड़क की मांग को लेकर ग्रामीणों ने शनिवार को मतदान का बहिष्कार कर दिया। इसकी जानकारी होने पर सदर एसडीएम हर्षिका सिंह और सीओ राजेश राय ने डीएम के निर्देश पर समझा बुझाकर मामले को शांत कराया और मतदान शुरू कराया। रॉबर्ट्सगंज लोक सभा क्षेत्र के चकिया विधानसभा सुरक्षित के बाजितपुर गांव में ग्रामीणों ने सड़क के मांग को लेकर चुनाव का बहिष्कार कर दिया। जैसे इसकी जानकारी जिला प्रशासन को हुई तो उन्होंने तत्काल सदर एसडीएम हर्षिका सिंह और सीओ राजेश राय को मौके पर भेज कर जिलाधिकारी ने ग्रामीणों को स्पष्ट किया कि सड़क का निर्माण कर दिया जाएगा। डीएम के आश्वासन के बाद मतदान प्रक्रिया शुरू हुई।

हीट-वेव के शिकार हुए सब-इंस्पेक्टर, पीएससी के जवान व फॉलोअर, बेहोश होकर गिरे

- जिला प्रशासन में हड़कंप, जमानिया पीएचसी पर चल रहा सभी का इलाज

केटी न्यूज / गाजीपुर

शनिवार को प्रचंड गर्मी के बीच अंतिम चरण का लोकसभा चुनाव सकुशल संपन्न हो गया। इस बीच जमानियां तहसील क्षेत्र में गैर जनपद से आए उप निरीक्षक, पीएसी के जवान तथा फॉलोअर हीट-वेव के कारण बेहोश होकर गिर गए। आनन-फानन में सभी को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जमानियां लाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। जनपद के जमानियां विधानसभा क्षेत्र में सभी मतदान केंद्रों पर शनिवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीचे 18वीं लोकसभा के अंतिम चरण का मतदान सुबह सात बजे शुरू हुआ। चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए पंजाब पुलिस, पीएसी तथा स्थानीय पुलिस की ड्यूटी लगाई गई थी। जमानियां तहसील के मतसा मतदान केंद्र पर तैनात बस्ती कोतवाली से आए उपनिरीक्षक अनिल कुमार यादव, पीएसी 35 बटालियन लखनऊ से आए आरक्षी सर्वेश कुमार और फालोवर अनुज कुमार अचानक गर्मी के कारण बेहोश होकर गिर पड़े। इस कारण अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए और तीनों को तहसील स्थित पीएचसी पर भर्ती कराया गया। वहां तीनों का इलाज चिकित्सक द्वारा किया जा रहा है।

1005 बूथों पर हुई वेब कास्टिंग

चंदौली। संसदीय क्षेत्र के कुल 1005 चिन्हित बूथ पर वेब कास्टिंग के माध्यम से व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। इसके लिए जहां चंदौली के लिए 883 बूथ चिन्हित है। कुछ मतदान केंद्र पर कैमरे की खराबी के साथ मतदान केंद्र में साइकिल व चारपाई मिलने पर प्रेक्षक की ओर से नाराजगी भी जताई गई ।

लोकतंत्र के महापर्व में निभायी भागीदारी, मतदान प्रतिशत बढ़ाने में दिया योगदान

अधिकारियों ने मतदान कर लोगों को किया प्रेरित

केटी न्यूज/चंदौली

चंदौली संसदीय क्षेत्र के लिए जनपद के प्रमुख अधिकारियों ने भी महेंद्र टेक्निकल इंटर कॉलेज के बनाए गए मतदान केंद्र पर पहुंचकर अपना मतदान किया। जहां जिलाधिकारी निखिल टीकराम फूंडे ने केंद्र का निरीक्षण कर वस्तु स्थिति की जानकारी ली। वहीं यूपी जिला निर्वाचन अधिकारी अभय कुमार पांडेय ने पत्नी संग पहुंचकर मतदान किया। इसके अलावा एसपी डॉ अनिल कुमार ने भी अपना वोट डालकर लोगों को लोकतंत्र के महापर्व में अधिक से अधिक मतदान के लिए प्रेरित किया, ताकि जनपद का मतदान प्रतिशत पिछली वर्ष की तुलना में बढ़ सके। वहीं दोपहर बाद जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने मतदान किया।

एडीएम अभय कुमार पांडेय पत्नी संग किया मतदान

गाजीपुर सदर में नपा चेयरमैन समेत कई प्रमुख लोगों ने किया मतदान

गाजीपुर। जिला मुख्यालय पर नगर पालिका अध्यक्ष सरिता अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने अपने बूथ पर जाकर मतदान किया। उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष अबू फकर खां अपने धर्मपत्नी के साथ अपने बूथ पर मतदान किया। डॉ. प्रशांत शेरपुर कलां जूनियर हाईस्कूल में जाकर अपने बूथ पर जाकर मतदान किया। सर्वदलीय संघर्ष समिति के संस्थापक अरूण सिंह ने अपनी धर्मपत्नी के साथ अपने बूथ पर मतदान किया। बीएसएनएल के सीनियर एसडीई आतीश कुमार श्रीवास्तव ने आरटीआई बूथ पर अपना मतदान किया। मतदान के बाद अब मतगणना चार जून को जंगीपुर मंडी समिति में होगा। गांव से लेकर शहर और कस्बो में जीत-हार को लेकर अटकलबाजियां शुरू हो गयी है। समर्थक अपने-अपने तर्कों से अब अपने प्रत्याशी का जीत का दावा कर रहें है।

राज्यसभा सांसद संगीता बलवंत ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

केशव टाइम्स डिजिटल संस्करण

संपादकीय

सुभाषितम्

प्रकृति का तमाशा भी खूब है। सृजन में समय लगता है जबकि विनाश कुछ ही पलों में हो जाता है। - जकिया जुबैरी

एग्जिट पोल पर दिन भर बबाल

-सनत जैन

1 जून की शाम से टेलीविजन चैनलों में एग्जिट पोल के नतीजे आने का क्रम शुरू हो चुका है। इसी के साथ एग्जिट पोल पर टीवी चैनलों में बड़ी बहस भी शुरू हो चुकी है। लोकसभा चुनाव 2024 के परिणाम आने तक एग्जिट पोल, टेलीविजन चैनलों में धूम मचाते रहेंगे। पहली बार एग्जिट पोल में इंडिया गठबंधन के सभी राजनीतिक दलों ने शामिल नहीं होने का ऐलान किया। देर शाम विपक्षी दलों ने एग्जिट पोल के कार्यक्रमों में अपने प्रवक्ता भेजने का निर्णय ले लिया। इससे हटकर पिछले चार लोकसभा चुनाव में जितने भी एग्जिट पोल आए हैं, वह सब परिणाम के विपरीत गए हैं। एग्जिट पोल दिखाने के नाम पर टीवी चैनल अपनी टीआरपी बढ़ाने का उपक्रम करते नजर आते हैं। उनका विज्ञापन बढ़ता है। इसके बाद इस तरह के भी आरोप लगने भी शुरू हो गए, चुनाव परिणाम में लोगों का विश्वास हो। इसके लिए भी एग्जिट पोल का उपयोग सत्तारूढ़ पार्टी के पक्ष में किया जाता है। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव और 2019 के लोकसभा चुनाव में इस तरह की बात भी सामने आई। ताकि लोग जो परिणाम घोषित हुए हैं उन पर सरकार के कार्यों पर मोहर लगाने का काम किया गया। इस बार चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर भी लोगों में बड़ा अविश्वास देखने को मिल रहा है। ईवीएम मशीन और आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन वाले मामले में चुनाव आयोग की भूमिका की लगातार आलोचना हो रही है। 2024 के लोकसभा चुनाव में आयोग की विश्वसनीयता भी कसौटी में कसी जा रही है। 2024 के जब लोकसभा चुनाव परिणाम सामने आएंगे तब स्थिति और भी स्पष्ट होगी। 2004 में जो एग्जिट पोल के परिणाम सामने आए थे, उसमें एसी नीलसन एजेंसी ने भाजपा को 240, कांग्रेस को 198 तथा अन्य दलों को 110 सीट एग्जिट पोल में बताई गई थी। ओआरजी मार्ग ने भाजपा को 248 और कांग्रेस को 190 तथा अन्य को 105 सीट दिलवाईं थीं। सी वोटर ने भाजपा को 263, कांग्रेस को 180 तथा अन्य को 92 सीट दीं थीं। वास्तविक रूप से जब परिणाम आए, तो 2004 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 181, कांग्रेस को 208 एवं अन्य दलों को 59 सीटें प्राप्त हुईं थीं। 2009 के लोकसभा चुनाव में सीएनएन के एग्जिट पोल में भाजपा को 175, कांग्रेस को 195 और अन्य दलों को 150 सीटों का रुझान बताया गया था। स्टार नीलसन ने अपने सर्वे में भाजपा को 196, कांग्रेस को 199 और अन्य को 136 सीट वहीं सी वोटर ने भाजपा को 189, कांग्रेस को 195 तथा अन्य को 144 सीटों पर बढ़त दिखाई थी। वास्तविक नतीजे जब आए तो उसमें भारतीय जनता पार्टी को 159 सीट, कांग्रेस को 262 और अन्य दलों को 106 सीटें प्राप्त हुईं थीं। 2014 के एग्जिट पोल में सीएनएन ने भाजपा को 276, कांग्रेस को 97, अन्य को 148 सीट, इंडिया टुडे ने भाजपा को 272, कांग्रेस को 115 तथा अन्य को 156, चाणक्य ने भाजपा को 340, कांग्रेस को 70 और अन्य को 133 सीटों पर बढ़त बताई थी। वास्तविक नतीजे में भाजपा प्लस को 336 सीट, कांग्रेस को 66 और अन्य को 147 सीट प्राप्त हुई थी। 2019 के लोकसभा चुनाव में टाइम्स नाउ के एग्जिट पोल में भाजपा प्लस 306, कांग्रेस 132 अन्य 104, टुडे चाणक्य भाजपा को 340, कांग्रेस को 70 अन्य को 133, सी वोटर ने भाजपा को 287, कांग्रेस को 128 तथा अन्य को 127 सीट पर बढ़त बताई थी। वास्तविक नतीजे में भारतीय जनता पार्टी प्लस को 352, कांग्रेस को 97 और अन्य को 94 सीट प्राप्त हुई थी। पिछले चार लोकसभा चुनाव के यदि एग्जिट पोल को देखें तो सभी एग्जिट पोल गलत साबित हुए। ऐसी स्थिति में इंडिया गठबंधन के सहयोगी राजनीतिक दलों ने पहले कहा कि यह टीवी चैनलों का प्रोग्राम है। इनका वास्तविकता से कोई लेना-देना नहीं होता। टीवी चैनल अपने प्रोग्राम में पत्रकारों और चुनावी विशेषज्ञों को बुलाएं। इस कार्यक्रम में राजनीतिक दलों के नेताओं का कोई काम नहीं है। एग्जिट पोल वास्तविक्ताओं से बहुत दूर होते हैं।

चिंतन-मनन

समानता का संदेश

पैगंबर मोहम्मद साहब ने मक्का विजय के बाद एक नीग्रो गुलाम बिलाल को पवित्र काबा की छत पर चढ़कर नमाज के लिए अजान देने का हुक्म दिया। बिलाल ने कुछ ही समय पहले इस्लाम अपनाया था। जब वह पवित्र काबा की छत पर चढ़ा तो कुछ कुलीन अरब नागरिक चिल्लाकर बोले, ओह! बुरा हो उसका, वह काला हब्शी अजान के लिए पाक काबा की छत पर चढ़ गया। अश्वेतों के प्रति यह पूर्वाग्रह देख पैगंबर मोहम्मद साहब परेशान हो गए। उन्होंने कहा, ऐ लोगो! यह याद रखो कि सारी मानव जाति केवल दो श्रेणियों में बंटी है। पहली धर्मनिष्ठ, खुदा से डरने वाली, जो खुदा की दृष्टि में सम्मानित है। दूसरी जो उल्लंघनकारी, अत्याचारी, अपराधी, निर्दयी और कठोर है, जो खुदा की नजर में गिरी हुई है। संसार के सभी लोग एक ही आदमी की औलाद हैं। अल्लाह ने आदम को मिट्टी से पैदा किया था। इसकी सत्यता का प्रमाण पवित्र कुरआन में इन शब्दों में दिया गया है :ऐ लोगो! हमने तुमको एक मर्द और एक औरत से पैदा किया और तुम्हारी विभिन्न जातियां और वंश बनाए, ताकि तुम एक दूसरे को पहचानो। असल में अल्लाह की निगाह में तुममें सबसे अधिक सम्मानित वह है, जो अल्लाह से सबसे ज्यादा डरने वाला है। अल्लाह पूरी तरह खबर रखने वाला है। मोहम्मद साहब ने अपने अनुयायियों को हमेशा रूप-रंग, जाति-नस्ल, ऊंच-नीच या किसी भी किस्म के भेदभाव से दूर रहने को कहा। इन उपदेशों से अरब प्रभावित हुए और उन्होंने उनका पूरी तरह पालन किया। उन्होंने इस्लाम अपनाने वाले गुलाम नीग्रो लोगों से अपनी बेटियां ब्याह कर उनसे सम्मानजनक संबंध बनाए।

पोल के बाद अब एक्जिट पोल के ढोल

- राकेश अचल

भारत भी विचित्र किन्तु सत्य देश है। इस देश में हर विषय के विशेषज्ञ और भविष्यवक्ता मौजूद हैं। हाथ की लकीरें और ललाट पढ़कर भविष्य बताने वाले ही नहीं अपितु ईवीएम मशीनों में बंद मतों की गणना से पहले ही ये लोग बता सकते हैं कि कौन जीत रहा है और कौन हार रहा है। इस विज्ञान को एक्जिट पोल कहा जाता है। एक्जिट पोल को मै पोल के बाद का ढोल कहता हूँ। जो मजबूरन बजाया जाता है ताकि चुनावी रण में थके-हारे लोग नतीजे आने से पहले कुछ तो भांगड़ा कर लें। लोकतंत्र की रक्षा और तानाशाही से मुक्ति के लिए हुए सात चरणों के मतदान के समाप्त होने से पहले ही इस देश में पहली बार सत्तारूढ़ दल ने 9 जून को प्रधानमंत्री के रूप में तीसरी बार श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी के शपथ ग्रहण की तैयारियां कर लीं हैं। इन खबरों में यदि रत्ती भर भी सत्यता है तो दो ही बातें हो सकतीं हैं कि या तो सत्तारूढ़ भाजपा ने पूरे आत्मविश्वास के साथ सत्ता प्रतिष्ठान विरोधी गुस्से को शांत करने में सफलता हासिल की है या फिर दाल में काला है। यानी ईवीएम मशीनें सत्तारूढ़ दल के इशारे पर नतीजे उगलने वालीं हैं। यदि ये सही नहीं है तो कोई दल इतना उतावला कैसे हो सकता है कि वो शपथग्रहण समारोह

की तैयारियां कर ले? जाहिर है कि चुनाव में जो मैदान में था वो जीतेगा भी और हारेगा भी। चुनाव परिणामों को लेकर हम और हमारा समाज खास तौर पर हमारा गोदी मीडिया इतना उतावला है कि इधर मतदान समाप्त होगा और उधर सभी टीवी चैनल भावी सरकार को लेकर अपना ज्ञान उगलना शुरू कर देंगे। वोटर के मन में क्या है ये भाजपा के अलावा कोई दूसरा दल नहीं जानता। अगर जानता तो क्या बात थी। वैसे भी किसके मन में क्या है, ये जानना आसान काम नहीं है? एक्जिट पोल सही होते हैं या गलत ये पूरा देश और इस तरह के पोल करने वाले भली-भांति न सिर्फ जानते हैं बल्कि नतीजों का रुझान बताते हुए झिझकते भी हैं। लेकिन कभी-कभी धूल में लाठी चल भी जाती है। यकीन मानिये कि मै भी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की ही तरह एक्जिट पोल्स पर कभी ध्यान नहीं देता और अपने ज्ञान-ध्यान में लगा रहता हू। माननीय मोदी जी भी चुनावी रैलियों और रोड शो से फारिग होकर कन्याकुमारी स्थित विवेकानन्द स्मारक शिला पर ध्यान लगाने पहुँच गए थे। विपक्ष ने उनके ध्यान को सजीव प्रसारित करने के खिलाफ केंचुआ की शरण ली थी, विपक्ष को आशंका है कि माननीय ध्यान के जरिये देश की उस जनता को भ्रमित कर सकते हैं जो कि अंतिम और सातवें चरण में मतदान करने वाली है। मुझे लगता है कि माननीय के योग=ध्यान पर ध्यान नहीं देना चाहिए। वे जो करते हैं राष्ट्रहित में करते हैं। यदि उनका और उनकी पार्टी का चुनावी गणित सही बैठता है तो उन्हें सत्ता से कोई भी हटा नहीं सकता। याद कीजिये कि जब भाजपा 2019 के आम चुनाव में प्रति बूथ 20 नए मतदाता जोड़कर अनेक राज्यों में विपक्ष का सूपड़ा साफ कर सकती है तो 2024 के चुनाव में भाजपा प्रति बूथ 370 नए मतदाता जोड़कर 400 पार क्यों नहीं कर सकती? भाजपा को 400 पार करने से कोई नहीं रोक सकता बल्कि उसके हर सांसद को कम से कम पांच लाख से जीत भी दिला सकता है। कलिकाल की राजनीति में जो कामरुप है, जो जातुधान है उसकी माया की काट किसी कि पास नहीं होती शायद। ये माया अपने आप कट जाये तो और बात है। मायामृग ही युद्ध का कारण बनता है। इस चुनाव में भी सत्तारूढ़ दल सत्ता की सीता के लिए खुद ही सोने कि हिरण छोड़ रहा है और खुद ही उसका शिकार भी कर रहा है। भाजपा ने उन सभी राज्यों में जाकर शिकारगाह बनाने की कोशिश की जहाँ उसे पांव रखने की भी जगह नहीं थी। ;भाजपा दक्षिण में साफ और उत्तर में हाफ के विपक्ष के नारे को गलत साबित करना चाहती है। इसके लिए उसने जोखिम पर जोखिम लिए है। दिखाने के लिए भाजपा ने अपनी मातृ संस्था आरएसएस से भी कन्नी काट ली है, क्योंकि भाजपा के जन्म से पहले 1977 में जो विपक्षी गठबंधन बना था वो दोहरी सदस्यता के नाम पर टूट गया था। एक्जिट पोल कितने सच, कितने झूठ होते हैं इसके बारे में उनके अतीत को खंगालने की जरूरत है। जहँ तक मुझे याद आता है कि भारत में आजादी के बाद दूसरे आम चुनाव के दौरान साल 1957 में इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक ओपिनियन की ओर से पहली बार इसके मुखिया एरिक डी कॉस्टा ने सर्वे किया था। हालांकि, तब इसे एग्जिट पोल नहीं माना गया था। औपचारिक रूप से 1980 और 1984 में डॉक्टर प्रणय रॉय की अगुवाई में सर्वे किया गया। साल 1996 में भारत में एग्जिट पोल की शुरूआत सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज (सीएसडीएस) ने की थी। तब पत्रकार नलिनी सिंह ने दूरदर्शन के लिए एग्जिट पोल कराया था, जिसके लिए सीएसडीएस ने आंकड़े जुटाए थे. इस पोल में बताया गया था कि भाजपा लोकसभा चुनाव जीतेगी और ऐसा ही हुआ. इसी के बाद से देश में एग्जिट पोल का चलन बढ़ गया। साल 1998 में निजी न्यूज चैनल ने पहली बार एग्जिट पोल का प्रसारण किया था। नतीजे आने कि पहले नतीजों कि आसपास पहुँचने की शुरूआत का श्रेय संयुक्त राज्य अमेरिका को जाता है। साल 1936 में सबसे पहले अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में जॉर्ज गैलप और क्लॉड रोबिंसन ने चुनावी सर्वे किया था। तब पहली बार मतदान कर निकले मतदाताओं से पूछा गया था कि उन्होंने राष्ट्रपति पद के किस उम्मीदवार को वोट दिया है? जैसा कि मैंने पहले ही कहा की एक्जिट पोल धूल में थी चलने जैसा है। कभी -कभी ये 80 फीसदी तक सही निकलते हैं और कभी रत्ती भर भी नहीं। तो आने वाले तीन दिनों तक आप भी इस एक्जिट पोल से उड़ते हुए गुबार देखिये। अफसाने सुनिए, हकीकत का पता तो 4 जून 2024 की दोपहर तक ही चल पायेगा।

क्यों गर्मी से उबलता देश

-आर.के. सिन्हा

चिलचिलाती गर्मी के कारण देश का एक बड़ा हिस्सा फिलहाल उबल रहा है। आम चुनावों के मौसम में चर्चा के केन्द्र बिंदुओं में गर्मी की मार भी एक प्रमुख बिंदु बन गया है। मैं अभी चुनाव में अनेक क्षेत्रों में जन संपर्क अभियानों में निकल रहा हूँ। लेकिन, न तो कार्यकर्ता सुबह 6 से 9 और शाम के 7 से रात 10 के अलावा निकलने को तैयार हैं, न ही नागरिक अपने घरों का दरवाजा खोलकर आपके स्वागत के लिये तैयार हैं। मौसम विज्ञानियों का अनुमान है कि यह तीव्र गर्मी जून महीने तक जारी रहेगी, और महसूस होने वाला तापमान 49 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच सकता है। अभी 26 मई को स्वयं मुझे पाटलिपुत्र संसदीय क्षेत्र में मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री डॉ० मोहन यादव के साथ और 27 मई को आरा संसदीय क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी के साथ मात्र एक घंटे रहने का मौका मिला। 44-45 डिग्री तापमान था और मंच पर बैठना भी असहनीय हो रहा था।

सच में, इस भीषण गर्मी ने दैनिक जीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। जलवायु परिवर्तन के कारण भारत में लू की घटनाएँ तेजी से बढ़ रही हैं। यह अब लगभग पूरे देश में महसूस होने लगा है। उत्तर भारत में जहाँ कुछ क्षेत्रों में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुँच गया, यह इसका एक हालिया उदाहरण है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात सहित कई राज्यों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। आजकल जब सूरज देवता आग उगल रहे हैं, तब

नौतपा शब्द बहुत सुनने में आ रहा है। कुछ लोगों को यह शब्द नया लग रहा है। हालांकि यह बात नहीं है। नौतपा वो नौ दिन होते हैं जब देश में गर्मी अपने चरम पर होती है। इसे नवताप भी कहा जाता है। ये दिन साल के सबसे गर्म दिन भी होते हैं। 2024 में, नौतपा 25 मई को शुरू हुआ और 2 जून तक जारी रहेगा। नौतपा के दौरान, सूर्य सीधे मध्य भारत के ऊपर होता है, जिससे पृथ्वी और सूर्य के बीच की दूरी कम हो जाती है। इससे अधिक सीधे और तीव्र सौर विकिरण उत्पन्न होते हैं, जिससे भीषण गर्मी पड़ती है। कुछ क्षेत्रों में, खासकर राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश और गुजरात में तापमान लगभग 50‍ट सेल्सियस तक पहुँचने की उम्मीद है। हीटवेव एक लंबी अवधि की अत्यधिक गर्मी होती है जो मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए गंभीर परिणाम ला सकती है। हीटवेव के दौरान, तापमान किसी विशेष क्षेत्र और समय के लिए औसत तापमान से काफी अधिक हो जाता है। हीटवेव थकावट, स्ट्रोक और गंभीर मामलों में मृत्यु का कारण बन सकती है। याद रख लें कि हीटवेव सिर्फ उच्च तापमान नहीं होती, बल्कि असामान्य तापमान वृद्धि से परिभाषित होती है। उदाहरण के लिए, एक स्थान जहाँ गर्मियों में सामान्यतः 40 डिग्री सेल्सियस तापमान होता है, वहाँ हीटवेव नहीं मानी जाती है, भले ही तापमान 42 या 43 डिग्री तक पहुँच जाए। इसके विपरीत, एक जगह जहाँ सामान्य तापमान 27 या 28 डिग्री है, वहाँ हीटवेव मानी जाएगी यदि तापमान 35 डिग्री तक पहुँच जाए। हीटवेव तब मानी जाती है जब किसी स्टेशन का अधिकतम तापमान मैदानी इलाकों में कम से कम 40 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक और पहाड़ी क्षेत्रों में कम से कम 30 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक हो। हालांकि, यह भी ध्यान दिया जाता है कि जिस तापमान पर हीटवेव घोषित की जाती है, वह क्षेत्र की तापमान जलवायु के आधार पर अलग-अलग होता है। भारत के कुछ क्षेत्र अपने स्थान और जलवायु के कारण हीटवेव के प्रति अधिक संवेदनशील हैं। इनमें देश के उत्तर-पश्चिमी और मध्य भाग, जिनमें राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात शामिल हैं। शोधकर्ता बताते हैं कि हीटवेव तब होती है जब वायुमंडल में उच्च दबाव होता है, जो गर्म हवा को नीचे की ओर धकेलता है और इसे जमीन के पास फँसा देता है। यह उच्च दबाव प्रणाली एक ताले की तरह काम करता है जो गर्म हवा को ऊपर उठने से रोकता है, जिससे तापमान और बढ़ जाता है। जब हवा नीचे डूबती है तो वह गर्म हो जाती है, जिससे अत्यधिक गर्मी की स्थिति उत्पन्न होती है। इसके अलावा, जलवायु परिवर्तन वैश्विक मौसम पैटर्न में बदलाव कर-के और लंबी अवधि तक उच्च दबाव की संभावना बढ़ाकर अधिक बार और तीव्र हीटवेव में योगदान देता है। भारत में गर्मियों का तापमान आमतौर पर मई में चरम पर होता है। पाकिस्तान से आने वाली गर्म पश्चिमी हवाएं भी गर्मी में योगदान दे रही हैं।भारत के अन्य हिस्सों में, गर्मियों का तापमान पहले ही रिकॉर्ड ऊँचाई पर पहुँच चुका है, खासकर पूर्वी और दक्षिणी क्षेत्रों में, जहाँ अप्रैल का तापमान रिकॉर्ड में सबसे अधिक था। अत्यधिक गर्मी का स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। हालिया शोध बताते हैं कि तीव्र और लंबी अवधि तक चलने वाली हीटवेव के दौरान समय से पहले जन्मों में वृद्धि होती है। हीटवेव के कारण सांस लेने में तकलीफ और श्वसन संबंधी स्थितियाँ बिगड़ने की भी जानकारी है, खासकर उन क्षेत्रों में जहाँ हवा की गुणवत्ता खराब है। उच्च तापमान हृदय और परिसंचरण तंत्र पर भी दबाव डाल सकता है, जिससे दिल का दौरा और अन्य हृदय संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। यह भी ध्यान रखा जाए कि जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, हीटवेव के आर्थिक प्रभाव को लेकर चिंताएँ बढ़ती जा रही हैं। नकारात्मक प्रभाव केवल मानवीय पीड़ा तक सीमित नहीं हैं बल्कि आर्थिक गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला को भी प्रभावित करते हैं। हीटवेव अक्सर कार्यबल की उत्पादकता में कमी का कारण बनती है। उच्च रात के तापमान के कारण शरीर को ठंडा होना मुश्किल हो जाता है।

प्रकृति एवं पर्यावरण में जहर घोलने से बढ़ी जानलेवा गर्मी

- ललित गर्ग

लोकसभा चुनाव के प्रचार की गर्मी भले ही समाप्त हो गयी हो लेकिन प्रकृति से जुड़ी गर्मी सौ-डेढ़ सौ वर्षों का रिकार्ड तोड़ते हुए कहर बरपा रही है। दिल्ली का पारा 50 डिग्री से तो ज्यादा ही रहा है। देश के 17 से अधिक शहरों में तापमान उच्चतम स्तर पर चल रहा है। यह एक तरह का प्राकृतिक आपातकाल है। हीटवेव या यों कहें कि लू के थपेड़ों ने जनजीवन को मौत के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। लू या हीटवेव या तापघात के कारण देश के विभिन्न हिस्सों में मौत के समाचार भी आ रहे हैं। तस्वीर का एक पहलू यह है कि अभी तक सही मायने में हमारे देश में हीटवेव को डिजास्टर मैनेजमेंट में पूरी तरह से शामिल नहीं किया गया है। वैज्ञानिक बता रहे हैं कि शहरों में हीट आइलैंड बन रहे हैं, जिसके लिए मुख्य रूप से सीमेंट-तारकोल और कृत्रिम वातानुकूलित (एसीवाली) जीवनशैली जिम्मेदार है। कंक्रीट और तारकोल के जंगलों का विस्तार करने को जब तक हम अपनी जरूरत समझते रहेंगे तब तक हरे-भरे जंगलों को कटने से कोई नहीं रोक सकेगा। दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर देश जब तक जीडीपी से विकास को मापेगा, बेहिसाब औद्योगीकरण एवं शहरीकरण की होड़ रहेगी, तब तक पर्यावरण असंतुलन एवं गर्मी का प्रकोप ऐसे ही विनाश का कारण बनता रहेगा। इस बार बढ़ती गर्मी ने सारे रेकॉर्ड तोड़ दिये हैं जो हमारे लिए चौंकाने से ज्यादा गंभीर चिंता की बात है। राजधानी दिल्ली के एक इलाके में अधिकतम पारा 52.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो देश के इतिहास का सबसे ज्यादा तापमान है। राजस्थान के चुरु और फलोदी आदि का पारा तो 50 के आसपास या ऊपर ही चल रहा है। जैसलमेर आदि स्थानों पर गर्मी इतने तेज है कि धरती तवे की तरह तप रही है, लोगों ने पापड़ सेक कर या आमलेट बनाते हुए दृश्य सोशल मीडिया पर दिखाये हैं। पानी की कमी, बिजली कटौती और गर्म लू के कारण बीमारी के हालात गंभीर होते जा रहे है। इतनी तेज गर्मी में पेयजल की उपलब्धता, बिजली की आपूर्ति व ट्रिपिंग की समस्या से निजात पाना मुश्किल हो रहा है। सवाल यह है कि इस भीषण लू या यों कहें कि हीटवेव के लिए बहुत कुछ हम और हमारा विकास का नजरिया भी जिम्मेदार है। आज शहरीकरण और विकास के नाम पर प्रकृति को विकृत करने में हमने कोई कमी नहीं छोड़ी है। पेड़ों की खासतौर से छायादार पेड़ों की अंधाधुंध कटाई एवं गांवों में हो या शहरों में आंख मींचकर कंक्रिट के जंगल खड़े करने की होड़ के दुष्परिणाम प्रकृति एवं पर्यावरण की विकरालता के रूप में सामने हैं। जल संग्रहण के परंपरागत स्रोतों को नष्ट करने में भी हमने कोई गुरेज नहीं किया। अब विकास एवं सुविधाओं और प्रकृति के बीच सामंजस्य की ओर ध्यान देना होगा नहीं तो आने वाले साल और अधिक चुनौती भरे होंगे। कंक्रिट के जंगलों से लेकर हमारे दैनिक उपयोग के अधिकांश साधन एवं विकास की भ्रामक सोच तापमान को बढ़ाने वाले ही हैं। विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग की दस्तक देने के बावजूद विकसित व संपन्न देश पर्यावरण संतुलन के प्रयास करने तथा आर्थिक सहयोग देने से बच रहे हैं। ऐसा नहीं है कि मौसम की मार से कोई विकसित व संपन्न देश बचा हो, लेकिन प्राकृतिक संसाधनों के क्रूर दोहन से औद्योगिक लक्ष्य पूरे करने वाले ये देश अब विकासशील देशों को नसीहत दे रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष आज का दिन शुभ है और आज आपको हर मामले में जीवनसाथी का पूरा सपोर्ट मिलेगा।

तुला आपको सफलता प्राप्त होगी। आपके सभी कार्य बिना किसी बाधा के आराम से पूर्ण हो जाएंगे।

वृषभ आज आप पूरे उत्साह से जो भी काम करेंगे उसमें निश्चित रूप से कामयाबी मिलेगी।

वृश्चिक आज भाग्य का साथ मिलेगा और आपको नई योजनाओं पर काम करने में मजा आएगा।

मिथुन फाइनेंस से जुड़े फैसले आज ले लें। आगे के दो तीन दिनों में आपके पास समय की कमी रहेगी।

धनु आज का दिन मिलाजुला रहेगा। आज आपको कुछ मामलों में काफी दौड़भाग करनी पड़ेगी।

कर्क दिन करियर के मामले में सफलता से भरा होगा। दिन कोई पुराना रुका कार्य करने में बीतेगा।

मकर भाग्य का साथ मिलेगा और आपके दिन का अधिकांश हिस्सा मेहनत और भागदौड़ में बीतेगा।

सिंह दिन लाभ से भरा होगा ऑफिस में कलीग्स आपके टीमवर्क के जज्बे को अच्छी तरह समझेंगे।

कुंभ अनुकूलता में बीतेगा। आज सुबह से ही आपको किसी शुभ समाचार का इंतजार रहेगा।

कन्या बातों पर ध्यान देने की बजाए हॉबी को आगे बढ़ाने के बारे में सोचेंगे तो आपको फायदा होगा।

मीन आज का दिन परेशानियों वाला होगा। सुबह आप जिन बातों को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे।

विशेष

नितीश बाबू ने नरेंद्र मोदी को मुख्यमंत्री बनाने के लिए मांगे वोट

इस बार बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जुबान कई बार फिसली। वे कहना कुछ चाह रहे थे, कह कुछ गए। जिसके कारण वह चुनाव प्रचार के दौरान कई बार हंसी के पात्र बन गए। इस बार चुनावी सभा में पढकर नितीश बाबू बोल रहे थे। कागज से नजर हटते ही उनकी जुबान फिसल जाती है। एक बार उन्होंने कह दिया, नरेंद्र मोदी को मुख्यमंत्री बनाना है। जब उन्हें टोका गया, तब उन्होंने प्रधानमंत्री कहा। इसके पहले वह 400 पार के नारे को 4000 पर लेकर चले गए। इसमें कोई राजनीति है? नितीश बाबू की सेहत और उनकी मानसिक अवस्था को लेकर भी तरह-तरह की चचाएं होने लगी हैं।

मोदी से इतनी उदासीनता क्यों मोदी के मुकाबले में जनता

लोकसभा का चुनाव प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे पर लड़ा जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के हर राज्य में कई रैली और जनसभाएं की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की इच्छा से टिकट बांटे गए। उसके बाद भी जैसे ही लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी हुई। उसके बाद से धीरे-धीरे मोदी को लेकर जो उत्साह मतदाताओं में देखने को मिलता था। इस बार देखने को नहीं मिला। उल्टे इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दलों की रैलियां और जनसभाओं में भारी भीड़ उमड़ने लगी। इस बार हिंदू मुस्लिम का धार्मिक ध्रुवीकरण भी काम नहीं आया। मंदिर में भगवान राम की प्रतिष्ठा भी कोई काम नहीं आई।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1882: इटली के राष्ट्रवादी नेता जिसेपी गैरिबाल्डी का निधन. 1924: अमेरिकी कांग्रेस ने अमेरिकी इंडियनों को नागरिकता प्रदान की. 1953: ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ की ताजपोशी हुई. 1961: दो बार पुलित्जर पुरस्कार विजेता अमरीकी अंतरिक्ष लेखक जार्ज एस.काफमैन का निधन हुआ. 1966: अमेरिकी अंतरिक्ष यान सर्वेयर चांद पर उतरा. 1969: दक्षिण चीन सागर में आस्ट्रेलियाई विमान वाहक पोत की दुर्घटना में 74 नाविक मारे गये. 1979: पोप जोन पाल द्वितीय ने पहली बार किसी कम्युनिस्ट देश पोलैंड की यात्रा की. 1985: यूरोपीय फुटबाल एसोसिएशनों के संघ ने इंग्लैंड के फुटबाल क्लबों पर यूरोपीय स्पधाओं में भाग लेने पर प्रतिबंध लगा दिया. 1988: फिल्म अभिनेता राजकपूर का निधन हुआ. 1999: प्रधानमंत्री ने युद्धपोत आई. एन. एस. मैसूर को राष्ट्र को समर्पित किया.

दैनिक पंचांग

02 जून 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.08 बजे से
चंद्र	मीन में	कर्क	08.22 बजे से
मंगल	मीन में	सिंह	10.38 बजे से
बुध	मेष में	कन्या	12.50 बजे से
गुरु	वृष में	तुला	15.00 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	17.15 ब.से
शनि	कुंभ में	धनु	19.31 बजे से
राहु	मीन में	मकर	21.36 बजे से
केतु	कन्या में	कुंभ	23.23 बजे से
राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक		मीन	00.56 बजे से
		मेष	02.26 बजे से
		वृष	04.06 बजे से

रविवार 2024 वर्ष का 154 वां दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **तिथि** एकादशी 02.42 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** रेवती 01.40 बजे रात्र को समाप्त। **योग** आयुष्मान 12.11 बजे को समाप्त। **करण** बव 15.54 बजे तदनन्तर बालव 02.42 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 22° 13' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871998 **जूलियन दिन** 2460463.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1445 **महीना** जिल्काद **तारीख** 24 **विशेष** अचला/अपरा एकादशी व्रत, तेलंगाना स्थापना दिवस।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56	से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36	से	07.09 बजे तक
चर	07.23	से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09	से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51	से	10.18 बजे तक	चर	08.41	से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18	से	11.46 बजे तक	रोग	10.14	से	11.46 बजे तक
काल	11.46	से	01.14 बजे तक	काल	11.46	से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14	से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19	से	02.51 बजे तक
रोग	02.41	से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51	से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09	से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24	से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

आवाज के साथ खेलना पसंद है तो बनें डबिंग आर्टिस्ट

क्या आपको बोलने का शौक है? क्या आपको अपनी आवाज के साथ प्रयोग करना और उसके साथ खेलना पसंद है अगर आपकी वाकई रुचि आवाज की दुनिया में हो तो डबिंग आपके लिए एक शानदार करियर हो सकता है। डबिंग आर्टिस्ट के रूप में आप नाम, शोहरत और अच्छा पैसा कमा सकते हैं। यूं तो टेलीविजन की दुनिया में डबिंग एक बेहतरीन अवसर बनकर उभर रहा है लेकिन इसके अलावा क्षेत्रीय फिल्मों, विदेशी फिल्मों, रेडियो, विज्ञापन, कार्टून में भी काफी अवसर पैदा हो रहे हैं। आज हिंदी में डब किए जाने वाले टीवी शोज और उनके लिए डबिंग आर्टिस्ट्स की तादाद बढ़ती जा रही है। आज देश की लगभग हर भाषा में टीवी प्रोग्राम डब किए जा रहे हैं। कई हिंदी फिल्मकार भी अपनी फिल्मों को रीजनल भाषा में डब करके रिलीज कर रहे हैं। कई फिल्म और टेलिविजन प्रोडक्शन हाऊस के पास खुद के डबिंग डिपार्टमेंट और डबिंग आर्टिस्ट होते हैं। ये प्रोडक्शन हाऊस अपने प्रोग्राम्स को अलग अलग भाषाओं में डब करके देश के सभी हिस्सों में भेजते हैं। टीवी चैनलों पर प्रसारित होने वाली कई कार्टून और एनिमेशन फिल्में विदेश से आती हैं। हिंदी या अन्य भारतीय भाषा जानने वाले बच्चे इन्हें समझ सकें, इसलिए इन्हें भारतीय भाषाओं में डब किया जाता है। साइंस,हिस्ट्री और एडवेंचर प्रोग्राम दिखाने वाले कई टीवी चैनल्स भी अपने प्रोग्राम हिंदी समेत अन्य भारतीय भाषाओं में डब कराते हैं, ताकि उन्हें ज्यादा से ज्यादा भारतीय दर्शक मिल सकें। टीवी पर दिखाया जाने वाला एक ही विज्ञापन कई भाषाओं में डब होता है।

कैसे बन सकते हैं डबिंग आर्टिस्ट

डबिंग आर्टस्टि बनने के लिए कोई विशेष शैक्षणिक योग्यता की जरूरत नहीं होती है। अगर आपकी आवाज में खनक है और भाषाओं पर अच्छी पकड़ है तो आप इस क्षेत्र में एंट्री कर सकते हैं। हालांकि कई संस्थानों में डबिंग आर्टिस्ट का कोर्स होता है जहां तीन या छह महीने का डिप्लोमा करवाया जाता है। इस कोर्स के बाद आप रेडियो जॉकी के रूप में भी काम कर सकते हैं।

स्किल्स

डबिंग आर्टिस्ट की सबसे बड़ी पहचान है उसकी आवाज। इसलिए यह आवश्यक है कि आवाज में दम और आत्मविश्वास हो। इतना ही नहीं भाषा पर पकड़ अच्छी हो और उच्चारण सही व स्पष्ट हो। आवाज की कला में माहिर डबिंग आर्टिस्ट को करिदारों की समझ और उसके मुताबिक आवाज बदलने का हुनर होना चाहिए। डबिंग आर्टिस्ट की जरूरत फीचर फिल्म, एनिमेशन फिल्म, कार्टून फिल्म, शॉर्ट फिल्म, कॉर्पोरेट फिल्म, विज्ञापन फिल्म और टीवी प्रोग्राम्स में होती है।

आईएएस में नहीं हुआ चयन, तो ये हैं बेहतरीन करियर विकल्प

यदि स्टैटिस्टिक्स के नजरिये से देखा जाए, तो सिविल सर्विसेज एग्जाम क्लियर करने और उसमें भी आईएएसके लिए ही चुने जाने की संभावना बहुत क्षीण होती है। इस परीक्षा में सफलता की संभाव्यता मात्र 02 प्रतिशत होती है। यही कारण है कि सिविल सर्विसेज एग्जाम को विश्व की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक माना जाता है। हर साल इसमें बैठने वाले लगभग 3 लाख प्रतिभागियों में से मात्र 700 या 800 का ही अंतिम चयन हो पाता है और उनमें से भी कुछ को ही अपनी पसंद की सर्विस में नियुक्ति मिलती है।

यह तो आपने सुना ही होगा कि आईएएस की तैयारी करना महज एक परीक्षा की तैयारी भर नहीं है। यह एक जीवनशैली है। पूरी शिद्दत से इसकी तैयारी करने वालों के लिए यही जिंदगी बन जाती है। ऐसे में यदि आपके पास और प्रयास के अवसर नहीं रह गए या फिर आगे और प्रयास करने की आपकी इच्छा नहीं रह गई, तो आपको एक तरह से नए सिरे से ही जीवन शुरू करना पड़ता है। करियर के बारे में तो नए सिरे से विचार करना ही पड़ता है। ऐसे में कई हताश युवा खुद को ऐसी स्थिति में पाते हैं, जहां उनके पास कोई दूसरा विकल्प ही नहीं होता। यह सही है कि परीक्षा की तैयारी करते समय सकारात्मक बने रहना और सफल होने के विश्वास के साथ आगे बढ़ना जरूरी है मगर वैकल्पिक करियर प्लान बनाकर चलने में कोई नुकसान नहीं है। यदि आपने आईएएस के लिए जमकर पढ़ाई की है लेकिन इसमें सफल नहीं हो सके हैं, तो ऐसे कई करियर विकल्प हैं, जहां आप अपनी किस्मत आजमा सकते हैं। कई ऐसे करियर भी हैं, जहां आईएएस की तैयारी कर चुके उम्मीदवारों की सफलता की संभावना अन्य उम्मीदवारों से अधिक रहती है। चलिए, एक नजर डालते हैं ऐसे ही कुछ वैकल्पिक करियर्स पर।

सरकार की अन्य भर्ती परीक्षाएं

अगर आपने आईएएस में जाने का निर्णय यह सोचकर लिया था कि आप देश के लिए कुछ करना चाहते हैं, तो ऐसा करने के और भी रास्ते हैं। सिविल सर्विसेज एग्जाम के अलावा केंद्र सरकार भारतीय अफसरशाही में मिड-लेवल पदों पर नियुक्ति हेतु कई अन्य परीक्षाएं भी आयोजित करती है। इनमें इंडियन फॉरेस्ट सर्विस, इंडियन इंजीनियरिंग सर्विस, असिस्टेंट सेंट्रल इंटेलिजेंस ऑफिसर, सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेज आदि शामिल हैं। आईएएस हेतु की गई व्यापक तैयारी इन परीक्षाओं को क्रैक करने में आपकी मदद करेगी। इन परीक्षाओं में प्रतिस्पर्धा भी आईएएस के मुकाबले कमतर होती है व सफलता की संभावना अधिक।

कर्मचारी चयन आयोग

वैसे तो यह भी केंद्र सरकार के पदों पर भर्ती के लिए होने वाली परीक्षाओं में से ही एक है मगर यह इस कदर लोकप्रिय है कि इसका अलग से उल्लेख करना जरूरी हो जाता है। कर्मचारी चयन आयोग (स्टाफ सिलेक्शन कमिशन-एसएससी) एक सरकारी एजेंसी है, जो विभिन्ना सरकारी विभागों में भर्ती कराती है। एसएससी द्वारा केंद्र सरकार के विभिन्ना मंत्रालयों/ विभागों में ग्रुप-बी के पदों और ग्रुप-सी के सभी गैर-तकनीकी पदों पर भर्ती के लिए परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं। एसएससी सीजीएल (कंबाइंड ग्रेजुएट लेवल) एग्जाम के माध्यम से अनेक डेस्क तथा फील्ड जॉब्स में नियुक्ति की जाती है। इनमें मंत्रालय सहायक, ऑडिटर, कर सहायक, अकाउंटेंट, अपर डिविजन क्लर्क, टैक्स इंस्पेक्टर, असिस्टेंट एन्फोर्समेंट ऑफिसर, सीबीआई इंस्पेक्टर, नारकोटिक्स इंस्पेक्टर आदि के पद शामिल हैं।

राज्यों की पीएससी परीक्षाएं

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की ही तर्ज पर तमाम राज्यों के लोक सेवा आयोग (पीएससी) भी वहां की सरकारी भर्तियों के लिए परीक्षाएं आयोजित करते हैं। अक्सर युवा यूपीएससी के साथ-साथ ही पीएससी की परीक्षा भी देते हैं। यूपीएससी में चयन न हो, तो पीएससी एक अच्छा विकल्प होता है। यूपीएससी के मुकाबले इस परीक्षा में प्रतिस्पर्धा कम होती है और सफलता की संभावना अधिक। सबसे बड़ा फायदा यह है कि पीएससी परीक्षाओं का फॉर्मेट तथा सिलेबस लगभग वही होता है, जोकि यूपीएससी का होता है। इसलिए आपको अलग से कोई पढ़ाई नहीं करनी होती। पीएससी परीक्षा में चयनित होने पर आपको राज्य सरकार की प्रशासनिक मशीनरी में मध्य से लेकर वरिष्ठ पद तक नियुक्ति मिल सकती है।

बैंकिंग एक बढ़िया विकल्प

आईएएस के लिए पढ़ाई कर चुके युवाओं के लिए बैंकिंग एक बढ़िया विकल्प हो सकता है। पब्लिक सेक्टर बैंक नियमित रूप से क्लेरिकल तथा प्रोबेशनरी ऑफिसर स्तर की रिक्तियां निकालते हैं। इनके लिए प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से ही भर्ती होती है। इन परीक्षाओं में प्रतिस्पर्धा तो काफी कड़ी होती है मगर ये मुख्य रूप से फाइनेंस, इकोनॉमी व अकाउंटेंसी पर केंद्रित होती हैं। साथ ही इनमें जनरल अवेयरनेस, लॉजिकल रीजनिंग, न्यूमेरिकल एबिलिटी तथा रीजनिंग को आंका जाता है। आईएएस की तैयारी के दौरान आप इस तरह के प्रश्नों को हल करने की खूब प्रेक्टिस कर चुके होंगे। यह आपको बैंकिंग की परीक्षाओं में काम आएगा।

टीचिंग लाइन

अगर आपने ग्रेजुएशन स्तर पर अच्छे अंक प्राप्त किए हैं और टीचर बनने के लिए जरूरी क्वॉलिफिकेशन की कसौटी पर खरे उतरते हैं, तो आपके लिए इस क्षेत्र में जाने के रास्ते खुले हैं। आप स्कूल या कॉलेज में तो पढ़ा ही सकते हैं, एक और विकल्प है आईएएस कोचिंग इंस्टीट्यूट्स में भावी परीक्षार्थियों को पढ़ाना। पढ़ाई और परीक्षा के अपने अनुभव के आधार पर आप दूसरों को बेहतर गाइडेंस दे सकते हैं। ऐसे संस्थानों में पढ़ाना आर्थिक रूप से भी काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। ये तो हुए महज कुछ विकल्प, जो आईएएस की तैयारी कर चुके युवा आजमा सकते हैं। इसके अलावा कई और विकल्प भी हैं, जिनमें एमबीए, प्राइवेट सेक्टर जॉब आदि शामिल हैं। जरूरत है तो बस, खुले दिमाग से विचार करने की और एक 'प्लान-बी'' तैयार रखने की। यदि आईएएस में आपका चयन हो गया, तो इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। यदि नहीं, तो प्लान-बी तो है ही.!

जेमोलॉजी के साथ जगमगाएगा आपका करियर

कुछ दशक पहले तक रत्न व आभूषण का कारोबार छोटे-बड़े ज्वेलर्स तक सीमित होने के कारण असंगठित था, मगर अब कई बड़ी कंपनियों के आने के बाद से यह क्षेत्र तेजी से पेशेवर अंदाज में ढल रहा है। इसलिए जेमोलॉजी के विशेषज्ञों के लिए रत्न व आभूषण उद्योग में कई तरह के मौके हैं।

एक जेमोलॉजिस्ट का काम जहां एक ओर जेम्स स्टोन्स की पहचान, छंटाई और ग्रेडिंग का होता है, वहीं दूसरी ओर वे ज्वेलरी डिजाइनिंग की भी बारीक समझ रखते हैं। यही वजह है कि वे रिसर्च से लेकर डिजायनिंग तक से जुडे सभी तरह के कामों में माहिर होते हैं। यदि आपकी रुचि जेमोलॉजी और इस तरह के कार्यो में है तो आपका करियर इस क्षेत्र में चमकदार हो सकता है।

क्या है जेमोलॉजी

जेमोलॉजी को रत्नों की पहचान व उसके मूल्यांकन की कला,पेशा और विज्ञान कहा जा सकता है। जेमोलॉजी के अंतर्गत प्राकृतिक रत्नों की पहचान करना व उनमें मौजूद खामियों की जांच करना सिखाया जाता है। इसके अतिरिक्त रत्नों की कटिंग, छंटाई, ग्रेडिंग, वैल्यूएशन, डिजाइन मेथेडोलॉजी, मेटल कॉन्सेप्ट, कंप्यूटर एडेड डिजाइनिंग, मेटालर्जिकल प्रोसेस व ऑर्नामेंट डिजाइनिंग के बारे में बताया जाता है।

ये हैं कोर्सेस

जेमोलॉजी में डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स में प्रवेश के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। एक से दो साल के जेमोलॉजी डिप्लोमा और छह महीने से एक साल के सर्टिफिकेट कोर्सेज के साथ-साथ ट्रेंड प्रोफेशनल्स के लिए कुछ स्पेशलाइज्ड कोर्सेज भी उपलब्ध हैं। इन स्पेशलाइज्ड कोर्सेज की अवधि छह माह से छह हफ्ते तक भी हो सकती है। इस कोर्स के अंतर्गत जेम्स की पहचान, उसकी रंगत, धातु की पहचान, ड्राइंग टेक्निक्स, कम्प्यूटर ऐडेड डिजाइन आदि पहलुओं का अध्ययन किया जाता है।

जरूरी स्किल्स

अगर आप जेमोलॉजी में करियर बनाना चाहते हैं तो सबसे पहले आपकी इस क्षेत्र में दिलचस्पी होना जरूरी है। इस क्षेत्र में रचनात्मकता, कल्पनाशीलता और धैर्य जैसे गुण होने आवश्यक है। साथ ही सौंदर्यबोध और रंग संयोजन की अच्छी समझ हो। आज के समय में कम्युनिकेशन स्किल्स हर क्षेत्र की जरूरत है और यह क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं है।

रोजगार की संभावनाएं

जेमोलॉजी के क्षेत्र में ज्वेलरी डिजायनर, प्रोडक्ट डेवलॅपमेंट ऑफिसर, मर्केडाइजर, सेल्स ऐंड मार्केटिंग प्रोफेशनल, कॅन्सल्टेंट, कैड-डिजायनर,रिसर्चर आदि के रूप में काम कर सकते हैं। इनके अलावा डिजाइनिंग, मैन्युफैक्चरिंग और मैनेजमेंट आदि क्षेत्रों में संभावनाएं हैं। ऑफिस में बन जाएं ऐसे हालात, तो ये टप्स अपनाएं

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (निफ्ट)
- इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ जेमोलॉजी, नई दिल्ली
- जेमस्टोन्स आर्टिसन्स ट्रेनिंग स्कूल, जयपुर
- सरदार बल्लभ भाई पटेल सेंटर ऑफ जूलरी डिजाइन ऐंड मेन्युफैक्चर, सूरत
- जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशनकाउंसिल, जयपुर
- द जेमोलॉजिकल इंस्टीटयूट ऑफ इंडिया, मुंबई
- नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
- ज्वेलरी डिजाइन एंड ट्रेनिंग इंस्टीटयूट, नोएडा

टेक्निकल ट्रेनिंग के साथ नौसेना में बनाएं करियर

भारतीय नौसेना देश की तटीय सीमाओं की रक्षा का भार संभालती है। साथ ही, यह विभिन्न ट्रेड्स में युवा तकनीशियनों को अप्रेंटिसशिप के अवसर भी प्रदान करती है। नेवल डॉकयार्ड अप्रेंटिसेज स्कूल्स द्वारा कराई जाने वाली इस अप्रेंटिसशिप में कई ट्रेड शामिल हैं, जैसे इलेक्ट्रिशियन, मेसन, इंस्ट्रूमेंट मैकेनिक, कारपेंटर, वेल्डर आदि।

किसके लिए उपयुक्त

भारतीय नौसेना में अप्रेंटिसशिप ऐसे तकनीशियनों के लिए उपयुक्त हैं, जो नौसेना के एक्सपर्ट्स से प्रशिक्षण पाना चाहते हैं। आश्चर्य की बात तो यह है कि विभिन्न अखबारों, रोजगार समाचार और वेबसाइट्स पर विज्ञापन आने के बावजूद इंडियन नेवी अप्रेंटिसशिप प्रोग्राम के लिए बहुत अधिक आवेदन नहीं आते हैं। कई युवा तो महज इसलिए यहां आवेदन नहीं करते कि शैक्षणिक योग्यता, आयु सीमा, शारीरिक मापदंड आदि को लेकर उनमें भ्रम की स्थिति रहती है। तो चलिए, ऐसे भ्रमों को दूर कर जानते हैं कि नौसेना में अप्रेंटिसशिप के लिए कौन पात्र है।

आयु सीमा – नेवल अप्रेंटिसशिप प्रोग्राम में शामिल होने के लिए उम्मीदवारों को एक निश्चित आयु सीमा की शर्त पर खरा उतरना होता है। इस प्रोग्राम के आधिकारिक नोटिफिकेशन में आयु सीमा संबंधी शर्तें स्पष्ट की जाती हैं। अलग-अलग श्रेणी के आवेदकों के लिए अलग-अलग आयु सीमा निर्धारित है, जोकि इस प्रकार है:

- सामान्य वर्ग: 14 से 21 वर्ष
- अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति: 14 से 26 वर्ष
- भूतपूर्व सैनिकों की संतान: ऊपरी आयु सीमा में 2 वर्ष की छूट

शैक्षणिक योग्यता – भारतीय नौसेना के अप्रेंटिसशिप प्रोग्राम का हिस्सा बनने के लिए यह शैक्षणिक योग्यता जरूरी है:
मैट्रिकुलेशन: उम्मीदवार ने 10वीं की मैट्रिकुलेशन परीक्षा सभी विषयों में कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ पास की हो।
आईटीआई: उम्मीदवार ने संबंधित ट्रेड में कम से कम 65 प्रतिशत अंकों के साथ आईटीआई ट्रेनिंग पूरी कर ली हो।

शारीरिक मापदंड – आयु सीमा तथा शैक्षणिक योग्यता के अलावा नौसेना की अप्रेंटिसशिप के लिए शारीरिक मापदंड भी तय हैं। उम्मीदवार की ऊंचाई 137 सेंटीमीटर और वजन 254 किलो होना चाहिए। यहां बताए गए योग्यता मापदंड बीते वर्षों में आए भारतीय नौसेना के अप्रेंटिसशिप नोटिफिकेशंस पर आधारित हैं। भविष्य में भारतीय नौसेना अपनी जरूरतों के मुताबिक इनमें परिवर्तन भी कर सकती है। इसलिए हर वर्ष आने वाले नोटिफिकेशन को ध्यान से पढ़ लेना बेहतर होगा।

कहां मिलेगी जानकारी

कई युवाओं को इस अप्रेंटिसशिप के बारे में अधिक जानकारी नहीं होती। यदि आप इस अप्रेंटिसशिप में रुचि रखते हैं, तो जानिए कि इसके बारे में नौसेना द्वारा जारी किए जाने वाले आधिकारिक नोटिफिकेशन कहां-कहां प्रकाशित होते हैं। इन नोटिफिकेशंस में योग्यता शर्तों, टेस्ट पैटर्न, आवेदन प्रक्रिया के बारे में जानकारी आदि दी गई होती है।

समाचारपत्र: भारतीय नौसेना के अप्रेंटिसशिप प्रोग्राम के नोटिफिकेशन देश के तमाम प्रमुख समाचार पत्रों में भी प्रकाशित किए जाते हैं। हिंदी व अंगरेजी में प्रकाशित होने वाले इन नोटिफिकेशंस से आप इस प्रोग्राम के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

रोजगार समाचार: सामान्य समाचारपत्रों के अलावा 'रोजगार समाचार' में भी नेवल अप्रेंटिसशिप का नोटिफिकेशन प्रकाशित किया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर 6.2 फीसदी, प्राकृतिक गैस और बिजली उत्पादन बेहतर होने से बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर अप्रैल, 2024 में बढ़कर 6.2 फीसदी पहुंच गई। मार्च में इन उद्योगों की वृद्धि दर 6 फीसदी और अप्रैल, 2023 में 4.6 फीसदी दर्ज की गईथी। शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद और बिजली का उत्पादन बेहतर होने से बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर बढ़ी है।आंकड़ों से पता चलता है कि प्राकृतिक गैस की वृद्धि दर अप्रैल में 8.6 फीसदी रही।एक साल पहले की समान अवधि में यह 6.1 फीसदी रही थी।रिफाइनरी उत्पादों की वृद्धि दर 3.6 फीसदी से बढ़कर 3.9 फीसदी पहुंच गई। इस दौरान बिजली क्षेत्र में उत्पादन की वृद्धि दर बढ़कर 9.4 फीसदी पहुंच गई। एक साल पहले की समान अवधि में क्षेत्र की वृद्धि दर 7.1 फीसदी रही थी।हालांकि, कोयला उद्योग की वृद्धि दर नरम पड़कर 7.5 फीसदी रह गई। एक साल पहले की समान अवधि में यह 9.1 फीसदी थी। इस्पात उद्योग की वृद्धि दर 16.6 फीसदी से घटकर 7.1 फीसदी पर आ गई।सीमेंट उद्योग की वृद्धि दर साल भर पहले के 12.4 फीसदी से घटकर 0.6 फीसदी के स्तर पर आगई। सीमेंट क्षेत्र में उत्पादन की वृद्धि दर भी एक साल पहले के 9 फीसदी से घटकर 0.6 फीसदी रह गई।

नमकीन बनाने वाली कंपनी के शेयर को खरीदने की लूट, आईपीओ इश्यू से डबल हुआ भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। स्नैक्स और स्वीट के लिए मशहूर कंपनी- बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल के शेयरों में शुक्रवार को तूफानी तेजी देखी गई। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को यह शेयर ट्रेडिंग के दौरान करीब 10 फीसदी उछाल के साथ 599 रुपये पर पहुंच गया। कारोबार के अंत में शेयर की कीमत 9.25त्न बढ़कर 594.90 रुपये पर बंद हुई। 30 जनवरी, 2024 को स्टॉक 604.95 रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था। जून 2023 में इस शेयर की कीमत 375.75 रुपये के स्तर तक गई थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का निचला स्तर है। मार्च तिमाही के दौरान बीकाजी की पैकेज्ड मिठाइयों और स्नैक्स की मजबूत मांग के कारण प्रॉफिट में बंपर उछाल देखने को मिली। इसके प्रॉफिट में साल-दर-साल 199 प्रतिशत की वृद्धि हुई और 11.56 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। परिचालन से राजस्व सालाना आधार पर 33 प्रतिशत बढ़कर 614.4 करोड़ रुपये हो गया। एबिटा की बात करें तो 13.4 प्रतिशत से बढ़कर 26.30 प्रतिशत हो गया। कंपनी ने कहा कि मार्च तिमाही में पीएलआई आय 93.05 करोड़ रुपये थी। प्रबंधन को उम्मीद है कि कंपनी को दिसंबर 2024 से पहले सरकार से अनुदान मिल जाएगा।बीकाजी फूड्स का आईपीओ 3 नवंबर 2022 को खुला था। वहीं, 7 नवंबर को बंद हो गया। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 285 से 300 रुपये तक का था। आईपीओ की लिस्टिंग 7 फीसदी प्रीमियम पर हुई। आईपीओ में प्रमोटर्स और इन्वेस्टर्स ने अपनी हिस्सेदारी बेची थी। प्रमुख प्रमोटर में शिव रतन अग्रवाल और दीपक अग्रवाल शामिल हैं, जिन्होंने अपने 25-25 लाख शेयर बेचे।

चॉल से शुरुआत और मुकेश अंबानी को मात... गौतम अडानी बने एशिया के सरताज

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी अब एशिया के सबसे बड़े रईस नहीं रह गए हैं। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी रईसी में उनसे आगे निकल गए हैं। 111 अरब डॉलर पहुंच गई है। इसके साथ ही वह एशिया में पहले और दुनिया में 11वें नंबर पर पहुंच गए हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 26.8 अरब डॉलर की तेजी आई है। कभी चॉल में रहने वाले अडानी ने कमोडिटी ट्रेडिंग बिजनस से कारोबार की दुनिया में कदम रखा था और आज उनका बिजनेस पोर्ट्स, माइन्स, ग्रीन एनर्जी, डिफेंस और रेलवे समेत कई क्षेत्रों में फैला है।

चॉल में रहता था परिवार

गौतम अडानी का जन्म गुजरात के अहमदाबाद में 24 जून 1962 को हुआ था। उनका परिवार अहमदाबाद के पोल इलाके की शेठ चॉल में रहता था। गुजरात यूनिवर्सिटी से बीकॉम की पढ़ाई अधूरी छोड़कर वह मुंबई आ गए। अडानी ने डायमंड सॉर्टर के तौर पर शुरुआत की और कुछ ही साल में मुंबई के झवेरी बाजार में खुद की डायमंड ब्रोकरेज फर्म शुरू कर दी। मुंबई में कुछ साल बिताने के बाद वह अपने भाई की प्लास्टिक फैक्ट्री में काम करने के लिए वापस अहमदाबाद आ गए। उन्होंने पीवीसी का इम्पोर्ट शुरू करने का फैसला किया और ग्लोबल ट्रेडिंग में एंट्री की। प्लास्टिक बनाने में पीवीसी का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होता है।

अडानी ग्रुप की शुरुआत

साल 1988 में अडानी ने कमोडिटीज के आयात-निर्यात के लिए अडानी एंटरप्राइजेज की स्थापना की। 1991 में हुए आर्थिक सुधारों की बदौलत अडानी का बिजनस जल्द ही डायवर्सिफाई हुआ और वह एक मल्टीनेशनल बिजनेसमैन बन गए। 1994 में कंपनी को मुंद्रा पोर्ट पर अपने कार्गो को हैंडल करने के लिए हार्बर फैसिलिटी बनाने की अनुमति मिली। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। गौतम अडानी ने अपने कारोबार में डायवर्सिफिकेशन को जारी रखा और 1996 में अडानी पावर लिमिटेड अस्तित्व में आई। 10 साल बाद कंपनी पावर जनरेशन बिजनस में भी उतरी।

रियल्टी एंड इन्फ्रा

इस समय गौतम अडानी का कारोबार कई क्षेत्रों में फैला हुआ है। ग्रुप की दस लिस्टेड कंपनियां हैं। अडानी ग्रुप कोल माइनिंग के क्षेत्र में सबसे बड़ा कॉन्टैक्ट माइनर हैं। साथ ही उनका ग्रुप निजी क्षेत्र का देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट ऑपरेटर, पावर जेनरेटर और सिटी गैस रिटेलर है। उनके पास देश का सबसे एफिशिएंट कोल बेस्ड पावर प्लांट है। मुंद्रा पोर्ट के जरिए पोर्ट सेक्टर में अपनी दमदार उपस्थिति तो दर्ज करा ही दी है। साथ ही उनका लक्ष्य देश की सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी बनने पर भी है। उन्होंने दो सीमेंट कंपनियों अंबूजा सीमेंट और एसीसी को खरीदा है। साथ ही रियल्टी और इन्फ्रा में भी ग्रुप के महत्वाकांक्षी लक्ष्य हैं।

भारत की जीडीपी इस साल 6.8% की दर से बढ़ने का अनुमान: मूडीज

नई दिल्ली, एजेंसी। मूडीज रेटिंग्स ने मजबूत आर्थिक वृद्धि और चुनाव के बाद नीतिगत निरंतरता रहने की उम्मीद पर भारत की वृद्धि दर 2024 में 6.8 प्रतिशत और 2025 में 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। भारत की वास्तविक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वर्ष 2023 में 7.7 प्रतिशत बढ़ी थी, जबकि 2022 में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर थी। सरकार के सशक्त पूंजीगत व्यय और मजबूत विनिर्माण गतिविधियों के दम पर यह संभव हो पाया। मूडीज ने 'वैश्विक व्यापक-आर्थिक परिदृश्य 2024-25 में कहा, ''हमारा मानना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था को

आसानी से छह-सात प्रतिशत की दर से बढ़ना चाहिए। हम इस साल करीब 6.8 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान लगाते हैं। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद नीति निरंतरता होने के साथ मजबूत, व्यापक-आधारित वृद्धि को बनाए रखा जा सकेगा। मूडीज ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट में 11.1 लाख करोड़ रुपये यानी जीडीपी का 3.4 प्रतिशत पूंजीगत व्यय आवंटन का लक्ष्य रखा गया है, जो 2023-24 के अनुमान से 16.9 प्रतिशत अधिक है। एजेंसी ने कहा, ''हम आम चुनाव के बाद नीतिगत निरंतरता और बुनियादी ढांचे के वृद्धि पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने की उम्मीद करते हैं। मूडीज रेटिंग्स ने कहा कि आपूर्ति श्रृंखला के विविधीकरण तथा लक्षित विनिर्माण उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए सरकार की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के साथ निजी औद्योगिक पूंजीगत व्यय में भी तेजी आने की संभावना है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, खाद्य मूल्य के छिटपुट दबाव मुद्रास्फीति परिदृश्य में अस्थिरता बनाए रखते हैं, लेकिन अप्रैल में कुल और मुख्य मुद्रास्फीति क्रमशः 4.8 प्रतिशत तथा 3.2 प्रतिशत तक कम हुई। यह 2022 में क्रमश- 7.8 प्रतिशत और 7.1 प्रतिशत के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी।

1 शेयर पर 3 बोनस शेयर दे रही है कंपनी, रिकॉर्ड डेट का हुआ ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। बोनस शेयर बांटने वाली कंपनियों पर दांव लगाने वाले निवेशकों के लिए गुड न्यूज है। रेमेडियम लाइफकेयर लिमिटेड ने बोनस शेयर बांटने का फैसला किया है। कंपनी ने बोनस शेयर के लिए रिकॉर्ड डेट का ऐलान कर दिया है। बता दें, स्टॉक की कीमत 100 रुपये से कम है।

कंपनी ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा है कि 1 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 3 शेयर बोनस के तौर पर देने का फैसला किया है। कंपनी ने इस बोनस इश्यू के लिए 6 जुलाई 2024, शनिवार की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी इस दिन जिन निवेशकों का नाम कंपनी के रिकॉर्ड बुक में रहेगा उन्हें ही बोनस शेयर का लाभ मिलेगा।

कंपनी पहली बार 28 जुलाई 2023 को एक्स-बोनस स्टॉक के तौर पर ट्रेड किया था। तब कंपनी ने 5 शेयरों पर 9 शेयर बोनस दिया था। इस स्टॉक को 2 बार बंटवारा भी हो गया है। 1 सितंबर 2023 को स्टॉक एक्स-स्प्लिट ट्रेड किया था। तब कंपनी के शेयरों को 2 हिस्सों में बांटा गया था। जिसके बाद फेस वैल्यू 10 रुपये से घटकर 5 रुपये हो गई थी। इसी साल 23 फरवरी को स्टॉक एक्स-स्प्लिट ट्रेड किया था। तब कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू 5 रुपये से घटकर 1 रुपये प्रति शेयर हो गया है। शुक्रवार को कंपनी के शेयरों भाव 0.51 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77.30 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। पिछले एक साल के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 9.9 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। हालांकि, बीते 1 महीने में इस स्टॉक का भाव 24 प्रतिशत तक गिर चुका है। कंपनी का 52 वीक हाई 179.66 रुपये और 52 वीक लो लेवल 66.83 रुपये प्रति शेयर है। कंपनी का मार्केट कैप 779.18 करोड़ रुपये का है।

195 तक जाएगा टाटा स्टील का शेयर! तिमाही नतीजे के बाद रॉकेट बना भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी- टाटा स्टील के शेयर में शुक्रवार को एक बार फिर तेजी देखी गई। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यह शेयर करीब 2 फीसदी चढ़कर 167.15 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। 27 मई 2024 को यह शेयर 178 रुपये के स्तर तक गया था। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। एक जून 2023 को यह शेयर 105.80 रुपये पर था। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है।

ब्रोकरेज जेएम फाइनेंशियल ने टाटा स्टील के शेयर को खरीदने की सलाह दी है। ब्रोकरेज का अनुमान है कि शेयर 180 रुपये तक जा सकता है। इसी तरह, टाटा स्टील के शेयर के लिए ब्रोकरेज जेफरीज ने 195 का टारगेट प्राइस तय किया है।

मार्च, 2024 की तिमाही में टाटा स्टील का प्रॉफिट 64.59 प्रतिशत घटकर 554.56 करोड़ रुपये रह गया है। एक साल पहले समान अवधि में कंपनी ने 1,566.24 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी की कुल आय 63,131.08 करोड़ रुपये से घटकर 58,863.22 करोड़ रुपये रह गई। कंपनी का खर्च एक साल पहले के 59,918.15 करोड़ रुपये के मुकाबले 56,496.88 करोड़ रुपये रहा। टाटा स्टील के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2023-2024 के लिए 3.60 रुपये डिविडेंड देने की सिफारिश की है। टाटा स्टील के ब्रिटेन कारोबार को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। ब्रिटेन के स्टीलवर्कर्स यूनियन ने छंटनी के विरोध में टाटा स्टील के पोर्ट टैलबोट और न्यूपोर्ट ललनवर्न में स्थित प्लांट्स में 1,500 कर्मचारियों की औद्योगिक कार्रवाई जारी रखने की घोषणा की है। टाटा स्टील ने अपनी पुरानी ब्लास्ट फर्नेस को बंद करने के कारण कर्मचारियों की छंटनी की है, जिसके विरोध में उक्त कार्रवाई की जाएगी। औद्योगिक कार्रवाई का अर्थ कर्मचारियों के असंतोष का अस्थायी प्रदर्शन है। इसमें हड़ताल या काम में कमी शामिल है।

बता दें कि टाटा स्टील ने अप्रैल में वेल्स स्थित अपने पोर्ट टैलबोट स्टीलवर्क्स में अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस को अपनाने के लिए 1.25 अरब पाउंड का निवेश करने और दो पुराने ब्लास्ट फर्नेस को बंद करने का फैसला किया था।

6 हफ्ते में 9 पेनी स्टॉक्स ने किया मालामाल, आम चुनावों में निवेशकों को मिला ताबड़तोड़ रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। 9 पेनी स्टॉक्स ने शानदार रिटर्न दिया है। 31 कंपनियों के शेयरों का भाव 50 प्रतिशत चढ़ चुका है। बता दें, 19 अप्रैल को पहले चरण का मतदान हुआ था।

252 प्रतिशत चढ़ा ये शेयर

1- हेल्थी लाइफ एग्रीटेक लिमिटेड के शेयरों का भाव इन चुनावों के दौरान 4.90 रुपये से बढ़कर 17.28 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। यानी इस दौरान पोजीशनल निवेशकों को 252 प्रतिशत का लाभ मिला है। एक्सचेंज की तरफ इसी महीने कीमतों में तेजी की वजह पूछा गया था। तब कंपनी ने कहा था कि कोई भी ऐसी जानकारी छुपाई नहीं जा रही है जिसकी वजह से किमतों में तेजी आ रही है।

1 जून से बदल गए हैं डीएल सहित ये नियम, एसबीआई ग्राहकों के लिए बड़ा अपडेट

2- जोधपुर की कंपनी सनसिटी सिंथेटिक्स के शेयरों का भाव चुनाव शुरू होने के दिन 7.58 रुपये के करीब था। जबकि अब इस कंपनी का भाव 25.17 रुपये के लेवल पर पहुंच गया है। यानी इस दौरान कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 232 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

3- फ्रेंकलिन इंडस्ट्रीज के पोजीशनल निवेशकों को भी इस हफ्ते में 160 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। कंपनी का राइट्स इश्यू ओपन है। इस राइट्स इश्यू के लिए 13 मई की तारीख को रिकॉर्ड डेट था। बता दें, कंपनी का इश्यू 24 मई से 11 जून तक खुला रहेगा।

4- ज्योति इंफ्रावेंचर्स लिमिटेड - 19 अप्रैल से अबतक कंपनी के शेयरों की कीमतों में 147 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। हालांकि, मार्च क्वार्टर में कंपनी को 1.87 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था।

5- मर्करी ट्रेड लिंक्स लिमिटेड, रतनइंडिया पॉवर लिमिटेड, कोठारी इंडस्ट्रीयर कॉरपोरेशन लिमिटेड, आईस्ट्रीट नेटवर्क लिमिटेड और रोलाटेनर्स लिमिटेड के शेयरों का भाव 100 प्रतिशत से 146 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है।

वन 97 कम्युनिकेशन के शेयरों में लगातार तीसरे दिन अपर सर्किट

नई दिल्ली, एजेंसी। पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशन के शेयरों में आज 5 प्रतिशत का अपर सर्किट लगा है। आज लगातार तीसरे दिन कंपनी पेटीएम के शेयरों में अपर सर्किट लगा है। कंपनी के शेयरों में तेजी के पीछे की वजह ब्लॉक डील बना है। कंपनी के 75.20 लाख शेयरों की खरीद बिक्री हुई है। जोकि पेटीएम के 1.2 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है।

बीएसई में कंपनी के शेयर 386 रुपये के लेवल पर ओपन हुए थे। लेकिन कुछ देर के बाद कंपनी के शेयरों में 5 प्रतिशत की उछाल के साथ 396.35 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। हालांकि, कुछ देर के बाद कंपनी के शेयरों का भाव 1 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ 384.15 रुपये के लेवल पर ट्रेड कर रहा था। यह ब्लॉक डील 391 रुपये प्रति शेयर के हिसाब हुई है। यानी कुल 296.30 करोड़ रुपये की खरीद बिक्री हुई है। ब्लॉक डील का प्राइस गुरुवार की क्लोजिंग 377.40 रुपये से 3.6 प्रतिशत अधिक है। पिछले एक हफ्ते के दौरान पेटीएम के शेयरों की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। इस बात की चर्चा जोरों पर है कि गौतम अडानी वन97 कम्युनिकेशन में हिस्सेदारी खरीद सकते हैं। हालांकि, इन चर्चाओं को पेटीएम ने खारिज कर दिया था। कंपनी ने कहा है कि अगर ऐसी कोई भी डील होती है तो सेबी को इसकी जानकारी साझा की जाएगी।

जेपी इन्फ्रा के 20,000 होमबायर्स का जल्द पूरा हो सकता है 20 साल पुराना सपना

नई दिल्ली, एजेंसी। कई साल से अपने घर का सपना देख रहे जेपी इन्फ्राटेक के हजारों होमबायर्स के लिए अच्छी खबर है। मुंबई का सुरक्षा ग्रुप अगले सप्ताह एक बैठक के बाद कर्ज में डूबी इस कंपनी का अधिग्रहण कर सकता है। जेपी इन्फ्राटेक लिमिटेड के लिए सुरक्षा ग्रुप की समाधान योजना को पिछले हफ्ते एनसीएलएटी ने मंजूरी दे दी थी। इससे जेपी इन्फ्राटेक की नोएडा के विश टाउन और अन्य स्थानों पर रुके प्रोजेक्ट्स पर फिर से निर्माण कार्य शुरू हो सकता है। इससे 15-20 साल पहले जेपी इन्फ्रा के प्रोजेक्ट में निवेश करने वाले 20,000 खरीदारों की फ्लैट पाने की उम्मीदें फिर से जगी है।

अब तक जेपी इन्फ्राटेक के दैनिक कामकाज का प्रबंधन एक कार्यान्वयन और निगरानी समिति कर रही है। एनसीएलटी द्वारा गठित इस समिति में सुरक्षा, जेआईएल, घर खरीदने वाले और एक आईआरपी के अधिकारी शामिल हैं। यमुना एक्सप्रेसवे अथॉरिटी के सीईओ अरुण वीर सिंह ने कहा कि सुरक्षा ग्रुप ने हमें औपचारिक रूप से यह जानकारी दी है कि वह जेपी इन्फ्राटेक को टेक ओवर करने की सूचना दी है। निगरानी कमेटी की बैठक मंगलवार को होनी है। अधिग्रहण के बारे में घोषणा जल्द ही की जाएगी। इससे रुकी हुई परियोजनाओं पर निर्माण शुरू करने का रास्ता साफ हो जाएगा। यमुना एक्सप्रेसवे अथॉरिटी के पास उस जमीन का प्रशासनिक नियंत्रण है जिस पर जेपी के कुछ प्रोजेक्ट हैं।

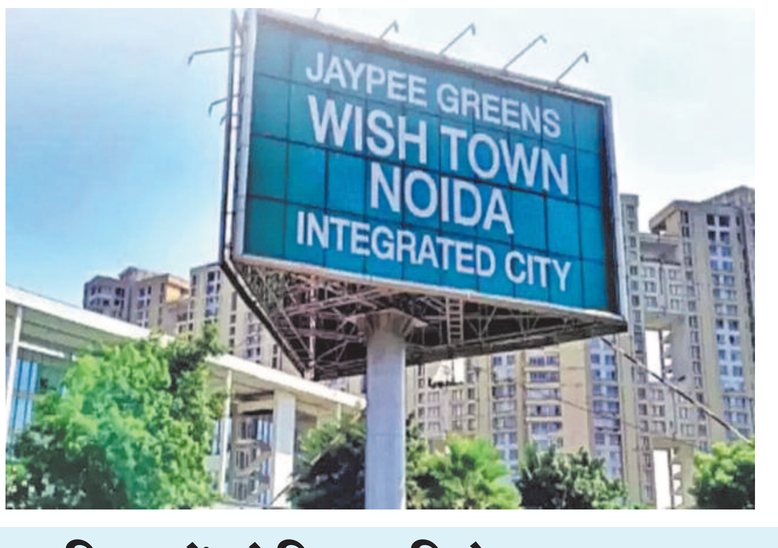

किसानों को कितना मिलेगा मुआवजा

उन्होंने कहा कि सुरक्षा कंपनी के अधिकारी शुक्रवार को हमारे साथ एक और बैठक करेंगे, जिसमें इस बात पर चर्चा की जाएगी कि वे किसानों को मुआवजा कैसे और कब देने की योजना बना रहे हैं। कंपनी से पैसे मिलने के बाद हम ग्रामीणों के बीच राशि का वितरण शुरू कर देंगे। 24 मई को समाधान योजना को मंजूरी देते हुए एनसीएलएटी ने सुरक्षा को किसानों के मुआवजे के रूप में अगले चार साल में में यमुना अथॉरिटी को 1,335 करोड़ रुपये का भुगतान करने को कहा था। सुरक्षा ने अप्रैल में इस बारे में समाधान योजना एनसीएलटी को दी थी। इसके मुताबिक किसानों के लिए बढ़े हुए मुआवजे के रूप में 1,216 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाएगा। कंपनी ने 90 दिनों में राशि का 10त्न, पहले वर्ष के अंत तक 15त्न और अगले तीन वर्षों के लिए सालाना 25त्न भुगतान करने का प्रस्ताव रखा है। हालांकि, ह्रष्टरुञ्ज ने कंपनी को अन्य सिक्योर्ड क्रेडिटर्स को किए गए भुगतानों के मुताबिक 118.3 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भुगतान करने को कहा। यमुना अथॉरिटी ने किसानों के मुआवजे के लिए सुरक्षा ग्रुप से 1,689 करोड़ रुपये की मांग की थी। घाटे की भरपाई अथॉरिटी अपने खजाने से करेगी। सिंह ने कहा कि इस पर निर्णय अगली बोर्ड बैठक में लिया जाएगा।

सोने की कीमतों में आया उछाल, चांदी भी हुई महंगी

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने की कीमतों में आज जहां तेजी देखी गई है। वहीं चांदी के भाव बढ़े हैं। एमसीएक्स एक्सचेंज पर आज चांदी की कीमतों में सुबह से उछाल देखा गया है। चांदी के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। चांदी ने तेजी के मामले में सोने को पीछे छोड़ दिया है।

क्या हैं गोल्ड के भाव

एमसीएक्स एक्सचेंज पर आज यानी शुक्रवार को 5 अगस्त 2024 की डिलीवरी वाला सोना तेजी के साथ 72,295 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंच गया है। सोने में सुबह से तेजी देखी जा रही है। सोना आज सुबह तेजी के साथ खुला था। वहीं 5 जून 2024 की डिलीवरी वाला सोना उछलकर 72,115 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार पहुंच गया है।

एमसीएक्स एक्सचेंज पर आज यानी शुक्रवार को 5 जुलाई 2024 की डिलीवरी वाली चांदी आज 94,005 रुपये प्रति

किलोग्राम पर ट्रेड पहुंच गई है। वहीं 5 सितंबर 2024 को डिलीवरी वाली चांदी लुढ़कर 95,837 रुपये के स्तर पर पहुंच गई है। वहीं 5 दिसंबर 2024 को डिलीवरी वाली चांदी आज 97,722 रुपये पर पहुंच गई है।

सोने के वैश्विक भाव

सोने की वैश्विक कीमतों में आज तेजी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोने का वैश्विक वायदा भाव 0.35 फीसदी या 8.30 डॉलर की तेजी के साथ 2,374.80 डॉलर प्रति औंस पर हैं। वहीं, सोने का वैश्विक हाजिर भाव 2,353.25 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच चुके हैं। चांदी के वैश्विक भाव में आज तेजी आई है। कॉमेक्स पर चांदी का वायदा भाव 0.27 फीसदी या 0.09 डॉलर की तेजी के साथ 31.62 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गए हैं। वहीं, चांदी का वैश्विक हाजिर भाव 31.41 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया है। सोने और चांदी की कीमतों में इस सप्ताह की शुरुआत में तेजी देखने को मिली थी। हालांकि पिछले सप्ताह सोने-चांदी में गिरावट आई थी। इस सप्ताह की शुरुआत में पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को तेजी आई थी। सोने के भाव बढ़कर अब 72 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के ऊपर पहुंच गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

जल शक्ति मंत्रालय ने मास कम्युनिकेशन इंटर्नशिप कार्यक्रम की घोषणा की

नई दिल्ली , एजेंसी। जल शक्ति मंत्रालय के अंतर्गत जल संसाधन, नदी विकास और गंगा कायाकल्प विभाग (डीडब्ल्यूआर,आरडी,जीआर) ने मास कम्युनिकेशन इंटर्नशिप प्रोग्राम की घोषणा की है। यह प्रोग्राम स्नातक/स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों या भारत में जनसंचार के क्षेत्र में मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान में नामांकित रिसर्च स्कॉलर विद्यार्थियों को इंटर्न के रूप में शामिल करना चाहता है। इंटर्नशिप कार्यक्रम चयनित उम्मीदवारों को मीडिया/सोशल मीडिया गतिविधियों से संबंधित विभाग के काम से जुड़ने के लिए अल्पकालिक अनुभव प्रदान करता है। जिन विद्यार्थियों ने मास कम्युनिकेशन या जर्नलिज्म या संबंधित क्षेत्रों में स्नातक की पढ़ाई पूरी कर ली है या जो विद्यार्थी किसी मान्यता प्राप्त कॉलेज/विश्वविद्यालय से उपरोक्त क्षेत्रों में पीजी या डिप्लोमा (मास कम्युनिकेशन या संबंधित क्षेत्र में स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के अधीन) कर रहे हैं, वे दिशानिर्देशों में उल्लिखित शर्तों के अधीन पात्र हैं। इंटर्नशिप की अवधि छह से नौ महीने की होगी। इंटर्नशिप कार्यक्रम के सफलतापूर्वक पूरा होने पर चयनित उम्मीदवारों को 15,000 रुपये प्रति माह का मानदेय और इंटर्नशिप का प्रमाण पत्र दिया जाएगा। आवेदन करने की अंतिम तिथि 29 जून, 2024 है।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर संदिग्ध वस्तु मिलने से मचा हड़कंप

नई दिल्ली , एजेंसी। देश की राजधानी दिल्ली के नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार शाम को अचानक हड़कंप मच गया। पुलिस उपायुक्त रेलवे ने बताया कि रेलवे स्टेशन पर संदिग्ध वस्तु मिलने से अफरा तफरी मच गई, बताया जा रहा है की कूड़े के ढेर में कुछ संदिग्ध वस्तुएं मिलीं। बम निरोधक दस्ता से इसकी जांच कराई गई। हालाँकि इसमें कोई विस्फोटक नहीं मिला है। नई दिल्ली स्टेशन पर जो मिला है वो आर्मी की ट्रेनिंग में इस्तेमाल होने वाला ग्रेनेड वॉल है। इसमें पटाखे का बारूद डालकर इसे ट्रेनिंग में इस्तेमाल किया जाता है। इसमें कोई विस्फोटक नहीं है, जिससे जान-माल का कोई नुकसान नहीं होता है। घटनास्थल पर पुलिस जांच में जुटी है।

गुरुग्राम के होटल में चल रहा था सेक्स बाजार, छापे में पकड़ी गईं विदेशी लड़कियां; 4 गिरफ्तार

नई दिल्ली , एजेंसी। गुरुग्राम पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। यहां एक गेस्ट हाउस में चल रहे सेक्स रैकेट का पर्दाफाश किया गया है। पुलिस ने बताया कि गुरुवार को इस मामले में गेस्ट हाउस संचालक और मैनेजर समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली थी कि गुरुग्राम के मुस्कान होटल एंड गेस्ट हाउस में सेक्स रैकेट चलाया जा रहा है। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस ने छापा मारा और चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि, बाद में चारों आरोपियों को जमानत पर छोड़ दिया गया है। गुरुग्राम पुलिस को सूचना मिली थी कि होटल में सेक्स रैकेट चलाया जा रहा है। इसके बाद पुलिस ने एक टीम बनाई और नकली ग्राहक बनकर एक पुलिस वाला अंदर गया। यहां उसे लड़कियों के रेट बताए गए, जिसमें एक कस्टमर से 500 से 700 रुपए लिए जा रहे थे। जब पुलिस टीम का सदस्य अंदर पहुंचा तो एक लड़की अंदर इंतजार कर रही थी। इस दौरान नकली ग्राहक बनकर पहुंचे पुलिस टीम के सदस्य ने बाहर खड़ी पुलिस को अंदर बुला लिया औ सेक्स रैकेट का भांडाफोड़ कर दिया। इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार चार लोगों में गेस्ट हाउस संचालक सोनू, मैनेजर कुमार के साथ दो अन्य साथी दिग्विजय और संतोष का नाम शामिल है।

टाइप 2 डायबिटीज के मरीज हुए स्वस्थ, चीन के वैज्ञानिकों ने खोजा इलाज

मरीज की ग्यारह सप्ताह में बाहरी इंसुलिन पर निर्भरता होगी खत्म

नई दिल्ली , एजेंसी। चीन के डॉक्टरों और शोधकर्ताओं की टीम की ने टाइप 2 डायबिटीज के साथ जी रहे मरीज को बिलकुल स्वस्थ कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक मरीज की उम्र 59 वर्ष है, जो 25 सालों से टाइप 2 डायबिटीज के साथ जी रहा था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शंघाई चांगझेंग हॉस्पिटल, चाइनीज एकेडमी ऑफ साइंसेज के तहत सेंटर फॉर एक्सीलेंस इन मॉलिक्यूलर सेल साइंस और शंघाई स्थित रेनजी हॉस्पिटल के डॉक्टरों और शोधकर्ताओं की एक टीम की ने ये

सफलता हासिल की है। रिपोर्ट के मुताबिक अब मरीज की ग्यारह सप्ताह में बाहरी इंसुलिन पर निर्भरता खत्म हो गई है। मरीज ने धीरे-धीरे शुगर लेवल को कंट्रोल करने के लिए दवाइयां लेना पूरी तरह बंद कर दिया है। शोध के प्रमुख रिसर्चर, यिन के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि टैस्ट से पता चला है कि मरीज का पेनक्रियाटिक आइलेट फंक्शन पहले की तरह काम कर रहा है। मरीज 33 महीने से इंसुलिन से मुक्त हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह डायबिटीज के लिए सेल थेरेपी के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण प्रगति है।नई थेरेपी में मरीज की पेरीफेरल ब्लड मोनोन्यूक्लियर सेल की प्रोग्रामिंग शामिल है। शरीर की इन सेल्स को सीड सेल्स में बदल दिया गया। इसी के साथ आर्टिफिशियल वातावरण में पेनक्रियाटिक आइलेट टिश्यू को फिर से बनाया गया। एससीएमपी रिपोर्ट के मुताबिक, इस नए प्रयोग में शरीर की रिजेनरेटिव कैपेसिटी का यूज किया जाता है। इसे एक रीजेनरेटिव मेडिसिन के तौर पर जाना जाता है। किडनी ट्रांसप्लांट हुआ था, लेकिन उनके अधिकांश पैंक्रियाटिक आईलेट ने काम करना बंद कर दिया था। पैंक्रियाज का काम ब्लड ग्लूकोज लेवल को कंट्रोल करने का होता है इस वजह से मरीज को हर दिन कई इंसुलिन इंजेक्शन पर निर्भर होना पड़ा था। मरीज को जुलाई 2021 में इनोवेटिव सेल ट्रांसप्लांट किया गया। ट्रांसप्लांट के ग्यारह हफ्ते बाद उन्हें बाहरी इंसुलिन की जरूरत नहीं पड़ी। ब्लड ग्लूकोज लेवल को कंट्रोल करने के लिए मौखिक दवा की खुराक धीरे-धीरे कम कर दी गई और एक साल बाद इसे पूरी तरह से बंद कर दिया गया। ट्रांसप्लांट के बाद मरीज से फॉलो अप लिया गया, जिससे पता चला कि मरीज का पैंक्रियाटिक आइलेट फंक्शन प्रभावी ढंग से बहाल हो गया था। मरीज को अब 33 महीनों के लिए इंसुलिन से पूरी तरह छुटकारा मिल गया है। रिसर्चर्स की टीम का कहना है कि इस अध्ययन से डायबिटीज के लिए सेल थेरेपी के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण प्रगति होगी।

पैर में लगी चोट देख डॉक्टर्स बोले मामूली चोट है; दो दिन बाद हो गई मौत

नई दिल्ली , एजेंसी। एक युवक को कार ने टक्कर मार दी, जिसके बाद उसे एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां के डॉक्टर्स ने उसके पैर की चोट को साधारण बताते हुए उसे छुट्टी दे दी। हालांकि अगले दिन उसके पैर में फिर दर्द होने लगा, जिसके बाद उसे एक अन्य निजी अस्पताल ले जाया गया, यहां भी डॉक्टर्स ने जांच के बाद चोट को सामान्य बताया। लेकिन दो दिन बाद ही अचानक युवक की मौत हो गई। जिसके बाद अब पुलिस ने युवक को टक्कर मारने वाले अज्ञात कार चालक के साथ ही लापरवाही बरतने वाले अस्पताल के मालिक और अन्य स्टाफ के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है। यह पूरा मामला ग्रेटर नोएडा के एक निजी अस्पताल का है, जहां 21 साल के एक युवक की मौत के बाद अस्पताल के मालिक, डॉक्टर व स्टाफ के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज किया गया है। यह युवक सड़क हादसे के दौरान पैर में लगी चोट के बाद इलाज कराने के लिए यहां पहुंचा था, लेकिन उसकी मौत हो गई। पुलिस ने 25 मई को हुई इस दुर्घटना में शामिल कार के अज्ञात चालक के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है।

गर्मियों में करें तोरई, लौकी और टिंडा जैसी सब्जियों का सेवन

इन्हें खाने से शरीर में नहीं होगी पानी की कमी

नई दिल्ली , एजेंसी। गर्मियों में हेल्दी डाइट बेहद जरूरी होती है, क्योंकि इस मौसम में हेल्दी रहना काफी चैलेंजिंग होता है। गर्मी की वजह से डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। हालांकि कुछ सब्जियों में ऐसे गुण होते हैं, जो आपको गर्मियों में ठंडक महसूस करा सकते हैं और जरूरी पोषक तत्व प्रदान कर सकते हैं।

विशेषज्ञ की मानें तो इस वक्त हीटवेव का दौर चल रहा है और लोगों को खान-पान का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इस मौसम में फल और सब्जियों का सेवन ज्यादा से ज्यादा करना चाहिए। इससे शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिल जाएंगे और बीमारियों का खतरा कम हो जाएगा। तोरई, लौकी और टिंडा जैसी सब्जियां पानी से भरपूर होती हैं और गर्मियों में इन्हें खाने से पानी की कमी नहीं होती है। ये सब्जियां पाचन तंत्र को मजबूत कर सकती हैं और शरीर के कूलिंग सिस्टम को बेहतर बनाए रख सकती हैं।लौकी, तोरई और टिंडा में कैलोरी की मात्रा बेहद कम होती है और पानी भरपूर होता है। इनमें विटामिन और मिनरल्स का भंडार होता है। गर्मियों में इनका सेवन करने से आपको वजन कम करने में मदद मिलती है और मोटापे से राहत मिल सकती है। ये सब्जियां पानी से भरपूर होने के कारण शरीर के हाइड्रेशन को दुरुस्त करने में कारगर साबित हो सकती हैं। अगर आप पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पी रहे हैं, तो वाटर रिच फूड्स का ज्यादा से ज्यादा सेवन करें।

इससे इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस भी बना रहेगा। लौकी, तोरई और टिंडा में फाइबर की अच्छी मात्रा होती है, जिसकी वजह से इसे पाचन तंत्र के लिए भी बढ़िया माना जाता है। कब्ज की समस्या से परेशान लोगों को भरपूर मात्रा में ये सब्जियां खानी चाहिए। इससे पेट साफ रखने में मदद मिल सकेगी। बता दें कि अधिकतर जगहों पर इस वक्त तापमान 45 डिग्री को पार कर गया है और लोग गर्मी से झुलस रहे हैं। इस मौसम में लोगों को पानी के अलावा कुछ अच्छा ही नहीं लग रहा है। गर्मी इतनी ज्यादा है कि कुछ खाने का भी मन नहीं करता है।

नया नोएडा पर एक और बड़ा अपडेट, 5 फेज में बसाया जाएगा सुंदर शहर

मास्टर प्लान को मंजूरी जल्द

नई दिल्ली , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर के दादरी और बुलंदशहर के गांवों की जमीन पर बसने वाले नए नोएडा के मास्टर प्लान को अगले दो-तीन महीने में मंजूरी मिलने की उम्मीद है। चुनाव आचार संहिता समाप्त होते ही नोएडा प्राधिकरण मंजूरी के लिए प्रयास तेज कर देगा। करीब पांच महीने पहले प्राधिकरण ने मास्टर प्लान मंजूरी के लिए शासन को भेजा था।

दिसंबर 2023 में हुई 213वीं बोर्ड बैठक में नोएडा प्राधिकरण ने नए नोएडा के मास्टर प्लान 2041 को मंजूरी दी थी। शासन के रिकॉर्ड में इसको दादरी-नोएडा-गाजियाबाद से जोड़ते हुए विशेष निवेश क्षेत्र-डीएनजीआईआर-का नाम दिया गया है। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि नया नोएडा करीब 20 हजार हेक्टेयर में बसाया जाएगा।

अधिकारियों ने बताया कि नया नोएडा खासतौर से औद्योगिक क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए बसाया जाएगा। ऐसे में यहां पर सबसे ज्यादा एरिया औद्योगिक क्षेत्र के लिए 41 प्रतिशत चिन्हित किय गया है। अधिकारियों ने बताया कि 41 प्रतिशत औद्योगिक संपत्ति के अलावा 11.5 प्रतिशत आवासीय, 17 प्रतिशत हरियाली और रिएक्शनल, 15.5 प्रतिशत में सड़क, 9 प्रतिशत संस्थागत और 4.5 प्रतिशत

स्थान व्यावसायिक संपत्ति के लिए प्रयोग के लिए चिन्हित किया गया है। नए नोएडा में कर्मचारियों के लिए आवास की भी सुविधा होगी।

माना जा रहा है कि इस शहर की कुल आबादी छह लाख में माइग्रेंट यानी प्रावासी की संख्या 3.5 लाख की होगी। जिनके लिए ईडब्ल्यूएस, एलआईजी , एमआईजी और एचआईजी प्रकार की यूनिट बनाई जाएंगी। इसके अलावा कुल आवासीय एरिया 2 हजार हेक्टेयर से ज्यादा होगा। यह औद्योगिक नगरी के साथ-साथ शिक्षा की नगरी से भी जाना जाएगा। शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए पर्याप्त संख्या में उच्च शिक्षा के लिए कॉलेज खोले जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि पांच फेज में नया नोएडा विकसित किया जाएगा। पहला फेज-2024 में 10 प्रतिशत जमीन अधिग्रहण से शुरू होगा तब 2028 तक 537.09 हेक्टेयर जमीन पर प्लानिंग धरातल पर आ जाएगी। इसी तरह दूसरा फेज-2028, तीसरा फेज -2032 तो चौथा फेज-2036 और पांचवा फेज-2041 से शुरू कर 2047 तक पूरा करना होगा। वहीं कनेक्टिविटी में जेवर एयरपोर्ट के साथ रेलवे कनेक्टिविटी भी देने की तैयारी है। इसी तरह पानी सप्लाई के साथ ग्रीन एनर्जी बेस्ड डिवेलपमेंट की प्लानिंग न्यू नोएडा के लिए हुई है।

इमरान को अब मुख्य न्यायाधीश से दिक्कत, पीटीआई बोली-पूर्व पीएम से जुड़े मामलों की सुनवाई से खुद को करें अलग

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने मुख्य न्यायाधीश को पूर्व पीएम इमरान खान से जुड़े मामलों की सुनवाई से अलग होने के लिए कहा है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने औपचारिक रूप से पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश (सीजेपी) काजी फैज ईसा से पार्टी और उसके संस्थापक इमरान खान से संबंधित मामलों को देखने वाली पीठ से खुद को अलग करने का अनुरोध किया है। एआरवाई न्यूज ने ये जानकारी दी है।

सीजेपी काजी फैज ईसा को पीटीआई और इमरान खान से जुड़े मामलों से अलग हटने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। टीआई कोर कमेटी की बैठक के बाद ये बयान सामने आया है।

पीटीआई ने आपत्ति जताते हुए दावा किया कि उनके मामलों में मुख्य न्यायाधीश की भागीदारी कानूनी कार्यवाही की निष्पक्षता पर प्रभाव डाल सकती है। यह मांग तब उठी है जब सुप्रीम कोर्ट सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) की आरक्षित सीटों के मामले को संबोधित करने के लिए 3 जून को बैठक बुलाने की तैयारी कर रहा है, जिसमें मुख्य न्यायाधीश काजी फैज ईसा पीठ की अध्यक्षता करेंगे। हाल ही में एक

सेशन के दौरान,न्यायमूर्ति मंसूर अली शाह की अध्यक्षता और न्यायमूर्ति मुहम्मद अली मजहर और न्यायमूर्ति अतहर मिनल्लाह सहित तीन सदस्यीय पीठ ने अन्य राजनीतिक दलों के आरक्षित सीटों के बंटवारे के संबंध में एक फैसले को निलंबित कर दिया। न्यायमूर्ति मंसूर अली शाह ने ऐलान किया कि मामले को सुनवाई के लिए निर्धारित किया गया है,और कहा, हम ईसीपी और पीएचसी के फैसले को निलंबित कर रहे हैं।

इमरान खान को दो मामलों में कर दिया था बरी

जानकारी के लिए बता दें कि इमरान खान राष्ट्रीय जवाबदेही अध्यादेश 1999 में संशोधन के संबंध में सीजेपी ईसा के नेतृत्व वाली सुप्रीम कोर्ट की पीठ के समक्ष मौजूद हुए। ये बात इमरान खान को मुख्य न्यायाधीश से अलग करने वाले बयान से पहले की है। इमरान खान को 25 मई, 2022 को आयोजित आजादी मार्च से संबंधित दो मामलों में भी बरी कर दिया गया था।

पीटीआई के संस्थापक अध्यक्ष कई मामलों का सामना कर रहे हैं,जिनमें पूरे पाकिस्तान में 9 मई की हिंसा से जुड़े मामले भी शामिल हैं और वह अदियाला जेल में बंद हैं। इमरान खान के खिलाफ इस्लामाबाद के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में 9 मई के दंगों से संबंधित छह एफआईआर दर्ज की गई हैं। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, उन पर पुलिस पर हमला करने के लिए लोगों को उकसाने का आरोप लगाया गया है।

भारत-अमेरिका के संबंध समान विचार पर आधारित, शांगरी ला डायलॉग में बोले अमेरिकी रक्षा मंत्री

सिंगापुर, एजेंसी। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने बताया कि भारत-अमेरिता के रिश्ते समान दृष्टि और समान विचार पर आधारित है। इन दोनों देशो के बीच के संबंधों में रफ्तार भी बढ़ेगी। ऑस्टिन की यह टिप्पणी शांगरी ला डायलॉग में द्विपक्षीय संबंधों को लेकर पूछे गए सवाल पर आई। बता दें कि शांगरी ला डायलॉग एशिया का प्रमुख रक्षा शिखर सम्मेलन है।

लॉयड ऑस्टिन ने भारत-अमेरिका के संबंधों का विवरण दिया- भारत-अमेरिका के रिश्ते को लेकर एक प्रतिनिधि ने अमेरिकी रक्षा मंत्री से सवाल किया। उन्होंने इसका जवाब देते हुए कहा, मौजूदा समय में भारत के साथ हमारे संबंध अच्छे हैं। यह उतना ही अच्छा और बेहतर है, जितना पहले था। उन्होंने आगे कहा, हम भारत के साथ मिलकर बख्तरबंद वाहनों का सह-उत्पादन कर रहे हैं। इस परियोजना में प्रगति हुई है।

ऑस्टिन ने आगे कहा, भारत-अमेरिका के संबंध समान दृष्टि और समान विचार पर आधारित है। इसलिए मुझे लगता है कि इस रिश्ते में जो गति हम देख रहे हैं, वह न केवल जारी रहेगा बल्कि ये रफ्तार भी पकड़ेगी। हिंद-प्रशांत क्षेत्र को लेकर ऑस्टिन ने कहा, इस क्षेत्र में अपने दोस्तों के साथ, रक्षा उद्योग को बेहतर तरीके से एकीकृत करने के लिए हम राष्ट्रीय बाधाओं को तोड़ रहे हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि हिंद-प्रशांत में अमेरिका महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा।

ऑस्टिन ने बताया क्यों एशियाई क्षेत्रों में अमेरिका अपनी उपस्थिति बनाए हुए है- हिंद-प्रशांत क्षेत्र के अंतर्गत हिंद महासागर और दक्षिणी चीन सागर समेत ताइवान, फिलीपींस. ब्रुनेई, मलयेशिया और वियतनाम शामिल है। ऑस्टिन ने प्रतिनिधियों को बताया कि अमेरिकी रक्षा अद्योग को जापान समेत अन्य कई देशों के साथ एकीकृत किया जा रहा है। उन्होंने कहा, हम साथ मिलकर उन क्षमताओं में निवेश कर रहे हैं, जो स्थायी सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा दता है। लॉयड ने बताया, हम अपने निवेश को अपनी रणनीति से जोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका तभी सुरक्षित रह सकता है जब एशिया सुरक्षित रहेगा। इसी वजह से अमेरिका लंबे समय से ही एशियाई क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति बनाए हुए है।

रूस और यूक्रेन ने युद्ध के बंदी सैनिकों एवं आम नागरिकों की अदला-बदली की, खुशी से चिल्लाए रिहा लोग

मास्को, एजेंसी। यूक्रेन और रूस ने युद्ध में बंदी बनाए गए एक दूसरे के 75-75 सैनिकों की शुक्रवार को अदला-बदली की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दोनों देशों के बीच पिछले तीन महीनों में पहली बार युद्धबंदियों (पीओडब्ल्यू) की अदला-बदली की गई है। यूक्रेन के चार आम नागरिकों सहित युद्धबंदियों को कई बस से उत्तरी सुमी क्षेत्र में पहुंचाया गया। बस से उतरते ही वे खुशी से चिल्लाने लगे और उन्होंने अपने परिजनों को फोन करके अपने स्वदेश लौटने की जानकारी दी।

कुछ लोग घुटनों के बल बैठ कर जमीन को चूमने लगे जबकि कई लोगों ने अपने आप को पीले-नीले झंडों में लपेट कर एक-दूसरे को गले लगाया और फूट-फूट कर

रोने लगे। अधिकारियों ने बताया कि युद्धबंदियों की अदला-बदली से कुछ समय पहले इसी स्थान पर दोनों पक्षों ने सैनिकों के शव भी एक-दूसरे को सौंपे थे।

इस वर्ष में चौथी बार और फरवरी 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद से 52वीं बार युद्ध बंदियों की अदला-बदली की गई है। संयुक्त अरब अमीरात ने कहा कि इस हालिया अदला-बदली में उसने मदद की है। 'यूक्रेन क्रॉडिनेशन हेड्क्वॉर्टर फॉर ट्रीटमेंट ऑफ पीओडब्ल्यू के अनुसार, युद्ध शुरू होने के बाद से यूक्रेन के कुल 3,210 सैन्यकर्मी और आम नागरिक देश लौट चुके हैं।

भारत ने जिनेवा में महिलाओं, बच्चों और किशोरों के स्वास्थ्य पर आयोजित किया कार्यक्रम

जिनेवा, एजेंसी। भारत ने नॉर्वे, संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ), संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) और मातृ, नवजात और बाल स्वास्थ्य भागीदारी (पीएमएनसीएच) के सहयोग से जिनेवा में महिलाओं, बच्चों और किशोरों के स्वास्थ्य पर एक कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में महिलाओं, बच्चों और किशोरों के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए सक्रिय कार्रवाई को लागू करने की भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया। किशोर स्वास्थ्य पर केंद्रित यह कार्यक्रम स्विट्जरलैंड के जिनेवा में 77वीं विश्व स्वास्थ्य सभा के दौरान आयोजित किया गया।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक प्रेस रिलीज में कहा- कार्यक्रम का उद्देश्य उभरते साक्ष्यों और खोजों को साझा करना, मातृ, नवजात, बाल और किशोर स्वास्थ्य और कल्याण में निवेश के लिए महत्वपूर्ण अवसरों पर संवाद को बढ़ावा देना था। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव और भारतीय प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख अपूर्व चंद्रा ने इस विषय पर हुई प्रगति और इस संबंध में की गई पहलों पर जोर दिया।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिशेल मार्श की फिटनेस पर सस्पेंस

- ओमान के खिलाफ नहीं करेंगे गेंदबाजी

पोर्ट ऑफ स्पेन, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श की फिटनेस को लेकर अब भी सस्पेंस बना हुआ है। हालांकि, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की ओर से उन्हें फिट बताया जा रहा है लेकिन वह ओमान के खिलाफ बतौर ऑलराउंडर नहीं बल्कि बल्लेबाज के रूप में खेलेंगे। भारत में आईपीएल खेलने के दौरान मार्श अप्रैल में हैमस्ट्रिंग की चोट का शिकार हो गए थे, जिसके कारण उन्हें टूर्नामेंट से

बाहर होना पड़ा था। टी20 विश्व कप 2024 के आगाज से पहले, इस सप्ताह की शुरुआत में हुए दो अभ्यास मुकाबलों में वह फिर से मैदान पर लौटे। दोनों ही मैचों में उन्होंने पूरी पारी में फील्डिंग नहीं की। हालांकि, एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने पुष्टि की है कि मार्श 6 जून को बारबाडोस में ओमान के खिलाफ मैच खेलेंगे, लेकिन केवल बल्लेबाज के रूप में। गेंदबाजी में उनकी वापसी अभी भी अनिश्चित है। क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू ने एंड्रयू मैकडोनाल्ड के हवाले से कहा, ‌फ्रमिचेल के लिए, (वार्म-अप मैच) उनके शरीर की स्थिति को परखने के बारे में थे।

मैंने कभी नहीं सोचा था कि अमेरिका में क्रिकेट खेलने को मिलेगी: विराट कोहली

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने संयुक्त राज्य अमेरिका में क्रिकेट के बढ़ते प्रभाव पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यहां क्रिकेट की लोकप्रियता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) ने इस विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कोहली ने अमेरिकी वाणिज्य दूतावास मुंबई द्वारा एक्स पर पोस्ट एक वीडियो में कहा कि ईमानदारी से कहूं तो, मैंने कभी नहीं सोचा था कि हम अमेरिका में किसी भी रूप में क्रिकेट खेलेंगे। लेकिन अब यह हकीकत है। यह आपको दुनिया में खेल के बढ़ते प्रभाव के बारे में

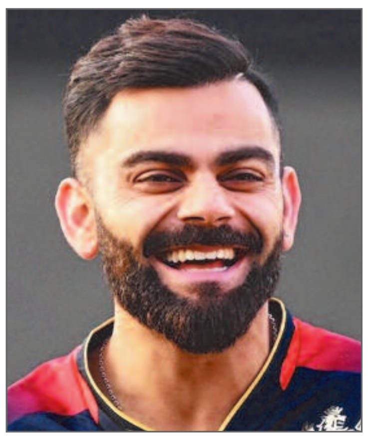

बताता है। संयुक्त राज्य अमेरिका इस बदलाव को स्वीकार करने के लिए काफी इच्छुक है। मुझे लगता है कि यह शुरुआत करने का एक आदर्श तरीका है, इसलिए मुझे लगता है कि इसका बहुत बड़ा प्रभाव पड़ेगा। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने हाल ही में अमेरिका की मास्टर लीग में लिस्ट ए का दर्जा दिया था। इसके बाद अमेरिका में क्रिकेट तेजी से बढ़ने की उम्मीद है। 2023 में हुए एमएलसी के पहले सीजन ने अमेरिकी क्रिकेट देखने के लिए मैदान में भी पहुंचे। टेक्सास और उत्तरी कैरोलिना में खचाखच भरे स्टेडियम देखे गए।

भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर न्यूयॉर्क में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

छावनी में बदला नासाउ स्टेडियम

न्यूयॉर्क, एजेंसी। आईएसआईएस ने जो धमकी दी थी, उसमें खतरा लोन वुल्फ अटैक को लेकर डराया था। लोन वुल्फ आतंकवादी संगठनों से जुड़े सदस्य हैं जो संगठनों से इजाजत लेकर स्वतंत्र रूप से काम करते हैं, जिससे उन्हें ट्रैक करना अधिक कठिन हो जाता है। आतंकी हमले के खतरे को देखते हुए न्यूयॉर्क की नासाउ काउंटी में नौ जून को भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले टी20 विश्व कप मुकाबले के लिए अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था होगी। दरअसल, आईएसआईएस के एक आतंकी संगठन ने भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर धमकी दी थी। आईएसआईएस-के ने वीडियो जारी करते हुए लोन वुल्फ अटैक की धमकी दी थी। नासाउ काउंटी के स्टेडियम में टूर्नामेंट के आठ मैच खेले जाएंगे जिसमें भारत के तीन मैच भी शामिल हैं। भारतीय टीम एक जून को यहां बांग्लादेश के खिलाफ अभ्यास मैच भी खेलेगी।

न्यूयॉर्क की गवर्नर ने क्या कहा?

न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने कहा कि उन्होंने राज्य पुलिस को दर्शकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा इंतजाम बढ़ाने का निर्देश दिया है। कैथी ने एक्स (पूर्व में टि्वटर) पर एक पोस्ट में कहा, विश्व कप की तैयारी में मेरी टीम संघीय और स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रही है जिससे कि उपस्थित लोगों को सुरक्षित रखा जा सके। हालांकि इस समय कोई विश्वसनीय खतरा नहीं है, मैंने न्यूयॉर्क पुलिस को सुरक्षा इंतजाम बढ़ाने का निर्देश दिया है और हम निगरानी जारी रखेंगे।

आईसीसी ने क्या कहा था?

आईसीसी ने कहा था, टूर्नामेंट में सभी की सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता है और हमारे पास एक व्यापक और मजबूत सुरक्षा योजना है। हम अपने मेजबान देशों के अधिकारियों के साथ मिलकर काम करते हैं और वैश्विक परिदृश्य की निरंतर निगरानी और मूल्यांकन करते हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमारी प्रतियोगिता के लिए पहचाने गए किसी भी जोखिम को कम करने के लिए उचित योजनाएं बनाई गई हैं।

छावनी में तब्दील नासाउ स्टेडियम

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में तो यह तक भी कहा जा रहा है कि नौ जून को मैच के दिन इस स्टेडियम में करीब 3500 पुलिसकर्मा मौजूद होंगे। 35 हजार दर्शकों की क्षमता वाले इस स्टेडियम में 3500 पुलिसकर्मियों का होना किसी आश्चर्य से कम नहीं है। अमेरिका में सबसे ज्यादा प्रसिद्ध खेल अमेरिकन फुटबॉल, बेसबॉल और बास्केटबॉल में भी कभी इतनी सिक्योरिटी नहीं लगाई गई है। इसके अलावा मैदान के अंदर दर्शकों की जांच के लिए स्क्रीनिंग मशीनें होंगी। साथ ही उन पर नजर रखने के लिए डॉग स्क्वॉड भी लगाए जाएंगे। इतना ही नहीं हेलीकॉप्टर से भी

स्टेडियम पर नजर रखी जाएगी। साथ ही कई वॉच टावर भी बनाए गए हैं। आइजहावर पार्क स्थित इस स्टेडियम को लेकर पुलिस एक्शन में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस आइजनहावर पार्क को दो जून से अपने कब्जे में ले लेगी ताकि किसी भी प्रकार की गतिविधियों पर नजर बनाया जा सके। इस मैदान पर पहला मैच तीन जून को दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका के बीच खेला जाएगा।

पुलिस के सामने ये दो बड़ी चुनौतियां

- **आईएसआईएस-के द्वारा वैश्विक धमकी**– सीएनएन की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि न्यूयॉर्क के अधिकारी विश्व कप के खिलाफ इस साल की शुरुआत में आतंकवादी समूह आईएसआईएस-के द्वारा वैश्विक धमकी के बाद सुरक्षा को लेकर सावधानी बरत रहे हैं। एक महीने पहले अप्रेल में आंतकी संगठन आइएसआइएस ने विश्व कप के दौरान हमले की धमकी दी थी। नासाउ काउंटी के पुलिस आयुक्त पैट्रिक राइडर ने बुधवार को कहा कि इस टूर्नामेंट को लेकर अप्रैल में भी आईएसआईएस-के से जुड़ी धमकी मिली थी। हालांकि, इस बार खतरा लोन वुल्फ का है।
- **अमेरिका में गन प्रवृति से खतरा**– अमेरिका में आम लोगों के पास भी गन है। इस कारण इस देश में अकसर सार्वजनिक जगहों पर गोलीबारी की घटनाएं आम बात हैं। पुलिस को डर है कि कही विश्व कप मैच के दौरान और खासतौर पर भारत-पाकिस्तान मैच में इस तरह की घटना हो सकती है।

भारत बनाम पाकिस्तान मैच को लेकर धमकियां

रिपोर्ट में कहा गया है, इसके बाद नौ जून को होने वाले भारत बनाम पाकिस्तान मैच को लेकर और अधिक विशिष्ट धमकियां दी गईं और ऑनलाइन प्रसारित होने वाले एक वायरल वीडियो का संदर्भ दिया गया जिसमें 'अकेले भेड़िये को कार्रवाई करने' के लिए कहा गया है। राइडर ने रिपोर्ट में कहा, मैं आपको इसकी गारंटी दे सकता हूं। यह इस काउंटी के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी सुरक्षा व्यवस्था है, और मैं आपको यह भी गारंटी दे सकता हूं कि नौ जून को नासाउ काउंटी में सबसे सुरक्षित जगह स्टेडियम के अंदर होगी।

भारत न्यूयॉर्क में तीन मैच खेलेगा

रोहित शर्मा की अगुआई वाली भारतीय टीम पांच जून को आयरलैंड के खिलाफ अपने टी20 विश्व कप अभियान की शुरुआत करेगी। उसके बाद नौ जून को पाकिस्तान के खिलाफ बहुप्रतीक्षित मुकाबला होगा। भारत को 12 जून को मेजबान अमेरिका का सामना करना है। इस प्रतियोगिता पर आतंकी खतरे का खुलासा सबसे पहले त्रिनिदाद के प्रधानमंत्री कीथ रोली ने किया था और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि प्रतियोगिता के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए मजबूत सुरक्षा घेरा बनाया गया है।

यूट्यूबर जेक पॉल से माइक टायसन का मुकाबला स्वास्थ्य कारणों से स्थगित

फैंस को हाथ लगी निराशा

लंदन, एजेंसी। आयोजकों ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि टायसन को गुरुवार को डॉक्टरों के साथ फॉलो-अप के बाद आने वाले हफ्तों में कम से कम ट्रेनिंग की सलाह दी गई है। माइक टायसन की यूट्यूबर जेक पॉल के खिलाफ रिंग में वापसी को लेकर फैंस को अभी और इंतजार करना होगा। पूर्व हैवीवेट चैंपियन फिलहाल स्वास्थ्य समस्याओं से गुजर रहे हैं और इसी के डर ने उन्हें वापसी करने से रोक लिया। मैच को इसके बाद स्थगित कर दिया गया है। आयोजकों ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की।

टायसन जब पिछले रविवार को मियामी से लॉस एंजिल्स आ रहे थे, तो उन्हें चिकित्सा उपचार की जरूरत पड़ी थी। चक्कर आना की शिकायत के बाद उन्हें ट्रीटमेंट के लिए ले जाया गया था। 20 जुलाई को टेक्सास में पॉल के साथ उनका मैच था। आयोजकों ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि टायसन को गुरुवार को डॉक्टरों के साथ फॉलो-अप के बाद आने वाले हफ्तों में कम से कम ट्रेनिंग की सलाह दी गई है। इसके बाद पता चला की उन्हें अल्सर है, जिसके बढ़ने से उन्हें फ्लाइट में समस्याएं आई थीं। बयान में कहा गया- माइक टायसन को सलाह है कि वह अगले कुछ हफ्तों में कम से कम ट्रेनिंग करें और फिर जब मन करे तब पूरी फिटनेस ट्रेनिंग के लिए लौटें।

रोहित अकेले दम पर विरोधी टीम से मैच छीन सकते हैं: शाकिब

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के खिलाफ वार्म अप मैच से पहले बांग्लादेश के अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की जमकर सराहना करते हुए कहा कि रोहित ऐसे बल्लेबाज हैं, जो अकेले ही पूरा मैच पलटने का माद्दा रखते हैं। भारत और बांग्लादेश शनिवार को न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में एक दूसरे से भिड़ेंगे। इस बीच स्टार स्पोर्ट्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें शाकिब ने कहा, मुझे लगता है कि पिछले कुछ साल जिस तरह से रोहित शर्मा ने भारतीय टीम की कमान संभाली है, वह शानदार है। टीम में एक लीडर के तौर पर उनकी छवि बहुत अच्छी है और सभी खिलाड़ी उनका सम्मान करते हैं। रोहित एक ऐसे खिलाड़ी हैं, जो अकेले ही किसी भी मैच को विरोधी टीम से दूर और अपने पक्ष में ले जाने का दम रखते हैं।

दुनिया में क्रिकेट के बढ़ते प्रभाव...

अमेरिका में टी20 विश्व कप का उत्साह देख खुश हैं विराट

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी विराट कोहली ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने कभी अमेरिका में क्रिकेट खेलने के बारे में नहीं सोचा था और वहां टी20 विश्व कप का आयोजन दुनिया में इस खेल के बढ़ते प्रभाव को दिखाता है। आगामी दो जून से शुरू हो रहे टी20 विश्वकप की मेजबानी अमेरिका और वेस्टइंडीज कर रहे हैं। कोहली शुक्रवार शाम (भारतीय समयानुसार) न्यूयॉर्क पहुंचे और अब वह टूर्नामेंट की तैयारियों में लग गए हैं। उन्होंने अमेरिकी वाणिज्य दूतावास, मुंबई द्वारा 'एक्स' पर जारी एक वीडियो में कहा, सच कहूं तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि हम अमेरिका में किसी भी तरह का क्रिकेट खेलेंगे, लेकिन अब यह बात हकीकत बनने जा रही है। कोहली ने कहा कि आईसीसी दुनिया के अन्य हिस्सों में क्रिकेट का प्रसार और विस्तार करना चाहती है और अमेरिका में टी20 विश्व कप के आयोजन के दूरगामी परिणाम होंगे।

पांच जून को अभियान की शुरुआत करेगा भारत

भारतीय टीम टी20 विश्व कप में ग्रुप-ए में शामिल है जिसमे आयरलैंड, अमेरिका, पाकिस्तान और कनाडा की टीमें मौजूद है। भारत पांच जून को आयरलैंड के खिलाफ इस वैश्विक टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत करेगा। इसके बाद टीम नौ जून को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान का सामना करेगी।

आईपीएल में गरजा कोहली का बल्ला– किंग कोहली इस वक्त फॉर्म में हैं और आगामी विश्व कप में भारत के लिए उपयोगी साबित हो सकते हैं। हाल ही में समाप्त हुए आईपीएल 2024 में विराट ने दमदार प्रदर्शन किया था और सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए 15 मैचों में 154.69 के स्ट्राइक रेट से 741 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से एक शतक और पांच अर्धशतक निकले। कोहली इस सीजन एक बार फिर ऑरेंज कैप जीतने वाले बल्लेबाज रहे। इससे पहले उन्होंने साल 2016 में 973 रन बनाकर ऑरेंज कैप पर कब्जा जमाया था।

गायत्री-त्रिशा की जोड़ी सिंगापुर ओपन से बाहर

सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर-4 जापान ने हराया, टूर्नामेंट में भारत का सफर खत्म

नईदिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड नंबर-4 जापान की नामी मात्सुयामा और चिहारू शिडा ने भारतीय जोड़ी को 23-21, 21-11 से हराया। भारत की गायत्री गोपीचंद और त्रिशा जॉली की जोड़ी सिंगापुर ओपन से बाहर हो गई है। सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर-4 जापान की नामी मात्सुयामा और चिहारू शिडा ने 47 मिनट चले इस मैच में भारतीय जोड़ी को 23-21, 21-11 से हराया। इसके साथ ही टूर्नामेंट में भारत का सफर समाप्त हो गया है। भारत के सात्विक-चिराग, पीवी सिंधु और एचएस प्रणय पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं।

लगातार गेम में हारी भारतीय जोड़ी– जापान और भारत के बीच हुए विमेंस डबल्स के सेमीफाइनल में पहला गेम काफी रोमांचक रहा। दोनों ही जोड़ी एक पॉइंट्स से ज्यादा की लीड नहीं ले पा रही थीं। जापान ने तीन बार मैच पॉइंट्स का मौका गंवाया। हालांकि, भारतीय जोड़ी की गलती के कारण मात्सुयामा और शिडा गेम जीतने में कामयाब रहीं। दूसरे गेम में भारतीय टीम दबाव में नजर आई। शुरुआती 2 पॉइंट्स के बाद टीम पिछड़ती चली गई।

वर्ल्ड नंबर-2, 6 को हराकर सेमीफाइनल में पहुंची थी भारतीय जोड़ी

भारत की त्रिशा और गायत्री का यह इस सीजन का पहला सेमीफाइनल था। उन्होंने राउंड-16 में वर्ल्ड नंबर-2 साउथ कोरिया की बेक हा ना और ली सो ही को तीन गेम 21-9, 14-21, 21-15 से हराया था। इसके बाद क्वार्टर फाइनल में वर्ल्ड नंबर-6 साउथ कोरिया जोड़ी किम यिओंग और कॉन्ग यॉन्ग को 21-18, 21-9, 24-23 से मात देकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। इससे पहले दोनों साल 2023 के ऑल इंग्लैंड ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची थी।

किंग्स कप के फाइनल में अल हिलाल से हार के बाद

फूट-फूटकर रोए क्रिस्टियानो रोनाल्डो

नई दिल्ली, एजेंसी। पुर्तगाली सुपरस्टार का व्यक्तिगत तौर पर शानदार सीजन था, लेकिन उन्होंने इसे ट्रॉफी रहित समाप्त किया। इससे ही वह दुखी हो गए और इतने संघर्ष के बाद ट्रॉफी नहीं जीत पाने से उनकी आंखों में आंसू आ गए।

सऊदी अरब की फुटबॉल लीग में अल नस्र से खेलने वाले क्रिस्टियानो रोनाल्डो किंग्स कप फाइनल में कट्टर प्रतिद्वंद्वी अल-हिलाल के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में हार के बाद फूट-फूटकर रोने लगे। मैच का परिणाम अपने पक्ष में नहीं आने के बाद रोनाल्डो मैदान पर लेट गए और रोने लगे। फुल टाइम और फिर एक्स्ट्रा टाइम में स्कोर 1-1 से बराबर रहने के बाद अल हिलाल ने अल नस्र को पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से हराया। अल हिलाल के गोलकीपर गोलकीपर यासीन बूनो ने दो सेव किए और अल हिलाल की जीत के हीरो रहे।

करीब पांच साल तक डेट करने के बाद

अर्जुन और मलाइका का हुआ ब्रेकअप !

पांच साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद आखिरकार एक्टर अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा अलग हो गए हैं। लेकिन अभी भी उनकी दोस्ती बनी हुई है। एक करीबी सूत्र ने पुष्टि की है कि 2018 में डेटिंग शुरू करने वाले अर्जुन और मलाइका अब अलग हो गए हैं।

सूत्र ने पुष्टि की, अर्जुन की बॉडी लैंग्वेज और अभी वह जिस तरह से हैं, उसे देखते हुए ऐसा लगता है कि वह दोनों अलग हो चुके हैं। वे इतने लंबे समय से डेटिंग कर रहे थे, इसलिए यह सब शांति से हुआ। मलाइका और अर्जुन अभी भी एक-दूसरे के अच्छे दोस्त हैं। 2018 में दोनों के डेटिंग की अफवाहें तब फैलने लगीं जब उन्हें एक फैशन शो में साथ देखा गया। इस जोड़े ने मलाइका के 45वें जन्मदिन पर अपने रिश्ते का खुलासा किया था।

इंस्टाग्राम पर इसे आधिकारिक बनाने के बाद दोनों को अक्सर एक साथ छुट्टियां मनाते, कार्यक्रमों में शामिल होते और यहां तक कि एक-दूसरे के परिवारों के साथ समय बिताते हुए देखा गया था। मलाइका अरोड़ा अरबाज खान से तलाक के बाद से ही अर्जुन कपूर को डेट कर रही थी। खास बात यह है कि दोनों ने कभी भी अपने रिश्ते को मीडिया के सामने आने से नहीं छुपाया। इससे पहले भी दोनों के अलग होने की खबरें सामने आती रही हैं। वहीं, अर्जुन रोहित शेट्टी की आगामी फिल्म सिंघम अगेन में अपने ग्रे शेड्स दिखाने के लिए तैयार हैं, जिसमें अजय देवगन और दीपिका पादुकोण भी हैं। इसके बाद उनके पास अनीस बज्मी द्वारा निर्देशित कॉमेडी फिल्म नो एंट्री 2 है, जिसमें उनके साथ वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ हैं। मलाइका अरोड़ा अक्सर अपनी फिटनेस के लिए जानी जाती हैं।

वह निजी जिंदगी के अलावा प्रोफेशनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में बनी रहती हैं। मलाइका ने दिल से, बिच्छू, मां तुझे सलाम, कांटे, हाउसफुल, हाउसफुल 2, हैप्पी न्यू ईयर जैसी फिल्मों में काम किया है। वह टेलीविजन शो नच बलिए का भी हिस्सा रहीं। इसमें उन्होंने एक ज ज की भूमिका निभाई थी।

मलाइका ने बॉलीवुड के अभिनेता-निर्देशक-निर्माता अरबाज खान से शादी की थी लेकिन दोनों की शादी नहीं चल पाई। दोनों ने 11 मई 2017 को तलाक ले लिया। दोनों का एक बेटा अरहान है। पति से अलग होने के बाद मलाइका अर्जुन कपूर के साथ रिलेशन में आ गई थीं।

शुभमन गिल से

दिसंबर में शादी कर रही हैं रिधिमा पंडित?

टेलीविजन एक्ट्रेस रिधिमा पंडित और क्रिकेटर शुभमन गिल को लेकर खबरें चल रही हैं कि दोनों दिसंबर में शादी कर रहे हैं। अब एक्ट्रेस ने खबरों पर रिएक्ट किया है और सच्चाई बताई है कि क्या वो सच में शादी करने जा रही हैं या नहीं।

टेलीविजन एक्ट्रेस रिधिमा पंडित को लेकर खबरें थीं कि वो क्रिकेटर शुभमन गिल के साथ शादी कर रही हैं। आखिरकार एक्ट्रेस ने साफ कर दिया है कि वह शुभमन गिल से शादी नहीं कर रही हैं। हाल ही में, एक रिपोर्ट ऑनलाइन वायरल हुई जिसमें दावा किया गया कि बहू हमारी रजनीकांत की एक्ट्रेस दिसंबर 2024 में गिल के साथ शादी के बंधन में बंध जाएंगी। हालांकि, रिधिमा ने अब साफ कर दिया है कि इन दावों में कोई सच्चाई नहीं है। टेलीचक्कर की रिपोर्ट के अनुसार, रिधिमा पंडित ने हाल ही में अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो डाला, जिसमें उन्होंने कहा, काफी सारे पत्रकारों के फोन आ रहे थे जिससे मेरी नींद खुली, वो मेरी शादी को लेकर मुझसे जानना चाह रहे थे लेकिन कैसी शादी?

मैं शादी नहीं कर रही और अगर मेरी लाइफ में इतना इम्पॉर्टेंट कुछ हो रहा है तो मैं खुद सामने से आकर इस बारे में अनाउंस करूंगी। इस खबर में जरा भी सच्चाई नहीं।

शुभमन गिल की शादी

रिधिमा पंडित को बहू हमारी रजनीकांत और खतरा खतरा खतरा जैसे टेलीविजन शो के लिए जाना जाता है। वह बिग बॉस ओटीटी के पहले सीजन में भी नजर आई थीं। शुभमन गिल ने अभी तक शादी की अटकलों पर प्रतिक्रिया नहीं दी है। इससे पहले ऐसी अफवाहें थीं कि वह क्रिकेट लीजेंड सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर को डेट कर रहे हैं।

शादी को लेकर चर्चा

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ये शादी दिसंबर 2024 में जयपुर, राजस्थान में हो सकती है और शुभमन और रिधिमा अपनी शादी को गुप्त रखना चाहते थे। इसके अलावा, कुछ रिपोर्ट्स में यह भी बताया गया है कि कथित शादी में किसी भी फोन और मीडिया कवरेज की अनुमति नहीं दी जाएगी।

कोलकाता में वोट डालने के लिए 40 मिनट तक कतार में खड़े रहे मिथुन, बोले- यह मेरा कर्तव्य था

मिथुन चक्रवर्ती ने कोलकाता के बेलगछिया में एक मतदान केंद्र पर अपना वोट डाला। इसके बाद उन्होंने बताया कि वे वोट डालने के लिए 40 मिनट तक कतार में खड़े रहे, उन्होंने नियमों का पालन किया। शनिवार 1 जून को लोकसभा चुनाव 2024 सातवां और आखिरी चरण था। इस दौरान अभिनेता और भारतीय जनता पार्टी के नेता मिथुन चक्रवर्ती कोलकाता में अपना वोट डालने के लिए निकले। उन्होंने कोलकाता के बेलगछिया में एक मतदान केंद्र पर अपना वोट डाला। वोट डालकर निकले अभिनेता ने वहां मौजूद मीडियाकर्मियों से बातचीत की। उन्होंने बताया कि वे वोट डालने के लिए 40 मिनट तक कतार में खड़े रहे, क्योंकि वह अपना कर्तव्य निभाना चाहते थे।

अभिनेता ने वोट के लिए कतार नहीं तोड़ी

अभिनेता-राजनेता की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सामने आए हैं। इस दौरान वे काले रंग का कुर्ता, टोपी और धूप का चश्मा पहने नजर आ रहे हैं। मतदान केंद्र के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, एक नागरिक के तौर पर वोट देना मेरा कर्तव्य है और मैंने वोट दिया। मैंने 40 मिनट तक कतार में इंतजार किया और फिर अपना वोट डाला। लोगों ने मुझसे कहा कि मैं आगे बढ़ूं और वोट देने के लिए कतार तोड़ दूं, लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया।

एआर रहमान ने कहा

भारत में संगीतकारों को आगे बढ़ने का मिलता है अवसर

म्यूजिक डायरेक्टर ए.आर. रहमान ने कहा है कि भारत सांस्कृतिक रूप से इतना समृद्ध देश है कि यह ध्वनि, शब्द, विचार के माध्यम से सभी को एक साथ लाने का एक शानदार अवसर प्रदान करता है। संगीत के जादूगर ए.आर. रहमान ने भारत में संगीतकारों को मिल रहे अवसरों को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि भारत ने उन संगीतकारों को आगे लाने का एक शानदार अवसर प्रदान किया है, जिन्हें पहले कभी मौका नहीं मिला। ऑस्कर और ग्रैमी विजेता संगीत निर्देशक ने मुंबई में नेक्सा म्यूजिक के तीसरे सीजन का शुभारंभ किया। इस मौके पर ए.आर. रहमान ने कहा कि मानव मस्तिष्क की शक्ति हमारी कल्पना से कहीं अधिक है और सशक्तीकरण के जरिए कुछ भी पाया जा सकता है। नेक्सा म्यूजिक के तीसरे सीजन के लॉन्च पर प्रसिद्ध गायक राजा कुमारी, किंग, अर्जुन कानूनगो और मामे खान भी शामिल हुए।

देश में क्षेत्रीय संगीत को मिले प्रोत्साहन पर बात करते हुए भारत के म्यूजिक माएस्ट्रो ए.आर. रहमान ने कहा, इंसान का दिमाग सशक्तीकरण के साथ काम करता है और मुझे लगता है कि अगर मन सशक्त हो तो कुछ भी किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कोई भी गाना बनाते समय आपको यह अहसास होना चाहिए कि जिसे मैं बनाने जा रहा हूं यह सबसे अच्छा गाना है, और सभी लोग इसे पसंद करेंगे। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए संगीतकार ने कहा कि हर भाषा महत्वपूर्ण है। किसी की किस्मत कभी भी चमक सकती है। किसी भी कलाकार को कभी भी कम नहीं आंकना चाहिए। मीडिया द्वारा पूछे जाने पर कि सीजन 3 से क्या उम्मीद की जाए, इस पर रहमान ने कहा कि मैं माइकल जैक्सन के पसंदीदा शब्द वंडरमेंट का इस्तेमाल करना चाहूंगा। लोगों को सीजन 3 से वंडरमेंट की उम्मीद करनी चाहिए। सभी प्रतियोगी एक साथ कुछ नया लेकर आएंगे और चमकेंगे। संगीतकार ने 1991 में अपना खुद का म्यूजिक रिकॉर्ड करना शुरु किया। उन्होंने 1992 में फिल्म रोजा में अपने संगीत का जादू दिखाया। इस फिल्म के संगीत ने दर्शकों के दिलों में जगह बनाई। इस म्यूजिकल हिट के लिए रहमान को फिल्मफेयर पुरस्कार भी मिला। संगीतकार ने दिल से, रंगीला, ताल, पुकार, फिजा, लगान, मंगल पांडे, स्वदेश, रंग दे बसंती, जोधा-अकबर, जाने तू या जाने ना, तहजीब, बॉम्बे, युवराज, स्लम डॉग मिलेनियर और गजनी जैसी फिल्मों में अपना संगीत दिया है। ए.आर. रहमान ने देश की आजादी के 50 साल पूरे होने पर 1997 में वंदे मातरम् एलबम बनाया। जिसे लोगों का भरपूर प्यार मिला।

देश के पहले दलित क्रिकेटर के किरदार में ढलेंगे अजय देवगन, तिग्मांशु धूलिया के साथ मिलाया हाथ

अजय देवगन एथलेटिक्स की दुनिया में एक और प्रतिष्ठित व्यक्ति को चित्रित करने के लिए तैयार हैं। इस बार, देवगन भारत के पहले दलित क्रिकेटर पालवंकर बालू को पर्दे पर जीवंत करेंगे। अजय देवगन, स्पोर्ट्स बायोपिक मैदान में अपनी भूमिका के बाद, एथलेटिक्स की दुनिया में एक और प्रतिष्ठित व्यक्ति को चित्रित करने के लिए तैयार हैं। इस बार, देवगन भारत के पहले दलित क्रिकेटर पालवंकर बालू को पर्दे पर जीवंत करेंगे। फिल्म निर्माता प्रीति सिन्हा ने 29 मई 2024 को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स, जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था, के माध्यम से इस खबर की घोषणा की।

पालवंकर बालू बन पर्दे पर छाएंगे अजय देवगन ! अपने पोस्ट में, प्रीति सिन्हा ने खुलासा किया कि यह प्रोजेक्ट उनके, देवगन और निर्देशक तिग्मांशु धूलिया के बीच एक सहयोग है। उन्होंने इस ऐतिहासिक शख्सियत की कहानी को साझा करने की अपनी प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए लिखा, हम रामचंद्र गुहा सर की किताब ए कॉर्नर ऑफ ए फॉरेन फील्ड पर आधारित पालवंकर बालू की कहानी का निर्माण कर रहे हैं। यह फिल्म इतिहासकार रामचंद्र गुहा के काम से प्रेरित है। इसका लक्ष्य 2023 के अंत तक प्रोडक्शन शुरू करना है। गुहा की पुस्तक पालवंकर बालू के जीवन और एक दलित क्रिकेटर के रूप में उनके सामने आने वाली महत्वपूर्ण चुनौतियों का गहन अन्वेषण प्रस्तुत करती है। पालवंकर बालू ने अपने करियर की शुरुआत पुणे के एक क्रिकेट क्लब में ग्राउंड्सकीपर के रूप में की। हालांकि, उनकी उल्लेखनीय प्रतिभा जल्द ही चमक गई, जिससे 1896 में प्रतिष्ठित हिंदू जिमखाना टीम के लिए उनका चयन हो गया, जिससे एक उल्लेखनीय क्रिकेट करियर की शुरुआत हुई। बालू की कहानी दृढ़ता और विपरीत परिस्थितियों पर विजय की कहानी है। अपने पूरे करियर के दौरान, उन्हें महत्वपूर्ण जातिगत भेदभाव का सामना करना पड़ा, लेकिन उच्च जातियों के प्रभुत्व वाले खेल में अपना नाम बनाने में कामयाब रहे। उनकी उपलब्धियों और संघर्षों को गुहा की किताब में स्पष्ट रूप से कैद किया गया है, जिसे फिल्म ईमानदारी से अनुकूलित करना चाहती है।

फिल्मों से अधिक सोशल मीडिया पर रील्स बना रहीं विद्या बालन

बॉलीवुड एक्ट्रेस विद्या बालन इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब रील्स बना रही हैं और इसे लेकर इन दिनों काफी चर्चा में भी हैं। विद्या ने दो साल पहले सोशल मीडिया पर कदम रखा था और अब रील्स बनाने को लेकर उन्होंने बात की है। उन्होंने बताया कि ये रील्स बनाने की लत उन्हें कहां से और कैसे लगी है। सोशल मीडिया पर रील बनाने और वायरल होने के अपने अनुभव पर बात करते हुए विद्या ने बताया, लगभग दो साल पहले मैं लंदन में नीयत फिल्म की शूटिंग कर रही थी, इस दौरान मेरे पास बहुत समय था। मेरे मैनेजर ने मुझसे कहा कि हम रील क्यों नहीं बनाते।

पहला वीडियो वायरल होते ही सोशल मीडिया से प्यार

अपना पहला वीडियो वायरल होने के बाद से ही विद्या को सोशल मीडिया से प्यार हो गया। इसी के साथ वह सोशल मीडिया से जुड़ाव महसूस करने लगीं। उसके बाद एक्ट्रेस फिर रुकी नहीं। इसके बाद से लगातार अपने फैंस का मनोरंजन करने के लिए सोशल मीडिया पर रील्स बना रही हैं।

बिग बॉस ओटीटी 3 होस्ट नहीं करेंगे सलमान खान

पॉपुलर रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी 3 बहुत जल्द शुरू होने जा रहा है। इसका फर्स्ट प्रोमो वीडियो भी सामने आ गया है। इस बार सलमान बिग बॉस ओटीटी को होस्ट नहीं करेंगे बल्कि कोई और इसे होस्ट करेगा। प्रोमो वीडियो में शो को होस्ट करने वाले स्टार का चेहरा दिखाई नहीं दे रहा है, लेकिन बैकग्राउंड वॉइस को सुनकर आप ये पहचान सकते हैं कि इस बार बिग बॉस ओटीटी 3 को कोई और नहीं बल्कि सलमान खान के अजीज दोस्त अनिल कपूर होस्ट करने वाले हैं। इस बार बिग बॉस ओटीटी पर झक्कास होने वाला है। फैंस शो के प्रोमो वीडियो को काफी पसंद कर रहे हैं। बता दें जून के महीने में अनिल कपूर के शो का आगाज होगा, हालांकि अभी तक इसकी रिलीज डेट सामने नहीं आई है। लोग इस शो की शुरुआत का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

काले रंग की बॉडी-हगिंग ड्रेस में अपने बेबी बंप फ्लांट करती दिखीं दीपिका पादुकोण

बॉलीवुड दिवा दीपिका पादुकोण शुक्रवार शाम को अपनी मां उज्जला पादुकोण के साथ डिनर डेट के लिए निकलीं। अभिनेत्री के कई वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, जिसमें उन्हें काले रंग की बॉडी-हगिंग ड्रेस में अपने बेबी बंप के साथ एक भोजनालय से बाहर आते देखा जा सकता है। जैसे ही दीपी मुंबई के रेस्टोरेंट से बाहर निकलीं, उन्हें लोगों ने घेर लिया। इस साल की शुरुआत में, दीपिका और उनके पति रणवीर सिंह ने अपनी गर्भावस्था की घोषणा की थी और वे सितंबर में अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं। इसके अलावा, दीपिका पादुकोण हाल ही में तब सुर्खियों में आईं जब नेटिज़न्स ने उन्हें गर्भवती न होने के लिए ट्रोल किया और दावा किया कि उनका बेबी बंप नकली था। इसके बाद, रणवीर सिंह ने हालिया ट्रोलिंग के बीच दीपिका की मनमोहक तस्वीरें साझा करने के लिए इंस्टाग्राम स्टोरीज़ का सहारा लिया।

आयुष्मान को मिली पहली धर्मा फिल्म

ड्रीम गर्ल 2 के साथ 100 करोड़ की ब्लॉकबस्टर देने के बाद युवा बॉलीवुड स्टार आयुष्मान खुराना की इक्विटी आसमान छू रही है! अब, उन्हें करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस के साथ अपनी पहली फिल्म मिल गई है! अभी तक बिना शीर्षक वाली इस फिल्म का निर्माण गुनीत मोंगा की सिख्या एंटरटेनमेंट द्वारा किया जा रहा है। सफलता की लहर पर सवार होकर, आयुष्मान ने अपने पोर्टफोलियो में 10 नए, बड़े ब्रांड भी साइन किए हैं! आयुष्मान के ब्रांड पोर्टफोलियो में शीर्ष भारतीय विरासत ब्रांड, अंतरराष्ट्रीय फैशन और लक्जरी दिग्गजों का मिश्रण है।

आयुष्मान, जो अपनी असल, बेदाग इक्विटी के लिए जाने जाते हैं, उन ब्रांडों की पहली पसंद हैं जो हिंदी फिल्म उद्योग से सबसे भरोसेमंद नाम की तलाश कर रहे हैं। जब उनसे उनके विविध पोर्टफोलियो के बारे में बात करने के लिए संपर्क किया गया, जो दर्शाता है कि कैसे देश आयुष्मान पर हमेशा सही फ़िल्में चुनने और सही कंपनियों का समर्थन करने के लिए भरोसा करता है.